हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नई दिल्ली

रविवार 1 मार्च 2026

फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष,
त्रयोदशी वर्ष : 29, अंक : 317
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 29.0
न्यून. 17.0

9 टी-20 वर्ल्डकप : 'करो या मरो' के मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा भारत

PATANJALI®

पतंजलि के "देश का सबसे बड़ा ब्राण्ड" बनने की कहानी

पतंजलि®

पूजनीय स्वामी रामदेव जी व आचार्य श्री बालकृष्ण जी के तीन दशकों से अधिक के अनवरत पुरुषार्थ, तपस्या और अटल संकल्प के बल पर पतंजलि ने भारत के घर–घर तक अपनी पहुंच बनाई और करोड़ों देशवासियों के हृदय को जीता। योग व आयुर्वेद, जो कभी केवल गुफाओं और गुरुकुलों तक सीमित था, उसे पतंजलि ने जन–जन तक पहुँचाने का ऐतिहासिक कार्य किया। जनमानस की आवश्यकता और आग्रह के अनुरूप औषधियों के साथ–साथ दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया, और इस प्रकार पतंजलि ने स्वदेशी चेतना को प्रबल किया। लगभग पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। एक करोड़ से अधिक दुकानों तक स्वदेशी सेवा का व्यापक विस्तार हुआ है। 100 करोड़ भारतीयों के समर्थन और 1 करोड़ से अधिक कार्यकर्ताओं के निःस्वार्थ सेवा के लिए हम कृतज्ञ हैं।

5000 से अधिक उत्पादों के साथ स्वदेशी संकल्प: लगभग पाँच हजार से अधिक दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, पशु आहार, औषधियाँ तथा जीवनोपयोगी उत्पाद देशवासियों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। रोजगार सृजन के साथ–साथ लगभग एक करोड़ प्रशिक्षित कार्यकर्ता निःशुल्क एवं निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में समर्पित हैं। इन अनवरत प्रयासों और संकल्पों के परिणामस्वरूप आज पतंजलि समूह का वार्षिक टर्नओवर लगभग 50,000 करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है।

अर्थ से परमार्थ व राष्ट्रसेवा (Prosperity for Charity): PFL को प्राप्त होने वाला सम्पूर्ण लाभ, पतंजलि गुरुकुलम्, भारतीय शिक्षा बोर्ड, आचार्यकुलम, पतंजलि विश्वविद्यालय, रिसर्च फाउंडेशन, चिकित्सा, शिक्षा, वृक्षारोपण, सनातन धर्म और भारत माता की सेवा में पूर्णतः समर्पित किया जाता है। इस प्रकार लाभ का 100% भाग निःस्वार्थ चैरिटी और राष्ट्रसेवा के कार्यों में लगाया जाता है। पूजनीय स्वामी रामदेव जी का संकल्प है कि अपने अंतिम श्वास तक हम पवित्रता और प्रामाणिकता के साथ भारत माता की सेवा करते रहेंगे तथा एक स्वस्थ, समृद्ध और परम वैभवशाली भारत के निर्माण में अपना योगदान देते रहेंगे। पूजनीय आचार्य बालकृष्ण जी कई वर्षों से विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों और अनुसंधानविदों की श्रेणी में सम्मिलित हैं। उनके दृष्टिकोण से पतंजलि विज्ञान, अनुसंधान और स्वदेशी नवाचार के माध्यम से वैश्विक मानचित्र पर अग्रणी ब्रांड बन रहा है। योग, आयुर्वेद, स्वदेशी, सनातन धर्म की सेवा में आज पतंजलि भारत के श्रेष्ठतम संस्थान के रूप में कार्यरत है।

हाई बी. पी. को प्राकृतिक रूप से निर्मूल करने के लिए।

डायबिटीज को रिवर्स करने में लाभदायक

वात रोग, आर्थराइटिस, RA, CRP, AVN, ANA, HLA-B27 आदि के लिए

ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, कफ, कोल्ड के लिए रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन

ब्रेन, नर्वस सिस्टम व मेमोरी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

इम्यूनिटी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

किडनी प्रॉब्लम्स को रिवर्स करने के लिए

फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस आदि को रिवर्स करने के लिए

बहिष्कार करें– केमिकल व एनिमल बेस्ड प्रोडक्ट्स का और न्यूट्रेला नैचुरल ऑर्गेनिक प्रोटीन, विटामिन्स, ओमेगा आदि अपनाएं

ओबेसिटी के लिए अचूक औषधि

कोलेस्ट्रॉल के लिए

थायरॉइड के लिए

चिकित्सा के परामर्श के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि चिकित्सालय पर अवश्य विज़िट करें।

5000 पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर्स के लोकेशन का पता जानने के लिए गूगल पर सर्च करें।

एक कॉल से सभी समस्याओं को घर बैठे निःशुल्क सॉल्व करने के लिए कॉल करें– 1800 296 1111 तथा पतंजलि की समस्त सेवाओं की जानकारी के लिए 8954 555 999 पर कॉल करें

घर बैठे पतंजलि प्रोडक्ट्स ऑनलाइन आर्डर करने के लिए ऑर्डर मी ऐप डाउनलोड करें।

डाउनलोड करें
ORDER ME

पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर पर डिस्काउन्ट पाने और साथ ही 15 लाख के इन्श्योरेंस का लाभ उठाने के लिए पतंजलि स्वदेशी समृद्धि कार्ड बनवाएं। कार्ड का मेम्बर बनने के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि स्टोर पर सम्पर्क करें।

PATANJALI® wellness
Yoga, Ayurveda & Naturopathy

समस्त असाध्य रोगों से स्थायी मुक्ति पाने के लिए एक बार 7 दिन पतंजलि वेलनेस में रेजिडेंशियल योग, आयुर्वेद एवं पंचकर्म आदि की चिकित्सा के लिए अवश्य आयें।
रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 8954666222, 8954666333

लगभग 1 करोड़ स्टोर्स पर पतंजलि के प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं। फिर भी कोई प्रोडक्ट स्टोर पर उपलब्ध नहीं है तो आप दुकानदार से इसकी डिमाण्ड करें, वो इसे उपलब्ध करायेंगे।

भारत एक ऋषि एवं कृषि प्रधान देश है। इसलिए उच्चतम श्रेणी के पशु आहार एवं फूड सप्लीमेंट्स।

पतंजलि पशु आहार

पतंजलि मसाले, पापड़, दलिया, कैंडी, मुरब्बा, नमकीन और पाचक

नोट– पतंजलि के मल्टीग्रेन आटा व कुछ विशिष्ट 1 हजार प्रोडक्ट्स पतंजलि एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर ही उपलब्ध हैं।

पतंजलि के आटा रेंज एवं पतंजलि चावल रेंज

दिल्ली एनसीआर, उत्तराखण्ड, राजस्थान व महाराष्ट्र में पतंजलि के ड्येरी प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं।

पतंजलि हेल्दी एवं न्यूट्रिशियस फूड प्रोडक्ट्स, पावर वीटा, केसर व ड्राईफ्रूट्स, अचार, जैम व सॉस, पोहा, सूजी, बेसन, सेवई

स्वीट्स एवं स्नैक्स

माइग्रेन पेन, मस्तिष्क आदि के लिए सर्वश्रेष्ठ पतंजलि बादाम रोगन व बादाम पाक

बादाम रोगन व बादाम पाक, एनर्जी बार एवं इंस्टेंट मिक्स

महाकोश, सनरिच, रुची गोल्ड देश का नं. 1 पाल्म ऑयल ब्राण्ड एवं न्यूट्रेला ऑयल रेंज

धूप–अगरबत्ती के नाम पर बहुत भयंकर मिलावट है तथा 100% पवित्रता बाँस रहित अगरबत्ती, भीमसेनी कपूर, शुद्धतम तिल तेल, हवन सामग्री आदि से अपने इष्ट का पूजन करें।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अली खामेनेई बेंजामिन नेतन्याहू डोनाल्ड ट्रंप

ऑपरेशन 'रोरिंग लॉयन': इजराइल और अमेरिका का ईरान पर भीषण हवाई हमला, तेहरान दहला

अमेरिका-इजरायल का ईरान पर 'विध्वंसक' हमला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार की सुबह अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ एक संयुक्त सैन्य अभियान शुरू किया। इजराइल ने इसे 'ऑपरेशन रोरिंग लॉयन' और अमेरिकी पेंटागन ने इसे 'ऑपरेशन एपिक फरी' नाम दिया है। इस हमले का मुख्य उद्देश्य ईरान की परमाणु क्षमताओं को नष्ट करना और वहां सत्ता परिवर्तन की नींव रखना बताया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हमले के दौरान ईरान की राजधानी तेहरान, इस्फहान और कोम जैसे महत्वपूर्ण शहरों में भारी बमबारी की गई।

खबरों के मुताबिक, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के कार्यालय और आवास के पास भी मिसाइलें गिरी हैं, हालांकि उनके सुरक्षित स्थान पर होने की सूचना है। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने भी इजराइल के उत्तरी हिस्सों और बहरीन व कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे ▶▶ शेष पेज 8 पर

ईरान के एक स्कूल पर हमले में 51 छात्रों समेत 54 की मौत, अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर जवाबी मिसाइल वर्षा

इजराइल का दावा- ईरान के रक्षा मंत्री और सैन्य कमांडर की मौत

- ▶▶ **ट्रंप का बड़ा ऐलान कहा** ईरानी परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए शुरू किया सैन्य अभियान
- ▶▶ **सुप्रीम लीडर पर निशाना** अयातुल्ला खामेनेई के आवास के पास धमाके, ईरान ने भी शुरू किया जवाबी पलटवार
- ▶▶ खाड़ी देशों ने बंद किया एयरस्पेस, तेल संकट गहराने की आशंका

तेहरान में मिसाइल अटैक के बाद उठता धूल का गुबार

सुबह हमला... ताकि ज्यादा हो नुकसान

शनिवार की सुबह करीब 6.10 बजे का समय ही हमलों के लिए व यों चुना गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुबह के समय शुरुआती हमलों का समय ईरानियों को चौंकाने के लिए चुना गया, क्योंकि उन्हें दिन के समय हमले की उम्मीद नहीं थी। ईरान ने कल्पना नहीं की होगी कि हमला दिन के उजाले में होगा। ऐसे में ईरान में ज यादा से ज यादा नुकसान की आशंका है। इजराइली हमलों में ईरान में हुई जानमाल की हानि का अभी तक कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं आया है। लेकिन ऐसा बताया जा रहा है कि इजराइल ने बड़े लेवल पर यह हमला किया है।

हमले में ईरान को भारी नुकसान

ईरान की राजधानी तेहरान, देजफुल और खार्ग द्वीप सहित ईरान के कई शहरों को निशाना बनाया गया। तेहरान में यूनिवर्सिटी स्ट्रीट और जम्हूरी जिले के पास कई मिसाइलें गिरीं। दक्षिण ईरान के होर्मोज़गन प्रांत में एक गर्ल्स स्कूल पर मिसाइल गिरने से 51 छात्रों समेत 54 की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हुए हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के कार्यालयों के पास भी धमाके हुए हैं, हालांकि उनके हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है और मोबाइल सेवाएं बाधित हैं।

ईरान ने आठ देशों में किए जवाबी हमले

- **इजराइल:** तेल अवीव, हाइफा और अन्य शहर
- **बहरीन:** जुफैर नौसेना बेस, यूएस 5वीं फ्लीट मुख्यालय
- **कतर:** अल उदीद एयर बेस
- **कुवैत:** कैम्प अरिफजान, अहमद अल-जाबेर एयर बेस, मुबारक एयर बेस
- **संयुक्त अरब अमीरात:** अल धफरा एयर बेस, जेबेल अली पोर्ट, अल फुजैरा एयर बेस
- **सऊदी अरब:** रियाद में प्रिंस सुल्तान एयर बेस, ताबुक एयर बेस, खमीस मुशैत बेस, जेद्दाह में एक पश्चिमी बेस
- **जॉर्डन:** मुवाफ्फक सल्ती एयर बेस
- **इराक:** अरबिल में यूएस बेस

ईरान, इजरायल, फिलिस्तीन के साथ अन्य खाड़ी देशों में भारतीय दूतावासों, मिशन ने नागरिकों के लिए हेल्पलाइन नंबरों के साथ जारी किए परामर्श

'सभी देशों की संप्रभुता-क्षेत्रीय अखंडता का हर हाल में सम्मान किया जाना चाहिए': भारत

- ईरान समेत समूचे खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव पर गंभीरता से भारत ने जताई चिंता, साफ किया अपना रुख
- संयम के साथ आक्रामकता से बचते हुए नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का किया आग्रह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर किए अमेरिका के हमले के बाद से समूचे खाड़ी क्षेत्र (गल्फ रीजन) में बिगड़ते सुरक्षा हालातों के बीच शनिवार को भारत ने मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा है। जिसमें सबसे पहले ताजा घटनाक्रम पर गंभीरता के साथ चिंता जताते हुए सभी पक्षों से धैर्य और संयम को ध्यान में रखते हुए आक्रामकता से बचते हुए नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। साथ ही इस बात पर भी खासा जोर दिया गया है कि सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का हर हाल में सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने 28 फरवरी को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि मामले पर भारत

सरकार की पैनी नजर बनी हुई है। लेकिन क्षेत्र में भारतीयों की सुरक्षित निकासी के लिए फिलहाल किसी अभियान की घोषणा नहीं की गई है। उभरती हुई परिस्थितियों के मद्देनजर इस संबंध में निर्णय लिया जा सकता है। ▶▶ शेष पेज 8 पर

संवाद-कूटनीति से निकलेगा समाधान

मंत्रालय ने बताया कि भारत का ये भी मानना है कि क्षेत्र में बने हुए मौजूदा तनाव को खत्म करने के लिए संवाद और कूटनीति का अनुसरण करते हुए अन्य सभी जरूरी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। खाड़ी क्षेत्र में मौजूद देश के तमाम मिशन न केवल भारतीय नागरिकों के संपर्क में बने हुए हैं। बल्कि उन्हें लगातार अपने जरूरी परामर्शों के जरिए सतर्कता के साथ कूटनीतिक परिसरों के संपर्क में रहने और स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

भारतीयों के लिए जारी की गई हेल्पलाइन

ईरान, इजरायल, जॉर्डन, कतर, ओमान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कुवैत और फिलिस्तीन में मौजूद भारतीय मिशन और दूतावासों की तरफ से अपने देश के नागरिकों के लिए एक साथ जरूरी परामर्श जारी करते हुए चौबीसों घंटे चलने वाली हेल्पलाइन और कूटनीतिक परिसरों की आधिकारिक वेबसाइट के पते दिए गए हैं। जिससे आवश्यकता पड़ने पर तत्काल मदद ली जा सकती है।

ये है भारतीय परामर्श का सार

ईरान- युद्ध के बीच तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि तेजी से बदलते हालातों में ईरान में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों को ये सलाह दी जाती है कि वो अति सतर्कता के साथ देश में अनावश्यक आवाजाही से बचें और जहां तक संभव हो अपने रहने की जगहों या आवास स्थलों के अंदर ही सुरक्षित रहें। इसके अलावा मौजूदा परिस्थितियों को लेकर मीडिया में जारी समाचारों और भावी मार्गदर्शन के लिए दूतावास की गाइडलाइंस पर कड़ी नजर बनाए रखें। मदद के लिए दूतावास की तरफ से कुछ जरूरी हेल्पलाइन नंबर भी साझा किए गए हैं। जिनमें +989128109115, +989128109109, +989128109102 और +989932179359 मुख्य हैं। इजरायल- तेल अवीव में मौजूद दूतावास द्वारा भारतीयों को दिए गए परामर्श और चौबीसों घंटे चलने वाली हेल्पलाइन (+972547520711) के साथ ▶▶ शेष पेज 8 पर

देश की विमानन क्षेत्र की इन दोनों बड़ी कंपनियों ने यात्रियों और अपने कर्मचारियों की सुरक्षा के मद्देनजर उठाया ये जरूरी कदम

युद्ध के बीच एयर इंडिया, इंडिगो ने मध्य-पूर्व क्षेत्र में बंद की अपनी सभी उड़ान सेवाएं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच अपने यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए देश की विमानन क्षेत्र की दो बड़ी कंपनियों एयर इंडिया और इंडिगो ने शनिवार को ये घोषणा की है कि मध्य-पूर्व क्षेत्र में उनकी सभी उड़ान सेवाओं पर फिलहाल रोक लगी हुई रहेगी। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी गई है। जिसमें एयर इंडिया ने कहा कि क्षेत्र में बने हुए मौजूदा तनावपूर्ण परिदृश्य के बीच कंपनी ने ये निर्णय लिया है कि समूचे क्षेत्र में जाने वाली उसकी सभी उड़ानें प्रतिबंधित रहेंगी। वहीं, इंडिगो ने एक्स पोस्ट में कहा कि यात्रियों, कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हमने मध्य-पूर्व के इलाके की ओर से आने-जाने वाली सभी उड़ानों को रद्द कर दिया गया है।

प्रस्थान पूर्व जांच लें उड़ान स्थिति: इंडिगो

इंडिगो ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'ईरान और मध्य-पूर्व क्षेत्र में हवाई प्रतिबंधों में हो रहे बदलावों को देखते हुए कंपनी ने मध्य- पूर्व से आने जाने वाली सभी उड़ानें 0000 बजे तक रद्द कर दी गई हैं। हमारे ग्राहकों, कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिसे देखते हुए से उपाय लागू किए गए हैं। हमारी टीमें लगातार बदलती परिस्थिति पर नजर रखे ▶▶ शेष पेज 8 पर

यात्रियों तक टीमों द्वारा पहुंचाई जाएगी मदद

एयर इंडिया ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'मध्य-पूर्व में उत्पन्न हो रही स्थिति को देखते हुए हमने क्षेत्र के सभी गंतव्यों के लिए अपनी तमाम उड़ानें निलंबित कर दी हैं। कंपनी अपने यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। एयर इंडिया अपनी उड़ान सेवाओं के लिए सुरक्षा स्थिति का निरंतर आकलन करेगी और उसी के हिसाब से हम परिचालन संबंधी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हमारी टीमें यात्रियों को हर संभव सहायता प्रदान करेंगी। कंपनी ने निरंतर अपडेट के लिए यात्रियों से एयर इंडिया की वेबसाइट **airindia.com** *पर नजर बनाए रखने की अपील की है। साथ ही चौबीसों घंटे चलने वाले कॉल सेंटर (+911169329333 या +911169329999) पर संपर्क करने के लिए कहा है'।*

आंध्र प्रदेश पटाखा फैक्टरी में धमाका

21 लोगों की मौत, आठ लोगों की हालत गंभीर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 21 लोगों की मौत हो गई। राहत और बचाव कार्य में लगी पुलिस की टीम ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने बताया कि पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 21 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। गृह मंत्री के मुताबिक धमाके में गंभीर रूप से घायल कई लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया ▶▶ शेष पेज 8 पर

प्रदेश के विकास और समसामयिक विषयों पर चर्चा

सीएम डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह से की 'भेंट'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों और प्रदेश के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में चल रही विकास योजनाओं तथा केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित परियोजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण रही। राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कांग्रेस ने अमेरिका-इज़राइल के ईरान हमले की कड़ी निंदा की, केंद्र से भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए सैन्य हमले की कड़ी निंदा की है और केंद्र सरकार से पश्चिम एशिया में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। कांग्रेस के संचार विभाग के महासचिव और सांसद जयराम रमेश ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ कूटनीतिक वार्ता को "डिप्लेनेमा का दिखावा" बताया लेकिन बाद में इज़राइल के साथ मिलकर एक बड़ा सैन्य हमला शुरू कर दिया, जिसका उद्देश्य कथित रूप से ईरानी शासन में बदलाव लाना बताया जा रहा है। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और शांति प्रयासों के प्रति "भयावह कदम" करार दिया। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि "कांग्रेस इस हमले की कड़ी निंदा करती है और भारत सरकार से आग्रह करती है कि वह तुरंत ही युद्धविराम की पहल करे तथा क्षेत्र में शस्त्रबद्ध संघर्ष को समाप्त करने के प्रयासों में योगदान दे।" साथ ही उन्होंने कहा कि भारत सरकार को पश्चिम एशिया में रहने वाले करोड़ों भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी कदम उठाने चाहिए।" दिल्ली के विपक्षी नेता राहुल गांधी ने भी हालात को "गहरी चिंता का विषय" बताया और सरकार से यह कहा कि मध्य पूर्व में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने त्वरित और सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और इज़राइल ने मिलकर ईरान पर बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की है, जिसमें तेहरान और अन्य इलाकों में वित्तीय और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है और तनावपूर्ण हालात के बीच वैश्विक ▶▶ शेष पेज 8 पर

संस्थान में होंगे कृषि साइंस के यूजी, पीजी से लेकर पीएचडी तक के कोर्स

कुरुक्षेत्र के मथाना में बनेगा जैविक कृषि व आधुनिक प्रबंधन प्रणाली संस्थान, मुख्यमंत्री ने की घोषणा

कृषि मेला ज्ञान, नवाचार और प्रेरणा का अनूठा संगम: मुख्यमंत्री

- कैथल-ढांड-पिपली-रादौर-यमुनानगर तक सड़क होगी फोरलेन लाडवा में अब हर साल लगेगा कृषि विकास मेला
- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा उपमंडल सचिवालय के नए भवन तथा 9 नई सडक़ों का किया शिलान्यास

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कृषि विकास मेला लाडवा में घोषणा करते हुए बड़ी सौगातें दी हैं। गांव मथाना में 10 एकड़ भूमि पर जैविक कृषि व आधुनिक प्रबंधन प्रणाली संस्थान खोला जाएगा। इस संस्थान में कृषि साइंस के यूजी, पीजी से लेकर पीएचडी तक के कोर्स उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही कैथल से यमुनानगर वाया ढांड, पिपली, रादौर मार्ग को फोरलेन किए जाने की घोषणा की। यह फोरलेन मार्ग एनएच-152डी, एनएच-44 और शामली एक्सप्रेस-वे को जोड़ेगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने लाडवा उपमंडल सचिवालय के नए भवन, लोकनिर्माण विभाग की 9 सडक़ों का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से लाडवा अनाज मंडी में आयोजित राज्य स्तरीय कृषि विकास मेले का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने ट्रैक्टर पर बैठकर विश्वविद्यालय व किसानों द्वारा लगाए गए स्टॉलों और कृषि मेले का ▶▶ शेष पेज 8 पर

देश में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई की पड़ सकती है मार

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के भारत पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करते हुए बोले विशेषज्ञ

युद्ध से ऊर्जा सुरक्षा, खाड़ी क्षेत्र में रह रहे 90 लाख से ज्यादा भारतीयों पर गहराया संकट!

हरिभूमि विश्लेषण

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

खाड़ी क्षेत्र यानी गल्फ रीजन दशकों से भारत की ऊर्जा सुरक्षा का एक बहुत बड़ा केंद्र रहा है। लेकिन वर्तमान में यह अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से चर्चा में बना हुआ है। लेकिन तनाव के दौर में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि इसका भारत पर क्या प्रभाव पड़ सकता है? जिसे लेकर सुरक्षा और कूटनीतिक मामलों के विशेषज्ञों ने हरिभूमि से बातचीत में स्पष्टता प्रदान की है। उनका कहना है कि क्षेत्र में युद्ध के हालात में भारत पर दो-तरफा असर पड़ सकता है। एक ओर हमारी ऊर्जा सुरक्षा यानी आर्थिक हित खतरे में पड़ सकते हैं।

क्योंकि हम अपना लगभग 70 फीसदी से अधिक कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) इसी क्षेत्र से लेते हैं। वहीं, दूसरी ओर खाड़ी क्षेत्र में वर्तमान में बनी हुई भारतीय कामगारों की 90 लाख से अधिक संख्या होने की ▶▶ शेष पेज 8 पर

होमुर्ज, लाल सागर पर संकट बढ़ेगी चुनौती

नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने पश्चिम-एशिया तनाव के संदर्भ में लाल सागर और होर्मुज की खाड़ी पर आने वाले संकट और उसके भारत समेत बाकी क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव को अपने एक हालिया बयान के जरिए समझाया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि इलाके में समुद्र में केवल एक जगह या बिंदु पर आने वाली बाधा का प्रभाव सुदूर महाद्वीपों तक पड़ता है। पूर्व समय में तनाव के वक्त एशिया-यूरोप के मुख्य समुद्री मार्गों पर माल ढुलाई की कीमतों में कुछ मामलों में 300 से 350 फीसदी की अप्रत्याशित बढ़ोतरी देखने को मिली थी। जिससे सप्लाई चेन प्रभावित हुई और सीधे-सीधे खाद्य व ईंधन की कीमत बढ़ गईं। आज होर्मुज की खाड़ी में तनाव चिंता का विषय है। क्योंकि ये इलाका वैश्विक ऊर्जा गलियारे के रूप में जाना जाता है। उदाहरण के लिए समझें तो पिछले सप्ताह एक लाइव-फायर अभ्यास के लिए बंद की गई खाड़ी के दौरान क्रूड ऑयल की कीमतों में 4.4 फीसदी की उछाल देखने को मिला था।

खबर संक्षेप

हरियाणा के महंत हत्याकांड में मास्टरमाइंड समेत दो पकड़े

नई दिल्ली। अशोक विहार पुलिस ने हरियाणा के भिवानी स्थित नांगल गांव में श्रीनाथ डेरे के महंत योगी चंबानाथ की अगवा कर हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम सुरेंद्र (24) और चिराग पांचाल (22) बताये गये हैं। दोनों आरोपी वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र इलाके में एक फैक्ट्री में लूटपाट की योजना बनाकर उसकी रेकी कर चुके थे। पुलिस ने इनके पास से एक पिस्टल, दो चाकू, एक खिलौना पिस्टल, लाल मिर्च पाउडर व अन्य सामान बरामद किया है। महंत की अक्टूबर 2025 में गला घोंटकर हत्या की गई थी। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि दो बदमाश लूटपाट के इरादे से वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में घूम रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से कई हथियार मिले। जांच में पता चला कि सुरेंद्र हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता है। दरअसल हत्या डेरे की गद्दी कब्जाने के मकसद से की गई थी। यह डेरा हरियाणा राज्य के जिला भिवानी स्थित नांगल गांव में लगभग आठ एकड़ पंचायत भूमि पर स्थित है। करीब 18 साल से महंत यहां अकेले रहते थे। इन लोगों ने पहले महंत से चेला बनाने की गुहार लगाई। मना करने पर आरोपियों ने महंत को अगवा कर उनकी गला घोंटकर हत्या कर दी थी।

काला जठेड़ी और ओम प्रकाश गैंग का बदमाश अरेस्ट

नई दिल्ली। द्वारका एएटीएस ने काला जठेड़ी व ओम प्रकाश गैंग के एक कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार किया है। मनीष उर्फ मिशु (19) ने अपने एक जानकार से करीब 16-17 दिन पहले तीन पिस्टल व 10 कारतूस खरीदे थे। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। पूछताछ में इसने बताया कि वह गैंग के अन्य सदस्यों को हथियार सप्लाई करता था। पुलिस ने इसके पास से दो पिस्टल और पांच कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार एएटीएस स्टाफ को जिले और आसपास के इलाकों में चल रहे ऑर्गेनाइज्ड क्रिमिनल गैंग्स और उनकी गतिविधियों पर रोक लगाने का काम सौंपा गया था। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि द्वारका नाला रोड, मेट्रो पिलर नंबर पी-9, हरि विहार के पास बदमाश पहुंचेगा। ट्रैप लगा संदिग्ध बदमाश को पकड़ा गया। उसकी तलाशी लेने पर दो पिस्टल व पांच कारतूस बरामद हुये। आरोपी ने पुलिस को बताया कि एक मामले में वह जेल में बंद हुआ था। इसी दौरान उसकी मुलाकात गैंगस्टर ओम प्रकाश उर्फ काला झरोड़िया से हुई। इसके बाद वह उसके लिए काम करने लगा।

मुख्यमंत्री ने जीटीबी अस्पताल में नए ओपीडी भवन का किया शिलान्यास

मिशन मोड में है दिल्ली का स्वास्थ्य तंत्र, विश्वस्तरीय सुविधाओं से सजेगा हर अस्पताल : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यापार सहित हर क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और विश्वस्तरीय बनाने के लिए पूरी गंभीरता से मिशन मोड में काम कर रही है। यह बात शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जीटीबी अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में कही। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हुए गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में 10 बेड के नए मेडिकल आईसीयू वार्ड का उद्घाटन किया, आधुनिक जीआई एचडी वीडियो एंडोस्कोपी सुइट की शुरुआत की और एकीकृत आयुष स्ट्रेस मैनेजमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ भी किया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज (इहबास) में अत्याधुनिक ओपीडी भवन का शिलान्यास भी किया। इस नए ओपीडी भवन के निर्माण से प्रतिदिन इलाज के लिए आने वाले हजारों मरीजों को अधिक सुव्यवस्थित, बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, शाहदरा के विधायक संजय गोयल और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीटीबी अस्पताल में शुरू की गई नई मेडिकल आईसीयू अत्याधुनिक मशीनों और उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित है, जिससे गंभीर मरीजों को समय पर बेहतर इलाज मिल सकेगा। वहीं जीआई एचडी वीडियो एंडोस्कोपी सुइट के माध्यम से पेट और पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों की जांच अब अधिक सटीक और तेज़ी से हो सकेगी, जिससे शुरुआती चरण में ही बीमारी की पहचान कर उपचार संभव होगा। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग हजारों मरीजों का जीवन बचा सकता है। उन्होंने बताया कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में तनाव साइलेंट एपिडेमिक बन चुका है, जिससे विद्यार्थी, कामकाजी वर्ग, बुजुर्ग और प्रोफेशनल सभी प्रभावित हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने एकीकृत आयुष स्ट्रेस मैनेजमेंट ओपीडी शुरू करने का निर्णय लिया है, जो आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज, नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, बी.आर. सूर कॉलेज, ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद संस्थान और आईएचबीएएस में संचालित की जाएगी। यहां योग, लाइफस्टाइल काउंसलिंग और डिजिटल डिटॉक्स जैसे उपायों के माध्यम से माइंड-बॉडी बैलेंस पर काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जीटीबी अस्पताल की लगभग 1,500 बेड की क्षमता को और सुदृढ़ करने के लिए पिछली सरकार के समय अधूरी छोड़ी गई पीछे की बिल्डिंग के निर्माण कार्य को जल्द ही दोबारा शुरू किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन नई सुविधाओं से पूर्वी दिल्ली सहित पूरे एनसीआर क्षेत्र के लाखों लोगों को बेहतर, त्वरित और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध होगा तथा दिल्ली का स्वास्थ्य तंत्र और अधिक सशक्त बनेगा।

इहबास को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश और उत्तर भारत का एक प्रमुख केंद्र बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए आधुनिक ओपीडी भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। नए भवन के निर्माण से मरीजों को लंबी प्रतीक्षा से राहत मिलेगी और परामर्श, जांच और उपचार की पूरी प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सुगम हो सकेगी।

दिल्ली की जनता का स्वास्थ्य हमारी जिम्मेदारी : डॉ. पंकज

इस अवसर पर दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि यह हमारी प्रतिबद्धता है कि दिल्ली के नागरिकों को सुलभ, आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम स्वास्थ्य तंत्र को देश का आदर्श मॉडल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली की जनता का स्वास्थ्य हमारी जिम्मेदारी है। मैं सभी डॉक्टर स्वास्थ्य कर्मियों को कहना चाहता हूं कि आप इसी समर्पण के साथ काम करते रहिए, दिल्ली सरकार हमेशा आपके साथ है।

युवा कांग्रेस प्रमुख की रिहाई से पहले क्राइम ब्रांच ऑफिस में सुरक्षा बढायी

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब की रिहाई से पहले दिल्ली में क्राइम ब्रांच ऑफिस के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई। चिब को 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था और शनिवार को दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें जमानत दी। चिब की रिहाई की उम्मीद में उनके समर्थक ऑफिस परिसर में पहुंचने लगे थे, जिसके चलते बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। ऑफिस परिसर के बाहर बैरिकेड लगाए गए। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षा प्रबंध की निगरानी करते रहे। चिब को 24 फरवरी को चार दिवसीय पुलिस हिरासत में भेजा गया था जिसकी अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें ड्यूटी मजिस्ट्रेट वंशिका मेहता के समक्ष पेश किया गया था। दिल्ली पुलिस ने उनकी हिरासत सात दिन बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन मजिस्ट्रेट ने इस अनुरोध को खारिज करते हुए उन्हें जमानत दे दी। पुलिस ने कहा कि लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

मांस निर्यात कारोबार में 1.37 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने मांस निर्यात व्यवसाय में निवेश के नाम पर एक व्यवसायी से लगभग 1.37 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोहसिन मोहम्मद (36) न्यू राजेंद्र नगर से पकड़ा गया।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में अर्जुन अरोड़ा द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मोहम्मद ने खुद को दुबई में व्यावसायिक संबंधों वाला, बड़े पैमाने का मांस निर्यातक बताकर उसे भारी राशि निवेश करने के लिए प्रेरित किया। आरोपी ने उसे अपने सहयोगियों के साथ मिलकर एक अत्यंत लाभकारी निर्यात कारोबार चलाने का झांसा दिया था और निवेश करने पर उच्च मुनाफा मिलने की बात कही थी। मोहम्मद ने शिकायतकर्ता के पिता के खाते से 67.70 लाख रुपये प्राप्त किए। आरोपी ने कथित व्यापार विस्तार के हिस्से के रूप में शिकायतकर्ता को अपने सहयोगियों के माध्यम से दुबई में 80,000 अमेरिकी डॉलर की व्यवस्था करने के लिए भी राजी किया। विश्वास हासिल करने और कानूनी कार्रवाई में देरी करने के लिए आरोपी ने कथित तौर पर दो निजी बैंकों के चेक जारी किए, जबकि वह जानता था कि पर्याप्त धन उपलब्ध नहीं था। इस संबंध में मिली एक सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक टीम ने न्यू राजेंद्र नगर से मोहम्मद को गिरफ्तार किया। मोहम्मद ने इसी तरह के तौर-तरीकों का इस्तेमाल कर कुछ अन्य लोगों से भी ठगी की थी। वह अपराध करने के बाद से फरार था और जांच में शामिल होने से बच रहा था। पहले 2021 में मोहम्मद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में दर्ज एक मामले में भी शामिल था। अन्य सह-आरोपियों का पता लगाने और ठगी गई रकम बरामद करने के प्रयास जारी हैं।

मॉडल टाउन में दुकानदार से हथियार के बल पर 14 लाख रुपये लूटे

नई दिल्ली। मॉडल टाउन इलाके में तीन अज्ञात बदमाशों ने 22 वर्षीय दुकानदार से बंदूक और चाकू के बल पर 14 लाख रुपये लूट लिए। घटना के संबंध में शुक्रवार को मॉडल टाउन थाने में पुलिस नियंत्रण कक्ष से सूचना प्राप्त हुई थी। पुलिस को महेंद्रू एन्क्लेव निवासी शिकायतकर्ता कार्तिक ने बताया कि वह अपनी दुकान के अंदर फिल्म देख रहे थे। तभी तीन अज्ञात व्यक्ति आधार में अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराने के बहाने दुकान में घुस आए। शिकायत में कहा गया कि आरोपियों में से एक ने दुकान का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया, जबकि दूसरे ने दुकानदार की कनपटी पर पिस्तौल तान दी और तीसरे व्यक्ति ने उनकी गर्दन पर चाकू रखकर नकदी की मांग की। इसके बाद तीनों 14 लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के इलाकों के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

एलजी ने प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर किया उन्हें कोटि-कोटि नमन

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति व भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया। उपराज्यपाल ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद का संपूर्ण जीवन देशसेवा, जनसेवा, त्याग, निष्ठा कर्तव्यपरायणता और सादगी की अनूठी मिसाल है। उन्होंने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद आज भी भारत के प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणा का अनमोल स्रोत है। उनके जीवनकाल में स्वतंत्रता संग्राम से लेकर संविधान निर्माण तक में उनका योगदान अतुलनीय रहा है। एलजी ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जीवन से हमें नई दिशा और दशा मिलती है। इसलिए हम सभी को उनसे प्रेरणा लेकर, स्वयं को राष्ट्र सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित करने का प्रण लेना चाहिए।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **अर्जुन कुमार मौर्य पुत्रः** राम कुमार **पताः** खं. नंबर 29/23 एस गली नंबर –12 सुरेंदर कॉलोनी एक्सटेंशन पार्ट–2 झड़ौदा माजरा माता मंदिर बुराड़ी के पास दिल्ली, ने **Ct No. 2326/21 U/s 138 NI Act थानाः मुखर्जी नगर, जिला उत्तर–पश्चिम, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन कुमार मौर्य,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन कुमार मौर्य,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct No. 2326/21 U/s 138 NI Act थानाः मुखर्जी नगर, जिला उत्तर–पश्चिम, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **अर्जुन कुमार मौर्य,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अमरदीप कौर
एलडी. एसीजेएम (एन) रूम नंबर 117
रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/2538//NW/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **संजीव कुमार उर्फ संदीप, पुत्रः श्री मनपाल, निवासीः 2101/1बी, गली नंबर 12–13, मेन रोड, प्रेम नगर, थाना पटेल नगर, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.142/2016 U/S 279/337/338 IPC & 5/180 MV ACT** के तहत एक मामला **थाना डी.बी गुप्ता रोड, केंद्रीय जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **संजीव कुमार उर्फ संदीप** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **संजीव कुमार उर्फ संदीप** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.142/2016 U/S 279/337/338 IPC & 5/180 MV ACT, थाना डी.बी गुप्ता रोड, केंद्रीय जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **संजीव कुमार उर्फ संदीप** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 01.04.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री हर्षिता मिश्रा,
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, केंद्रीय,
कमरा नंबर 38, ग्राउंड फ्लोर,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली।

DP/2622/CD/2026
(अदालती मामला)

डीएमआरसी डिपो से केबल चोरी के आरोप में तीन धरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली के आजादपुर में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) डिपो से केबल और अन्य उपकरण चोरी करने के आरोप में एक कबाड़ व्यापारी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली पुलिस की मेट्रो इकाई के अनुसार चोरी का पता 26 फरवरी को तब चला जब केंद्रीय ओद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों ने सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से उच्च सुरक्षा वाले डिपो परिसर के अंदर एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा और स्थानीय पुलिस को सतर्क किया। सत्यापन के दौरान एक टीम ने पाया कि डिपो के आवास ब्लॉक से लगभग 100 मीटर सिग्नलिंग केबल, 60 मीटर मशीन केबल, चेक प्लेट और एक पानी का मीटर चोरी किया गया था। इस संबंध में आजादपुर मेट्रो थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने सबसे पहले अली अहमद (25) और सनवर (24) को गिरफ्तार किया। इन दोनों की निशानदेही पर कबाड़ व्यापारी बकसूद हुसैन (66) को गिरफ्तार किया गया।

पत्नी और तीन बच्चों की हत्या के बाद फरार व्यक्ति राजस्थान से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को समयपुर बादली इलाके में अपनी पत्नी और तीन बच्चियों की हत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मुंचुन केवट ने बुधवार को अपने घर में ही इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। इसे राजस्थान के किशनगढ़ से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार केवट का पता लगाने के लिए लगभग 15 पुलिस टीम गठित की गई थीं। तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर एक टीम ने राजस्थान में उसकी गतिविधियों का पता लगाया, जिसके परिणामस्वरूप उसे गिरफ्तार किया गया। उसे आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली लाया गया है। पुलिस हत्याओं के पीछे के मकसद की जांच कर रही है और सभी संभावित पहलुओं की छानबीन कर रही है।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी चुनावों के लिए शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट हर समय तैयार: कालका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा है कि शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट, गुरुद्वारा चुनावों के लिए पूरी तरह व हर समय तैयार है। यह चुनाव पार्टी संगत के सहयोग से शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट ऐतिहासिक बहुमत के साथ जीतेगी। उन्होंने प्रेसवार्ता में कहा कि उनकी पार्टी अदालत द्वारा चुनाव करवाने के लिए दिए गए निर्देशों का खुले दिल से स्वागत करती है और हमेशा संगत के सहयोग से ये चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। पहले से ही हम चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार थे, लेकिन विरोधी चाहते थे कि लोगों की पूरी वोटें न बनें। उन्होंने कहा कि अदालत जिस भी तरीके से चुनाव कराएगी, हम हर स्थिति में तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पिछले समय में संगत के सहयोग से मौजूदा टीम ने संगत की सेवा के लिए बहुत अच्छे कार्य किए हैं। न केवल गुरुद्वारा प्रबंधन के लिए बल्कि मानवता की सेवा के लिए भी सराहनीय काम किए हैं, जो संगत के सामने हैं। उन्होंने कहा कि वे अच्छी तरह समझते हैं कि अभी तक 50 प्रतिशत से अधिक संगत की वोटें बननी बाकी हैं। उन्होंने संगत से अपील की कि वे अपने-अपने फॉर्म भरकर रखें और इस संबंध में पूरी कोशिश करेंगे ताकि संगत की वोट बन सकें। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य से वे संगत के साथ मिलकर हर संभव प्रयास करेंगे, ताकि योग्य मतदाता अपनी वोट बनवा सकें।

एमसीडी के पास नहीं है डीबीसी कर्मियों की भर्ती का रिकॉर्ड

दया राम ▶▶ नई दिल्ली

■ आरटीआई से हुआ खुलासा, प्रशासन की कार्यशैली पर उठ रहे हैं सवाल

दिल्ली में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, हैजा जैसी जल जनित बीमारियों से बचाने में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के एमटीएस (डेंगू ब्रीडिंग चेकर्स-डीबीसी) कर्मियों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। यह खुलासा सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी से हुआ है। जिसके बाद अब प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। बता दें कि एमसीडी के जन-स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त हाजिरी घोटाले की पोल जब पूर्व कर्मचारी ने खोली तो जन-स्वास्थ्य विभाग के आलाधिकारियों ने कर्मचारी को टर्मिनेट कर दिया। अपनी बहाली को दर्जनों बार निगम मुख्यालय के चक्कर काटने के बाद पूर्व कर्मचारी ने 1996 से लेकर डीबीसी की भर्ती, नियुक्ति शर्तों और टर्मिनेशन से जुड़ी मुख्य जानकारियां मांगी तो जन स्वास्थ्य विभाग ने "रिकॉर्ड में संकलित रूप में उपलब्ध नहीं है" होने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया है। आरटीआई अधिनियम के तहत मांगी गई इस जानकारी पर विभाग का यह जवाब पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सात प्रश्नों के जवाब में लिखा गया 'रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है'

आवेदक ने आरटीआई के माध्यम से वर्ष-वार विवरण मांगा था कि 1996 से कब-कब डीबीसी की भर्ती हुई, वे कॉन्ट्रैक्ट पर थे या नियमित पदों पर, भर्ती किस विभाग द्वारा की गई, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की प्रतियां, भर्ती के नियम-शर्तें, कॉन्ट्रैक्ट आदेशों की प्रतियां, कितने कर्मियों को टर्मिनेट किया गया, किन आदेशों से किया गया, तथा टर्मिनेशन के बाद भी सेवा में रखे गए कर्मियों का विवरण। लेकिन विभाग का लगभग हर बिंदु पर जवाब एक जैसा रहा कि "वांछित सूचना रिकॉर्ड में संकलित रूप में उपलब्ध नहीं है" या "उपलब्ध नहीं है।"

निगम आयुक्त को देना चाहिए विभाग पर विशेष ध्यान

आरटीआई आवेदक का कहना है कि दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजीव खिरवार को जन स्वास्थ्य विभाग की तरफ विशेष ध्यान देना होगा। क्योंकि यह जवाब ऐसे समय आया है जब जन-स्वास्थ्य से जुड़े पद खासकर मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम में अहम भूमिका निभाने वाले डीबीसी कर्मियों की जानकारी देने से पल्ला झाड़ा गया है। जबकि ये एमटीएस -डीबीसी कर्मचारी दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। सवाल उठता है कि यदि तीन दशक की भर्ती, नियुक्ति शर्तों और सेवा समाप्ति के आदेशों का संकलित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है, तो प्रशासनिक निगरानी और वित्तीय पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित की गई?

केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)
Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology
(Dept. of Chemicals & Petrochemicals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Govt. of India)
50वां माइल स्टोन, डीसीआरयूएसटी कैम्पस, मुरथल, सोनीपत, हरियाणा– 131039

सिपेट CIPET

एआईसीटीई स्वीकृत AICTE Approved

उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड Excellent Placement Record

फोन : 0130–2203000, ईमेल : murthal@cipet.gov.in, वैबसाईट : www.cipet.gov.in
Telephone No.: 0130–2203000, E-Mail ID: murthal@cipet.gov.in, website: www.cipet.gov.in

सिपेट : डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2026–27 के लिए प्रवेश
CIPET- Admission in Diploma Level Programmes for the academic year 2026-27

सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) 2026 / CIPET ADMISSIONTEST-2026
Apply Online: https://cipet26.onlineregistrationform.org/CIPET/ ऑनलाइन आवेदन करें: https://cipet26.onlineregistrationform.org/CIPET/

क्रम. संख्या Sl.No.	पाठ्यक्रम का नाम Name of Course	पाठ्यक्रम की अवधि Course Duration	प्रवेश योग्यता Entry Qualification
01.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डी.पी.एम.टी) Diploma in Plastics Mould Technology (DPMT)	3 वर्ष 3 year	कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std.
02.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डी.पी.टी) Diploma in Plastics Technology (DPT)	3 वर्ष 3 year	कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std.
03.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (पीजीडी–पीपीटी) Post Graduate Diploma in Plastics Processing & Testing (PGD-PPT)	2 वर्ष 2 year	विज्ञान में 3 वर्ष की डिग्री 3 year Degree in Science
04.	पोस्ट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड डिजाईन विथ कैड/कैम (पीडी – पीएमडी विथ कैड/कैम) Post Diploma in Plastics Mould Design with CAD/CAM (PD-PMD with CAD/CAM)	$1\frac{1}{2}$ वर्ष $1\frac{1}{2}$ year	मैकेनिकल/प्लास्टिक्स/पॉलीमर/टूल/टूल एवं डाई मेकिंग/उत्पादन/ मेकाट्रोनिक्स/ ऑटोमोबाईल/ पेट्रोकेमिकल्स/ औद्योगिक/ इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग/ प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या डी.पी.एम.टी./ डी.पी.टी. या समकक्ष Diploma in Mechanical/Plastics/Polymer/Tool/Tool & Die Making/Production/Mechatronics/Automobile/ Petrochemicals / Industrial/ Instrumentation Engg./ Technology or DPMT/DPT or Equivalent

प्रवेश योग्यता परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार भी उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने योग्य हैं।
Candidates appearing for the entry qualification examination are also eligible to apply for all the above courses

कोई उम्र सीमा नहीं। छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग–अलग छात्रवास
No Age Bar | Separate Hostel Accommodation for Boys & Girls

सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की महत्वपूर्ण तिथियां CIPET ADMISSION TEST (CAT)		
	ऑनलाइन आवेदन जमा करने की शुरुआत तिथि Date of opening for CAT Online application submission	15.12.2025
	ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि Date of closure for CAT application submission	28.05.2026
	सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की तिथि Date of CAT all over India	07.06.2026

संपर्क सूत्र : 9466146015, 9066356322, 9896380485, 8950050008, 9888446869
विज्ञापन क्रमांक :-2025-26/26 www.cipet.gov.in निदेशक एवं प्रमुख

मुख्यमंत्री ने 'मॉर्निंग न्यूट्रिशन प्रोग्राम' का किया शुभारंभ , 90 हजार बच्चों को मिलेगा सीधा लाभ

स्वस्थ और पोषित बच्चे ही विकसित भारत की हैं आधारशिला : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पीएम पोषण, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और पोषण अभियान ने देश में पोषण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया है। स्वस्थ और पोषित बच्चे ही विकसित भारत की आधारशिला हैं। यह बात शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'मॉर्निंग न्यूट्रिशन प्रोग्राम' का शुभारंभ करने के अवसर पर कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूली बच्चों के मुस्कुराते चेहरे यह प्रमाणित करते हैं कि पोषण केवल भोजन नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण का आधार है। सेवा का यह संकल्प देश की उस सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाता है, जिसमें अन्नदान को सर्वोच्च पुण्य माना गया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, गर्भवती माताओं के पोषण, मिलेट्स के प्रोत्साहन और सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध टीकाकरण जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी पहले स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर उन्होंने संस्था को साधुवाद देते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार इस पुनीत कार्य में पूर्ण सहयोग के साथ संस्था के साथ दृढ़ता से खड़ी है। देश में मिड-डे मील योजना ने लाखों बच्चों को विद्यालय से जोड़ा और उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए 'मॉर्निंग न्यूट्रिशन प्रोग्राम' बच्चों को दिन की शुरुआत से ही ऊर्जा और पोषण उपलब्ध कराएगा, जिससे वे पढ़ाई, खेल और अन्य गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले सकेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि अक्षय पात्र फाउंडेशन दिल्ली सरकार के लगभग 200 विद्यालयों के साथ मिलकर करीब 90 हजार बच्चों को भोजन उपलब्ध करा रहा है। राजधानी में संचालित फाउंडेशन की चार अत्याधुनिक रसोइयों के माध्यम से यह भोजन समय पर बच्चों तक पहुंचाया जाता है। उन्होंने इस पहल को बच्चों के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोषण और स्वास्थ्य पर ध्यान देना उपचार से अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि स्वस्थ बचपन से ही समृद्ध भारत की पहचान है। अक्षय पात्र जैसी संस्थाओं के साथ सरकार का यह साझेदारी मॉडल समाज और शासन के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्याम जाजू, अक्षय पात्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भरतर्षभ दास, उपाध्यक्ष चंचलपति दास, दिल्ली नगर निगम शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

'कोई भूखा न सोए' के संकल्प के साथ अटल कैंटीनों में 5 रुपए भोजन उपलब्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने भी 'कोई भूखा न सोए' के संकल्प के साथ अटल कैंटीन के माध्यम से श्रमिकों, जरूरतमंदों, मरीजों के परिजनों और असहाय लोगों को मात्र 5 रुपये में भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। सरकार का लक्ष्य प्रतिदिन एक लाख लोगों को भोजन उपलब्ध कराना है। इस दिशा में 100 अटल कैंटीन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 71 कैंटीन प्रारंभ की जा चुकी हैं।

जनता बहाने नहीं, अब चाहती है विकास कार्य : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की जनता ने चुनाव में स्पष्ट संदेश दिया था कि अब वे टकराव नहीं, पारदर्शिता चाहती है, प्रचार नहीं और जवाबदेही चाहती है और अब बहाने नहीं बल्कि विकास कार्य चाहती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को लगातार छठवें दिन अपने प्रवास कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में स्थानीय सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के साथ जनता से चर्चा के दौरान यह बात कही। कार्यक्रम के संयोजक योगेन्द्र चंदोलिया एवं पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी के साथ मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार के कार्यों की जानकारी दी। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में जिस सरकार ने एक के साथ एक मुफ्त शराब की बोतल दी हो क्या वह ईमानदार हो सकती है? बच्चों के स्कूलों में घोटाले करने वाले क्या कट्टर ईमानदार हो सकते है? दिल्ली को ऐसी राजनीति की आवश्यकता है जो सबको साथ लेकर चले, न कि समाज को बांटकर अपना अस्तित्व बचाए। कट्टरता और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से राजधानी का भला नहीं हो सकता। वहीं, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली देहात के लोगों की ओर से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने दक्षिण दिल्ली संसदीय क्षेत्र को 40 हजार करोड़ रुपये एवं दिल्ली के गांवों के विकास के लिए 2000 करोड़ रुपए देकर गांव वालों को बड़ी राहत दी है।

इस मौके पर महरौली जिला अध्यक्ष रविन्द्र सोलंकी और दक्षिणी दिल्ली जिला अध्यक्ष माया सिंह बिष्ट, जिला प्रभारी राजीव बब्बर और जय प्रकाश (जेपी), जिला सह प्रभारी वीरेन्द्र गोयल एवं आदित्य झा, विधायक कैलाश गहलोत, गजेन्द्र यादव, कुलदीप सोलंकी, करतार सिंह तंवर, चंदन कुमार चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष योगिता सिंह और प्रदेश प्रवक्ता शुभेन्दु शेखर अवस्थी सहित अन्य पदाधिकारी और जिला के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लद्दाख से आये छात्रों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के प्रकल्प "एसईआरवाइ" द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा के अंतर्गत लद्दाख से आये हुए प्रतिनिधियों को एबीवीपी दिल्ली के कार्यकर्ताओं ने नम आँखों से अगले पड़ाव हरियाणा के लिए रवाना किया। एबीवीपी दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने शनिवार को बताया कि दिल्ली पड़ाव के आखिरी दिन सभी प्रतिनिधि राष्ट्रपति भवन में भ्रमण हेतु गए जहाँ अमृत उद्यान और राष्ट्रपति भवन के अशोका हॉल सहित सभी हॉल के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचित हुए। भ्रमण के बाद उनका संवाद कार्यक्रम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से रहा। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने लिए एबीवीपी का ये कदम काफी उल्लेखनीय है।

दीक्षांत केवल समापन नहीं, जीवन की नई शुरुआत है : सीपी राधाकृष्णन

■ डीयू 102 वें दीक्षांत समारोह में उप राष्ट्रपति ने जारी की डिजिटल डिग्रियां

नई दिल्ली। दीक्षांत केवल समापन नहीं, जीवन की नई शुरुआत है। यह जिंदगी के एक फेज के पूरा होने और दूसरे फेज की शुरुआत, दोनों को दिखाता है। भारत के उपराष्ट्रपति एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सी.पी. राधाकृष्णन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के 102 वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि यह दीक्षांत भाषण के दौरान संबोधन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि महान विश्वविद्यालय सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर से नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और विद्यार्थियों में डाले जाने वाले मूल्यों से पहचाने जाते हैं। इस अवसर पर उन्होंने बटन दबा कर 1 लाख, 20 हजार, 408 विद्यार्थियों की डिजिटल डिग्रियां भी जारी कीं। इसके साथ ही मुख्य अतिथि ने 10 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अपने हाथों से मेडल भी प्रदान किए। इस अवसर पर बुक ऑफ हाइलाइट्स नामक पुस्तक भी जारी की गई। विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय खेल परिसर में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की। कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह देश हमारा है और इसकी चिंता भी हमें ही करनी होगी। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में बेटियों के अधिक योगदान का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि "हमारी बेटियां राष्ट्र की शक्ति और गौरव हैं।"

डीयू के 102 वें दीक्षांत समारोह में कुल 1 लाख, 20 हजार, 408 विद्यार्थियों के साथ ही 734 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्रियां भी प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 132 गोल्ड एवं सिल्वर मेडल तथा पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें यूजी और पीजी के विद्यार्थियों को कुल 112 गोल्ड मेडल एवं एक सिल्वर मेडल प्रदान किए गए। इसी तरह यूजी और पीजी के विद्यार्थियों को कुल 19 पुरस्कार (सर्टिफिकेट) प्रदान किए गए।

व्यापारियों एवं जनता को शौचालय से मिलेगी बड़ी राहत : जैन

नई दिल्ली। दिल्ली के दरियागंज में व्यापारियों एवं ग्राहकों की सुविधा के लिए खालसा स्कूल के पास नए सार्वजनिक वॉशरूम के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। दिल्ली नगर निगम में मनोनीत निगम पार्षद मनोज कुमार जैन ने शनिवार को बताया कि क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक सराहनीय एवं महत्वपूर्ण पहल है, जिससे व्यापारियों एवं आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। यह कार्य तरविंदर सिंह मारवाह (विधायक, जंगपुरा) एवं स्वयं के अथक प्रयासों से संभव हो पाया है। जैन ने बताया कि दरियागंज ट्रेडर्स एसोसिएशन की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। उन्होंने बताया कि असामाजिक तत्वों ने पहले पुराने शौचालय को क्षतिग्रस्त कर दिया था जिसके कारण क्षेत्र के व्यापारियों एवं आमजन को लंबे समय से भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

हाईकोर्ट का आदेश आम जनता की ऐतिहासिक जीत : सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को उच्च न्यायालय के आदेश को सरकार की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रमाण बताते हुए आम जनता की ऐतिहासिक जीत और आम आदमी पार्टी, कुछ स्वार्थी एनजीओ और निजी स्कूल प्रबंधन के गठजोड़ की हार बताया। शिक्षा मंत्री ने न्यायालय द्वारा 12 मार्च तक फीस वृद्धि पर रोक लगाने के निर्णय को दिल्ली की जनता को फीस-माफिया से सुरक्षा प्रदान करने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। फीस वृद्धि पर न्यायालय की रोक पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री सूद ने कहा कि यह केवल कानूनी जीत नहीं है, बल्कि हमारी सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की विजय है। वर्षों तक दिल्ली के अभिभावकों को मनमानी फीस वृद्धि का सामना करना पड़ा। आज कानून ने न्याय का साथ दिया है। शिक्षा विभाग ने इस मामले को पूरी मजबूती से लड़ा और परिणाम सबके सामने है। 12 मार्च की सुनवाई के बाद स्कूल स्तरीय फीस विनियमन समिति (एसएलएफआरसी) के गठन तक कोई भी बढ़ी हुई फीस लागू नहीं होगी। सूद ने कहा कि यह जीत दिल्ली के अभिभावकों और 'दिल्ली की जनता' की जीत है, जिन्हें इस शोषणकारी गठबंधन से मुक्ति मिली है। सूद ने कहा कि इतिहास में पहली बार न्यायालय ने फीस वापसी/समायोजन की स्पष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की है। यदि किसी स्कूल ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अत्यधिक फीस वसूली है, तो शिक्षा निदेशालय उसकी जांच और समीक्षा करेगा तथा 12 मार्च के बाद, उच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन, उसे नियमानुसार नियंत्रित किया जाएगा।

अगले सत्र में भी निजी स्कूलों पर लागू नहीं होगा कानून : सौरभ

नई दिल्ली। दिल्ली की भाजपा सरकार जिस प्राइवेट स्कूल फीस कंट्रोल एक्ट को दिल्ली के मिडिल क्लास पेरेंट्स के लिए मास्टर स्ट्रोक बता रही थी, वह कानून अगले शैक्षिक सत्र में भी प्राइवेट स्कूलों में बढ़ी फीस पर लागू नहीं होगा। यानी प्राइवेट स्कूल बढ़ी हुई मनमाना फीस मिडिल क्लास पेरेंट्स से वसूलेंगे और पेरेंट्स ये फीस देने के लिए मजबूर होंगे। यह बात दिल्ली सरकार की ओर से कोर्ट में स्थिति साफ करने के बाद आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कही। उन्होंने कहा कि कानून को मास्टर स्ट्रोक बताकर रेखा गुप्ता सरकार ने दिल्ली के मिडिल क्लास को बड़ा धोखा दिया है। अब सरकार ने इस कानून को अगले शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए भी निष्प्रभावी कर दिया है। शनिवार को भारद्वाज ने कहा कि एक बड़ी खबर है कि प्राइवेट स्कूल मालिकों और भाजपा की दिल्ली सरकार का गठजोड़ शनिवार को हाईकोर्ट में फिर बेनकाब हो गया है।

जनता को 11 साल खून के आंसू रुलाने वाले, खुद कर रहे हैं रोने की एक्टिंग : कपिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की जनता को 11 साल खून के आंसू रुलाने वाले, खुद रोने की एक्टिंग कर रहे हैं। यह बात दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेसवार्ता में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर प्रहार करते हुए कही। कपिल ने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि इतनी ओवरएक्टिंग और नौटंकी तब भी आप कर रहे थे जब तक आप सरकार में थे और आज भी कर रहे हैं। काश, उस समय आपको दिल्ली का दर्द पता लगा होता, समझ में आया होता। काश, आज आपको दिल्ली से कोई सरोकार होता। जहां तक शराब घोटाले की बात है, तो शराब घोटाले में हाई कोर्ट की टिप्पणियां भी हैं, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां भी हैं। और जब सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की गंभीर टिप्पणियों के बावजूद, आपने अपने आपको गुनहगार नहीं माना और ईमानदारी का नकली मेडल लेकर घूमते रहे, तब आज निचली अदालत के एक आदेश पर, आप इस प्रकार से सेलिब्रेट कर रहे हो। किसको मूर्ख बना रहे हो। क्या यह सच नहीं है कि दिल्ली में जो शराब पॉलिसी आई, जैसे ही उसके ऊपर कंप्लेंट दर्ज हुई, आपने उसको वापस ले लिया। अगर वह शराब की आपकी पॉलिसी ईमानदारी पर आधारित थी, तो उसको वापस क्यों लेना पड़ा। क्या यह सच नहीं है कि जैसे ही जांच करने की बात आई, मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल ने सैकड़ों मोबाइल फोन तोड़े और यह बात ऑन रिकॉर्ड है। क्या यह सच नहीं है कि जो थोक व्यापारी थे, उनका कमीशन 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत तक कर दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर डीएमआरसी लाई महिलाओं के लिए विशेष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) महिलाओं के लिए खास तौर पर ज्ञानवर्धक विशेष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता लेकर आई है। इसके पीछे डीएमआरसी का मानना है कि इस इंटरनेशनल विमेंस डे 2026 पर महिलाएं अपने ज्ञान को और आगे बढ़ाए। जानकारी अनुसार 2, 3 और 5 मार्च 2026 को डीएमआरसी के ऑफिशियल सोशल मीडिया मंच एक्स हैंडल पर जाकर प्रतियोगिता में भाग लिया जा सकता है। प्रतियोगिता के तहत इन दिनों रोज एक सवाल पूछा जाएगा जिसका जबाब आनलाइन दिया जाएगा। यह प्रतियोगिता केवल महिलाओं के लिए है इसलिए इसमें पुरुष हिस्सा नहीं ले सकते। महिला यात्री एक्स पर पूछे गए सवाल का जवाब कमेंट बॉक्स में लिखेगी। पहला सही जबाब देने वाली महिला यात्रा को विजयी घोषित किया जाएगा। हर सवाल का सही जवाब देने वाली महिला प्रतिभागी को ही विजेता चुना जाएगा। लेकिन इस पूरी प्रतियोगिता में एक प्रतिभागी सिर्फ एक बार ही जीत सकता है। बता दें कि इससे पहले डीएमआरसी ने 2 मार्च 2026 को एक खास पेंटिंग कॉम्पिटिशन आयोजित करने की भी घोषणा की है।

टूरिस्ट टैक्सी ट्रांसपोर्टरों ने किया जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की अगुवाई में जंतर–मंतर पर टूरिस्ट टैक्सी ट्रांसपोर्टरों ने विरोध प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट के नेतृत्व में शनिवार को आयोजित हुए इस प्रदर्शन में ट्रांसपोर्टरों ने एक स्वर में सरकार से मांग की है कि लंबे से लंबित पड़ी हमारी सभी मांगां को पूरा किया जाए। इस बारे में संजय सम्राट ने कहा वर्षों से हमारी जायज मांगों की सरकार लगातार अनदेखी कर रही है। यदि अब भी केंद्र और राज्य सरकारें, विशेषकर परिवहन मंत्रालय टूरिस्ट ट्रांसपोर्टरों की बातों को नहीं मानते तो आने वाले समय में हमारे सभी ड्राइवर अपनी बाजू पर काली पट्टी बाँधकर गाड़ियाँ चलाएँगे। संजय ने बताया कि हमारी प्रमुख मांगों में प्राइवेट नंबर वाली बाइक टैक्सियों पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। ऐप बेस्ड टैक्सी का किराया तय होना चाहिए क्योंकि कंपनियां 10 साल से किराया नहीं बढ़ा रहीं, जबकि कमीशन बढ़ा दिया गया है। ड्राइवरों की सुरक्षा और जिम्मेदारी तय की जाए। पैनिक बटन वीएलटीडी का भ्रष्टाचार बंद होना चाहिए क्योंकि इस विफल सिस्टम के नाम पर 10,000–20,000 तक की वसूली हो रही है।

संगठन ने मांग की है कि बस बॉडी कोड (एआईएस–153) में छूट देते हुए पहले से बनी बसों पर नया कोड लागू करना अनुचित है। ऑल इंडिया परमिट वाहनों के लिए 80 किमी सीमा अनुचित है, इसलिए स्पीड लिमिट डिवाइस की बाध्यता समाप्त की जाए। दिल्ली पंजीकरण वाली टैक्सियों पर एमसीडी का दिल्ली में टोल टैक्स समाप्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भी हमारी कई मांगे है जिनका ज्ञापन दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि संगठन व हम किसी राजनीतिक दल से नहीं बल्कि अपने अधिकारों से जुड़े हैं। अगर सरकारें समाधान नहीं करतीं, तो यह आंदोलन देशव्यापी रूप भी ले सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी मांगों का ज्ञापन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को सौंपा जा चुका है।

एबीवीपी ने द्वारका उत्तर थाने के बाहर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज के कार्यकर्ताओं ने कॉलेज के वार्षिकोत्सव के दौरान कॉलेज प्रशासन एवं पुलिस की लापरवाही के कारण छात्रों को हुईं परेशानी और दिल्ली पुलिस द्वारा छात्रों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज किए जाने के विरोध में रका उत्तर थाने के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने की माँग की जिन्होंने छात्रों पर बलप्रयोग किया। एबीवीपी दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय के इकाई अध्यक्ष सक्षम सिंह ने कहा पुलिस द्वारा विद्यार्थियों पर किए गए लाठीचार्ज अनुचित था, भीड़ प्रबंधन के लिए बल का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए था अपितु पुलिस द्वारा पूर्व तैयारी कर कार्यक्रम का प्रबंधन देखना चाहिए था।

एसआईआर के बहाने वोटों को काटने की साजिश को नाकाम करने के लिए कांग्रेस तैयार: यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने संगठन सृजन अभियान के तहत लोकसभा आब्र्जवर, जिला आब्र्जवर, विधानसभा आब्र्जवर और बीएलए-1 की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। शनिवार को हुई बैठक में यादव ने कहा है कि हमारी पार्टी चुनाव आयोग और भाजपा की एसआईआर के तहत वैध वोटों को काटने की साजिश को नाकाम करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि बीएलए-2 संगठन की रीढ़ साबित होगा जो केन्द्र और दिल्ली में भाजपा सरकार की झूठी घोषणाओं और मूलभूत सुविधाओं को जनता को न देने और सरकार की नाकामियों को भी अपने बूथ की जनता तक सीधा पहुंचाने का काम करेगा। बैठक में यादव के अलावा मुख्य रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन सहित अन्य नेता मौजूद थे। बैठक में दिल्ली की 70 विधानसभाओं के सभी 13148 बूथों पर बीएलए-2 की नियुक्ति और संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष चर्चा हुई।

यादव ने कहा कि ब्लाक अध्यक्षों, विधानभा आब्र्जवरों और बीएलए-1 के संयुक्त प्रयासों का नतीजा है कि दिल्ली कांग्रेस ने 10 हजार 138 बूथों पर बीएलए-2 को नियुक्त कर दिया और बचे हुए बूथों पर बीएलए-2 बनाने की प्रक्रिया होली के पश्चात पूरी कर ली जाएगी। यादव ने कहा कि चुनाव आयोग अगले महीने से दिल्ली में एसआईआर शुरू करने वाली है। दिल्ली कांग्रेस चुनाव आयोग और भाजपा की एसआईआर के तहत वैध वोटों को काटने की साजिश को नाकाम करने के लिए पूरी तरह तैयार है। एसआईआर शुरु होने से पहले दिल्ली कांग्रेस सभी 13148 बूथों पर बीएलए-2 की नियुक्ति सुनिश्चित कर लेगी। उन्होंने कहा कि हर बूथ पर सक्रिय बीएलए-2 एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी और चुनावों में वोट चोरी पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए तैयार है। संगठन सृजन अभियान के तहत संगठन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में हमारे सभी ब्लॉक अध्यक्ष, मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर इंचार्ज विधानसभा आब्र्जवर और बीएलए-1 के साथ मिलकर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं में से बीएलए-2 को नियुक्त करने का काम कर रहे है। बीएलए-2 की नियुक्ति में बूथ मैनेजमेंट कमेटी और प्रत्येक विधानसभा में बीएलए-1 की जमीनी स्तर की मेहनत और लोकसभा और जिला आब्र्जवरों के सहयोग से लगभग पूरा कर लिया है और बचे हुए बूथों पर बीएलए-2 की नियुक्ति जल्द होगी।

अपील : स्वच्छता के लिए नालों में कूड़ा-कचरा न डालें लोग

नालों की सफाई का कार्य समय से पूर्व किया जाएगा पूरा : महापौर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम ने राजधानी में नालों की सफ़ाई का कार्य प्रारम्भ कर दिया है तथा निर्धारित समय-सीमा से पूर्व सभी नालों की सफ़ाई पूर्ण कर ली जाएगी। दिल्ली के महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निगम प्रशासन मॉनसून से पहले व्यापक स्तर पर तैयारी कर रहा है, ताकि मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। महापौर ने जानकारी दी कि दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत 4 फुट से कम गहराई वाले कुल 12,892 नाले हैं, जिनकी कुल लंबाई करीब 6 हजार 69 किलोमीटर है। जनवरी 2026 से अब तक इन नालों से 8,047 मैट्रिक टन गाद निकाली जा चुकी है। उन्होंने बताया कि इन नालों की नियमित रूप से सफ़ाई की जाती है और गाद निकालने का कार्य निगम द्वारा सतत रूप से जारी है। महापौर ने नागरिकों से भी अपील की कि वे स्वच्छता बनाए रखने में निगम का सहयोग करें और नालों में कूड़ा-कचरा न डालें, ताकि जल निकासी व्यवस्था प्रभावी बनी रहे।

59 दिन में 16,966 मैट्रिक टन निकाली जा चुकी गाद

महापौर ने बताया कि इसी प्रकार, 4 फुट से अधिक गहराई वाले कुल 800 नाले निगम के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, जिनकी कुल लंबाई 530.82 किलोमीटर है। जनवरी 2026 से अब तक इन बड़े नालों से 16,966 मैट्रिक टन गाद निकाली जा चुकी है। महापौर ने कहा कि यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, ताकि वर्षा के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

बड़े नालों की व्यापक सफ़ाई के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू

महापौर ने बताया कि बड़े नालों की व्यापक सफ़ाई हेतु दिल्ली नगर निगम ने निविदाएँ आमंत्रित करने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। निविदा प्रक्रिया पूर्ण होते ही इन नालों से गाद निकालने का कार्य तेजी से शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी कार्य समय से पूर्व पूर्ण किए जाएँ और गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न रहे। महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने कहा कि जलभराव वाले संवेदनशील स्थानों के लिए विशेष व्यवस्था बनाई जाएगी और जरूरत के अनुसार पंप की व्यवस्था की जाएगी ताकि ऐसे स्थानों पर जलभराव होने से रोका जा सके।

दिल्ली में 'ट्रिपल इंजन' की सरकार के कार्य जारी

महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने कहा कि दिल्ली में "ट्रिपल इंजन" की सरकार नागरिकों के हित में निरंतर कार्य कर रही है। दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकार के साथ पूर्ण समन्वय स्थापित कर कार्य कर रही है, ताकि राजधानी को देश का सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस दिशा में दिल्ली सरकार से हर संभव सहयोग प्राप्त हो रहा है और संयुक्त प्रयासों से दिल्ली को स्वच्छता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जाएगा।

एक्सपायर ब्रांडेड प्रोडक्ट्स बेचने में शामिल रैकेट का एक सदस्य दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की ईस्टर्न रेंज-1 टीम ने एक्सपायर हो चुके खाने पीने और कॉस्मेटिक के ब्रांडेड प्रोडक्ट्स बेचने में शामिल रैकेट से जुड़ा एक सदस्य गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर सामान का बड़ा स्टॉक जब्त किया गया। पुलिस के अनुसार लोगों की सेहत की सुरक्षा के लिए एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसे रैकेट का पर्दाफाश किया है जो एक्सपायर हो चुके खाने और कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें दोबारा छापने और खुले बाजार में नए स्टॉक के तौर पर बेचने में शामिल था। पुलिस ने गली नंबर 9बी, पुश्ता रोड, जगतपुर, दिल्ली में मौजूद एक गोदाम पर एक सुनियोजित रेड की जिसके बाद बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया गया। रेड के दौरान एक आरोपी जिसका नाम ओमप्रकाश शर्मा (40) निवासी रेल विहार, गाजियाबाद, यूपी को पकड़ा। जब्त सामान को बाजार में अनजान खरीदारों को सप्लाई किया जाता था। बरामद सामान में नेस्ले शुगर फ्री, ग्लूकोन-डी, डाबर गुलाबारी बॉडी लोशन, डाबर गुलाबारी रोज वॉटर, क्लीन एंड क्लियर फेस वॉश, विक्स वेपोरब, डाबर लाल तेल, ओडोमॉस, ऑलिव ऑयल, डाबर च्यवनप्राश और सैवलॉन एंटीसेप्टिक शामिल है। इसके अलावा, प्रिंटिंग फ्रेम, लेबलिंग मटीरियल और एक्सपायरी और मैन्युफैक्चरिंग डिटेल्स बदलने के लिए इस्तेमाल होने वाले दूसरे इक्विपमेंट भी जब्त किए गए है। पुलिस अब एक्सपायर हो चुके स्टॉक के सोर्स का पता लगाने की कोशिश में है। इसके साथ ही होलसेल सप्लायर और डिस्ट्रीब्यूटर की पहचान, पूरे सप्लाई चेन नेटवर्क का पर्दाफाश करना और उन रिटेलर और मार्केट की पहचान करना जहां ऐसे प्रोडक्ट बेचे जाते थे पुलिस का लक्ष्य है।

इंद्रधनुषी रंगों से रंग जाए जीवन

वासंती बयारों के बीच जब नवकोंपल, नवपुष्पों के मोहक वर्णों और सुगंध से प्रकृति सुशोभित-सुवासित हो रही होती है, ऐसे ही अवसर पर इंद्रधनुषी रंग-भाव लिए आता है, होली का त्योहार। उसके आगमन की आहट से रोम-रोम पुलकित हो उठता है। उल्लास-उमंग को संग लिए रंगोत्सव हमें जीवन के हर रंग को आत्मसात करने का भी संदेश देता है।

आवरण कथा

सरस्वती रमेश

प्रकृति जब धरती पर ऋतु परिवर्तन का विधिवर्षणी उत्सव मनाती है। पलाश, गेंदा, गुलाब, गुलमोहर जैसे फूलों और खेतों में दूर तक फैली पीली सरसों से अपना श्रंगार करती है, इसी अवसर पर रंगपर्व होली के बहाने हम सब भी प्रकृति के इस उत्सव में शामिल हो जाते हैं। ऋतु की मादकता से अपने भीतर उपजे आह्लाद को ठिठोली, राग, रंग और अल्हड़पन के माध्यम से व्यक्त करते हैं। यह ऋतु ऐसी मदमस्त होती है कि धूप की हल्की हंसी जैसी किरणें भी धरती पर किसी सुनहरी पिचकारी-सी लगती हैं। शीतल बयार का जादू प्रकृति के कण-कण में छाने लगता है। क्या इंसान और क्या पशु-पक्षी, सब प्रकृति के सम्मोहन में बंध जाते हैं। हृदय में उल्लास के कपाट खुल जाते हैं। मन में फाग के राग बजने लगते हैं। पांव ढोलक, मृदंग की थाप पर खुद-ब-खुद थिरकने लगते हैं। इस ऋतु के प्रभाव को कवि दिनेश शुक्ला की ये पंक्तियां प्रभावी तरीके से व्यक्त करती हैं-

पृथ्वी, मौसम, वनस्पति, भंवरे, तितली, धूप
सब पर जादू कर गई, ये फागुन की धूप।

विविध रंगों से सजता है जीवनः होली तो रंगों की उमंग से उत्साहित होने का त्योहार है। उत्सव के रंग में रंग जाने का समय। लेकिन ये रंग महज बाहरी रंग नहीं होते, जीवन जीने का फलसफा भी सिखाते हैं। हमारा जीवन विविध भावों वाले रंगों से ही तो मिलकर बना हुआ है। कहीं दुःख का धूसर रंग है तो कहीं आनंद का चटख रंग। कहीं वियोग के पनीले रंग हैं तो कहीं प्रेम और मिलन के सुर्ख रंग। लाभ, हानि, संकट, समाधान, रोग, निरोग, शोक, अशोक, सफलता, असफलता सब जीवन के विविध रंग ही हैं। इन्हीं विविधताओं से ही इंद्रधनुषी बनता है जीवन हमारा।

जरा कल्पना करके देखिए यदि इस धरती पर केवल एक ही रंग होता। अंधकार का स्याह रंग या रोशनी का चमकीला रंग। तब एकरसता हमारे जीवन, हमारी दिनचर्या को कितना बोझिल बना देती। यदि हमारी जिंदगी में भी सिर्फ कोई एक ही रंग होता। सिर्फ सुख का चटख रंग या दुःख ही दुःख तो हम सुख-दुःख के रंगों को विलग कर उनके भावों को किस प्रकार समझ पाते? दुःख के स्याह रंग नहीं होते तो सुख के दिनों की पहचान करना भी मुश्किल होता। दुःख के रंग से ही सुख के रंग और निखरते हैं। दुःख हमें सुख की महत्ता को समझाने, उसे अपनी झोली में सहेजने की सीख लेकर आता है। यह विरोधाभास ही एक सार्थक, अनुभव संपन्न जीवन का बेहतरीन उदाहरण है। जीवन में हर भाव, हर रंग का संतुलन साधना आवश्यक है। किसी एक रंग से न तो जीवन बन सकता है और न जीवन में संपूर्णता का आनंद मिल सकता है। जीवन रंगों के इस संतुलन को साधने का नाम है। आशा, उम्मीद, सकारात्मकता, करुणा, प्रेम, उदारता जैसे रंगों की अधिकता हमारे जीवन के एक वृहद हिस्से को उत्सव में तब्दील कर देती है। सिर्फ हमारे जीवन को ही नहीं, हमारे आस-पास रहने वाले लोगों के जीवन में भी खुशी और उल्लास के रंग बिखेरती है।

समझें रंगों का संदेशः हर रंग में गहरे सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक अर्थ निहित होते हैं। ये रंग जीवन की अलग-अलग स्थितियों का आईना होते हैं। इस आईने में हम हर रोज खुद को देखते हैं। अलग-अलग भावों को महसूस करते हैं। जैसे प्रकृति में इंद्रधनुष सात रंगों से सजा होता है,

वैसे ही हमारा जीवन भी विभिन्न रंगों का मिश्रण होता है। वास्तव में विभिन्न रंग, हमारे मन की गहराइयों को प्रतिबिंबित करते हैं। जीवन को जितने खूबसूरत रंगों में देखेंगे, उतना ही वह रंगीन और अर्थपूर्ण लगेगा। रंग हमें सिखाते हैं कि हर स्थिति स्थायी नहीं होती। जैसे इंद्रधनुष बारिश के बाद निकलता है, वैसे ही दुःख के बाद सुख, क्रोध के बाद शांति, हानि के बाद नई शुरुआत होती है। रंग हमें याद दिलाते हैं कि जीवन को एक रंग में बांधना असंभव है। रंग हमें हंसना सिखाते हैं। प्रेम में पड़ना सिखाते हैं। जीवन की विसंगतियों से लड़ना भी सिखाते हैं। रंगों के जरिए हम अपने भावों, अनुभवों और विचारों को व्यक्त करते हैं। जरूरत बस इतनी है कि हम रंगों के भावार्थ को अपने जीवन में ठीक से उतारें। होली के रंग भी यही संदेश लेकर आते हैं। जीवन आपसी मेलजोल और खुशियों के रंगों का मेला है। इस मेले में से हमें रंग चुनकर अपने जीवन को रंगीन बनाना है। अपने आस-पास की उदासियों को विदा करना है। आज की भागम-भाग भरी जिंदगी में रंग हमें थोड़ा ठहरने और आत्म मंथन करने की आवश्यकता को बताते हैं। जीवन में रंगों का उल्लास उतारने के लिए थोड़ा ठहरना, हर रंग की तासीर को समझना जरूरी है।

रंगों में निहित सामाजिकताः इस रंग पर्व की बेला में हम सब रंगों में निहित सामाजिकता को भी आत्मसात करें, उसे भी प्रत्यक्ष रूप से प्रकट करें। खुशियों की सौगात लेकर आने वाली होली में अपनों को गले लगाएं। जैसे शीत से रूठी प्रकृति को वसंत अपने माधुर्य से मनाता है। पत्ते-पत्ते, कली-कली और पुष्प-पुष्प को अपनी वासंती बयार से गुदगुदाता है। आम्र मंजरियों को अपनी ऊष्मा से महमहाता है, ठीक वैसे ही हम अपने रूठे प्रियजनों को अपने प्रेम, अपनापे की ऊष्मा से मनाएं। एकांत के उदास रंगों में डूबे अपने पड़ोसियों, भाई-बंधुओं से मिलकर उनके जीवन को होली के रंगों से स्पंदित करें। होली तो अजनबियों और शत्रु को भी गले लगाने का संदेश लेकर आती है ताकि हमारे बीच सामूहिकता की भावना जिंदा रहे, ताकि हम एक-दूसरे के साथ के महत्व को समझें और कोमल संवेदनाओं को धारण कर सकें। हमारे बीच सामाजिकता बनी रहे और हम अवसाद, एकाकीपन के दुष्प्रभावों से दूर रह सकें।

रंग वाली होली से एक रात पूर्व, होलिका जलाते हैं। जलती होलिका तो एक प्रतीक मात्र है। असली होलिका तो तब जलेगी जब अपनी चारित्रिक कमजोरियों, असहजताओं, मन की कुंठाओं को भी दहन कर दिया जाए। मन से ईर्ष्या, वैर के बदरंगों की निकासी की जाए और प्रेम के रंग से सराबोर हुआ जाए। तभी तो समाज को विभाजित करने वाली शक्तियों का विध्वंस होगा। ऊंच-नीच की भावना, अमीर-गरीब का अंतर, जाति-धर्म का विभेद सबकी होली जलेगी। यदि होली के रंग में हमारा मन सच्चे अर्थों में रंग जाए तो मन से सारे दूषित विचार निकल जाएंगे। हमारा शरीर नए मनोभाव को धारण कर एकदम तरोताजा महसूस करेगा। भाईचारे के रंग में भीगा मन, बड़ों के लिए सम्मान और छोटों के लिए दुलार से भरा मन, रिश्तों के प्रति आत्मीयता से भरा रंग। तभी होली मनाना सार्थक होगा। कवि हरिवंशराय बच्चन के शब्दों में-

होली है तो आज अपरिचित से परिचय कर लो
होली है तो आज मित्र को पलकों में धर लो
भूल-शूल से भरे वर्ष के वैर, विरोधों को
होली है तो आज शत्रु को बाहों में भर लो। *

रंग, उमंग, तरंग के संग मस्ती भरा धमाल मचाने का संदेश लेकर आता है, होली का पर्व। यही वजह है कि खासतौर पर युवाओं का यह सबसे पसंदीदा त्योहार माना जाता है। होली से युवाओं के जुड़ाव और इसे मनाने के अंदाज पर एक नजर।

रंग-मस्ती-उमंग के संग युवाओं का होली धमाल

नया अंदाज

शैलेंद्र सिंह

बीते साल के होली वाले दिन की सुबह की घटना है। पुणे के एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में गजब की युवा हलचल देखने को मिल रही थी। वीकेंड पर आमतौर पर देर तक सोने वाले युवा उस दिन सूरज की किरणों के उगने के पहले ही जग चुके थे। किसी के हाथ में गुलाल के पैकेट थे, कोई फोन पर प्ले लिस्ट सेट कर रहा था, तो कोई पूछ रहा था, 'पानी वाला रंग लाऊं या सिर्फ ड्राई?' ये सब वही युवा थे, जो सप्ताह भर कॉरपोरेट ऑफिस में प्रजेंटेशन की आपा-धापी में रहते हैं। स्टार्टअप्स की मीटिंग में भविष्य के सपने बुनते हैं और अपने करियर की सीढ़ियां तेजी से चढ़ने की हर कोशिश करते हैं। लेकिन होली का दिन आते ही इनकी पहचान बदल जाती है। होली के दिन ये बेफिक्र और रंगों से सराबोर मस्ती के रंग में डूबे दोस्त बन जाते हैं। यह अकेले पुणे के एक मिडिल क्लास मुहल्ले की कहानी नहीं है। यह समूचे शहरी भारत के ब्राइट करियर वाले युवाओं के होली धमाल की कहानी है।

होली खेलने में नहीं रहते पीछेः यह सही है कि आज के शहरी युवा अपने करियर को लेकर जितने गंभीर रहते हैं, उतना ही ध्यान अपने जीवन में उत्सव और संतुलन के लिए भी देते हैं। आईटी प्रोफेशनल मोहन रंगनाथन जो कि साउथ इंडिया से हैं, लेकिन पढ़ाई से लेकर करियर तक उत्तर भारत में गुजारने के कारण होली को भरपूर सेलिब्रेट करते हैं। उनके मुताबिक, 'हम जैसे युवा डेडलाइन और टारगेट में भले उलझे रहते हों, लेकिन होली एक ऐसा दिन है, जब हम बिना किसी दबाव के खुलकर होली खेलते हैं, तब हमें कतई नहीं याद रहता कि हममें प्रोफेशनल कौन है या जूनियर कौन है या सीनियर कौन है? ना ही उस समय हमें अपना वर्क प्रेशर और प्रोजेक्ट की डेडलाइन परेशान करती है। होली के दिन सिर्फ रंग और मस्ती का धमाल होता है।'

दिल्ली में रहने वाली यंग प्राफेशनल पूनम कहती हैं, 'वास्तव में होली मूड नहीं बल्कि साल भर के लिए मेंटेलिटी को रिसेट करने का त्योहार होता है। यह अकेला ऐसा फेस्टिवल है, जो उत्तर से मध्य ही नहीं लगभग पूरे भारत के हर हिस्से तक हर जगह और हर युवा को रोजमर्रा की जिंदगी की एकरसता से बाहर निकालता है।'

इसलिए है पसंदीदा त्योहारः कई ऐसे त्योहार होते हैं, जो कुछ लोग मनाते हैं और कुछ लोग नहीं मनाते। लेकिन होली एक ऐसा त्योहार है, जिसे आप चाहे मनाएं या न मनाएं पर आपको इस दिन पूरी छुट्टी मिलती है। पूरी तरह से आजादी महसूस होती है। इसलिए अपार्टमेंट से लेकर क्लबों तक हर जगह होली, युवाओं को मस्ती और बेफिक्री से जीने को प्रेरित करती है। इसीलिए इसे युवाओं का पसंदीदा पर्व माना जाता है।

नए रूप में होली की मस्तीः हाल के दशकों में भारत के बड़े शहरों का पारंपरिक चेहरा बदल गया है। अब 70 और 80 के दशक वाले मुहल्ले नहीं बचे। अब गेटबंद सोसायटियों का चलन है, इसलिए होली के दिन सुबह से ही सोसायटियों में डीजे की धमाल के साथ रूफ टॉप होली के एक से बढ़कर एक वर्जन देखने को मिलते हैं। पूल पार्टी होली, इकोफ्रेंडली होली जैसे नए आयाम भी इस मस्ती के हिस्से बन चुके हैं। बेंगलुरु में जॉब करने वाले भिलाई के राघव कहते हैं, 'हम युवा लोगों में से अगर कोई होली न भी खेलना चाहे तो मनाने वालों की संख्या ज्यादा होती है और न मनाने वालों की इस मामले में जरा भी नहीं चलती। उन्हें घर से खींचकर होली पार्टी में खींच लिया जाता है। मजेदार बात यह है कि कुछ देर पहले तक खेलने से ना-नुकुर करने वाला बंदा भी कुछ देर में होली के रंगों में सराबोर होकर खेलने लगता है। यही तो इस पर्व की खासियत है।' इससे उलट हावड़ा की रहने वाली कनुप्रिया के मुताबिक पांच सालों से चेन्नई में रहते हुए भी उन्होंने बंगाल की फूलों वाली होली का कल्चर जिंदा रखा है और अब तो उनकी देखा-देखी बहुत से उनके युवा साथी भी होली के दिन फूलों वाली होली बड़े प्यार से खेलते हैं। तेलंगाना के रहने वाले रमेश जो मथुरा में जॉब करते हैं, बताते हैं, 'फूलों की होली में गजब का आकर्षण है। यह खूबसूरत भी है, मस्ती घनघोर भी है और पर्यावरण के अनुकूल भी है।'

दिल्ली में फाइनेंस प्रोफेशनल आरव के मुताबिक 'अब दिल्ली में भी बेंगलुरु और मुंबई की तरह युवाओं की होली पार्टियां बनती हैं और दिनभर डीजे के साथ होली धमाल होता है। अब होली पर कुछ भी चेहरे पर चुपड़ देना, मिट्टी, गंदगी आदि से होली खेलना धीरे-धीरे चलन से बाहर होता जा रहा है। इसके साथ ही कम से कम भारत के शहरी यंगस्टर्स, जो अपने करियर को लेकर सीरियस और सुरक्षित हैं, मस्ती के इस त्योहार में न केवल नए-नए आयाम जोड़ रहे हैं बल्कि इसके साथ जुड़े डरावने अनुभवों को मनोरंजन से यादगार अनुभव से स्थानांतरित करने लगे हैं।'

रंगीली होती है वर्चुअल होलीः अब युवाओं द्वारा सोशल मीडिया में भी जमकर होली खेली जा रही है। आज सोशल मीडिया में विशेषकर इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब में होली के दिन जितने इंद्रधनुषी चेहरे दिखते हैं, उतने चेहरे तो सचमुच में आस-पास भी नहीं दिखते हैं। वास्तव में होली एक ऐसा त्योहार है, जिसमें प्राचीनता हो या आधुनिकता, सब एक जैसे और एक ही जगह एकत्र हो जाते हैं। कुल मिलाकर अगर कहें तो भले यह 1980 या 90 की बजाय इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक हो, लेकिन भारत के युवाओं में होली की मस्ती में जरा भी बदलाव नहीं आया है। *

दोहे

श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में सब हो लिए, तन-मन से रंगीन।
गोपी नाचे झूम कर, ग्वाल बजाए बीन।।
पिचकारी से छूटती, रंगों की रसधार।
प्रेम रंग में डूबकर, करें नेह संचार।।
तरह-तरह के रंग से, भरकर पूरा थाल।
छुई-मुई गोरी हुई, हुए गुलाबी गाल।।
रंग अबीर गुलाल को, लेकर चले गुपाल।
गाएं, बछड़े, कुंज तरु, ग्वाल-बाल सब लाल।।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
उठती गिरती ताल पर, फड़क रहे हैं अंग।।
राग-रंग के पर्व पर, छाया है अनुराग।
नाच रही हैं गोपियां, ग्वाले गाएं फाग।।
राधा जी हैं छोड़ती, पिचकारी से धार।
नैन श्याम से मिल गए, धार हुई बेकार।।

हुड़दंग

राजा चौरसिया

ताऊजी की होली

होली के रंग में भइया
जब घुली भंग की तरंग,
ताऊजी के ठुमके देख
हर कोई रह गया दंग।
टुन्नावस्था में बहककर
ताऊजी सठिया गए
उनका हुड़दंग देखकर
जवान भी शरमा गए।
ताई को जब पता लगा
लेकर दौड़ीं डंडा
ताऊ जान बचाकर भागे
नशा हो गया ठंडा।

हंसी-ठिठोली

राकेश सोहम्

एआई के संग कार्यालयीन होली के रंग

एआई का जमाना है। सांस्कृतिक धरोहर माने जाने वाले त्योहारों की मिट्टी पलीत हुई पड़ी है। फूलों के रंगों से खेला जाने वाला होली का त्योहार कालांतर में कीचड़ और गोबर से खेला जाता था। फिर केमिकल युक्त रंगों से खेला जाने लगा। हाल ही में ऑर्गेनिक रंगों से खेला जा रहा था। पर एआई के आगमन से वह भी बंद हो गया है। लोग मोबाइल पर होली खेलते हैं। होली की आधिकारिक छुट्टियां भी समाप्त कर दी गई हैं। सरकारी महकमों में प्रतीकात्मक होली मनाई जाती है। हालांकि ऐसे मामलों में महकमों का रवैया अभी भी ढर्रा-सा और खाने-पीने तक सीमित है।

इधर होली के ठीक एक दिन पहले मुख्यालय का आदेश बॉस की फैक्स मशीन के बाहर लटकती हुई जुबान की माफिक झांक रहा था। उन्होंने गुस्से में मशीन की जुबान खींच ली। जैसे अधीनस्थ की खींच लिया करते हैं। पर आदेश को देखते ही बॉस के होंठों पर रसीली मुस्कान तैर गई। आंखों में रंग अठखेलियां करने लगे। फौरन सेक्रेटरी को फोन घुमाया, 'रंगीली जी..आइए।' मिस रंगीली चौंक गईं। टेढ़े बॉस के मीठे बोल! दिलो-दिमाग में 'ये क्या हुआ, कैसे हुआ, कब हुआ..' का प्रश्न वाचक संगीत बजने लगा। 'मिस रंगीली' से 'रंगीली जी'! बॉस ने कक्ष में बिखरी खुशबू को सांसों में समेटा और बोले, 'हाय रंगीली.. हैप्पी होली।' फिर रुक गए। मिस रंगीली के हाथ से मोबाइल गिर गया। ऐसी धृष्टता? बॉस ने कनखियों से भांपा और लंबा पॉज लेकर बोले, 'हैप्पी ..सॉरी.. ऑफिस में होली सेलिब्रेशन का आदेश आया है। कल होली है। सो कार्यालयीन सभाकक्ष में सेलिब्रेशन सुनिश्चित करें। सेलिब्रेशन की रिपोर्ट भी कल ही भेजनी है।' मिस रंगीली ने मोबाइल उठाया और चंपत हो लीं।

दूसरे दिन कार्यालय का सभा कक्ष खुशबुओं से महक रहा था। दीवारों पर रक्ताभ दिलनुमा गुब्बारे झूल रहे थे। बॉस की कुर्सी के पीछे स्क्रीन पर रंगों की फुहार के साथ 'हैप्पी-होली' की लिखावट उछल रही थी। सभा कक्ष खचाखच भरा हुआ था। हमेशा लेट-लतीफ पहुंचने वाले अधिकारी भी समय पूर्व पहुंच गए थे। बेहद जरूरी बैठकों का बहिष्कार करने वाले अड़ियल टाइप के अधिकारी सजे-धजे सभा कक्ष में मौजूद थे। किसी को रंग लगने-लगाने की चिंता नहीं थी क्योंकि होली एआई के माध्यम से मोबाइल पर खेली जानी थी।

कार्यक्रम का संचालन कार्यालय के जबरिया कवि प्रेम रोगी जी कर रहे थे। शुरुआत मिस कंटीली द्वारा बॉस के मोबाइल पर लाल रंग के दिलनुमा गुब्बारे को भेजकर किया गया। जैसे ही डिजिटल गुब्बारा बॉस की मोबाइल स्क्रीन पर फूटा उनकी बत्तीसी बाहर गिरने को हो आई। बॉस ने सभी को कलर्ड अंगूठे की इमोजी प्रेषित की। प्रत्युत्तर में लोगों ने 'हाथ-जोड़े' और 'गुलाली-टीके' की इमोजी भेज दी। प्रेम रोगी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए बोले, 'मुख्यालय के निर्देशानुसार, किसी को दुःख पहुंचाए बिना आप एक-दूसरे को एआई के माध्यम से डिजिटल रंग डाल सकते हैं। प्रेम का संदेश जाना चाहिए बस। बहरहाल, मैं कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार से बता देना चाहता हूं।'

प्रेम रोगी जी ने 'रूपरेखा' और 'चाहता हूं' पर विशेष जोर दिया तो सभी की नजरें बैठक में उपस्थित खूबसूरत सहकर्मी 'रूपरेखा' की ओर घूम गईं। रूपरेखा ने उनको आड़े हाथों लिया। उन्होंने फट से एक डॉगी की इमोजी रोगी जी को भेज दी और गुस्से में पांव पटकते हुए सभाकक्ष से बाहर हो गईं। इसी दौरान एक चिढ़े हुए अधिकारी ने दूसरे अधिकारी की उड़ते नोटों के बीच रिश्वत से रंगे हाथों वाली तस्वीर एआई से बनाकर साझा कर दी। मामला इतना गर्मा गया कि बॉस को इसे अपने संज्ञान में लेना पड़ा।

सभा कक्ष में 'होली के रंग एआई के संग' का दौर चलता रहा। भले ही वहां एआई के माध्यम से बनावटी होली खेली जा रही थी पर टेबल के बीचों-बीच गरमा-गरम समोसे और लजीज गुझिए एकदम असली थे। सो खाने-पीने का दौर बाकायदा चलता रहा। हैप्पी होली! *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?

सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?

सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?

डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?

15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?

एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?

90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?

इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?

नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)

समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक | व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें

सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

खबर संक्षेप

डासना क्षेत्र में चला जीडीए का बुलडोजर

गाजियाबाद। जीडीए का बुलडोजर शनिवार को डासना में चला। जहां अवैध रूप से विकसित की जा रही कालोनी धवस्त कर दी गई। खसरा संख्या-1380, ग्राम कल्लू गढ़ी, रेलवे लाईन से 100 मीटर उत्तर तरफ गाजियाबाद पर सतीश, खसरा संख्या-1410, ग्राम डासना, गाजियाबाद पर यासीन एवं खसरा संख्या-1348 व 1386, ग्राम कल्लू गढ़ी, डासना लाईन से लगभग 200 मीटर उत्तर तरफ गाजियाबाद पर रविन्द्र चौधरी, निर्मित की जा रही कालोनियों में ध्वस्तीकरण कार्यवाही की गई।

ठगी के मामले में 3 आरोपी पकड़ाए

फरीदाबाद। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने टेलिग्राम के माध्यम से टास्क देकर ठगी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान खाताधारक नरवेल सिंह निवासी तलवारा झील, राजस्थान तथा खाता उपलब्ध करवाने वाले इश्विन्द्र सिंह निवासी और हरवंश सिंह निवासी तलवारा झील राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि एनआईटी-3 फरीदाबाद निवासी एक महिला ने साइबर थाना एनआईटी में शिकायत दी थी।

अवैध हथियार रखने वालों पर प्रहार, 2 गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच एवीटीएस-1 की टीम ने कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 देसी कट्टा बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि 27 फरवरी को क्राईम ब्रांच एवीटीएस-1 की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी तौफिक निवासी गांव रायपुर पुन्हाना जिला नूंह को देशी कट्टा सहित सेक्टर-58 एरिया से गिरफ्तार किया है वहीं आरोपी सुनील निवासी गांव रायपुर पुन्हाना जिला नूंह को कबाड मार्केट जीवन नगर एरिया से गिरफ्तार कर एक देसी कट्टा बरामद किया है।

कैंसर वॉरियर्स की दृढ़ता का जश्न मनाया

फोर्टिस मानेसर ने किया कैंसर सपोर्ट ग्रुप 'नई उड़ान' लॉन्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

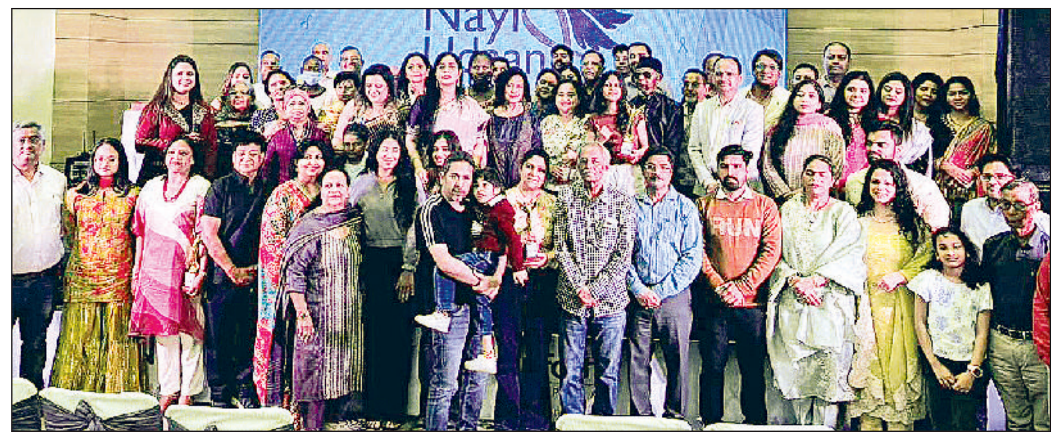

फोर्टिस हॉस्पीटल मानेसर ने दृढ़ता, उम्मीद और कैंसर से आगे जिंदगी का संदेश देते हुए आज एक समर्पित सपोर्ट ग्रुप 'नई उड़ान' लॉन्च किया, जो कैंसर जैसे महारोग को पटखनी दे चुके लोगों के प्रति श्रद्धांजलि है। इस मौके पर फोर्टिस कैंसर इंस्टीट्यूट की ओंकोलॉजी टीम की एक्सपर्ट केयर में अपना उपचार सफलतापूर्वक पूरा करा चुके 200 से अधिक कैंसर रोगी भी एकत्र हुए। इस अवसर पर स्टैंड-अप कॉमेडिशन प्रत्यूष चौबे ने कैंसर वॉरियर्स और उनके परिजनों को हंसाया, गुदगुदाया और यह संदेश दिया कि सकारात्मक सोच का उपचार पर अच्छा असर पड़ता है।

डॉ विनय गायकवाड़, डायरेक्टर सर्जिकल ओंकोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पीटल मानेसर ने कहा कि नई उड़ान की हमारे दिलों में बेहद खास जगह है। डॉक्टरों के स्तर पर, कैंसर का इलाज करना केवल एक पहलू होता है। असली खुशी हमें अपने मरीजों को अपना खोया आत्मविश्वास दोबारा पाने, खुशियों को दोबारा हासिल करने और जिंदगी में आगे बढ़ते देखकर होती है। यह पहल दरअसल, सरवाइवल और ताकत का जश्न मनाने के लिए है। डॉ ज्योति भट, सीनियर कंसल्टेंट, सर्जिकल ओंकोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पीटल मानेसर ने कहा कि कैंसर केवल शरीर की ही परीक्षा नहीं लेता, बल्कि हमारे मस्तिष्क और आत्मा तक को झिंझोड़ देता है। नयी उड़ान मरीजों के साहस और उनकी देखभाल करने वाले लोगों का जश्न मनाता है और इलाज की प्रक्रिया से गुजर रहे मरीजों को यह संदेश भी देता है कि इस चरण के बाद उनके लिए उम्मीद और रोशनी की किरण तथा एक खुशहाल जिंदगी इंतजार कर रही है। डॉ मानसी चौहान, सीनियर कंसल्टेंट ओंकोप्लास्टिक ब्रेस्ट सर्जन, फोर्टिस हॉस्पीटल मानेसर ने कहा कि नयी उड़ान के माध्यम से, हम अपने मरीजों को इस बात के लिए गर्व करने का अवसर देते हैं कि वे कैंसर के खिलाफ युद्ध में बहुत आगे तक आ गए हैं और अपने भविष्य को लेकर आश्वस्त हैं। यह आत्म-विश्वास, हीलिंग और नई शुरूआत का जश्न है। वहीं डॉ पूजा बब्बर, कंसल्टेंट एंड यूनिट हेड मेडिकल ओंकोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पीटल मानेसर ने कहा कि नई उड़ान ने एक ऐसी सहयोगी कम्युनिटी तैयार की है जहां सरवाइवर्स आपस में मिल-जुल सकते हैं। अपने अनुभवों को साझा करते हैं और इतना ही नहीं, एक-दूसरे को प्रेरित एवं प्रोत्साहित भी कर सकते हैं। अभिजीत सिंह, फेसिलिटी डायरेक्टर, फोर्टिस हॉस्पीटल मानेसर ने कहा, नई उड़ान शुरू करने के पीछे मुख्य विचार इलाज पूरा करने के बाद शुरू होने वाले सफर का जश्न मनाना है यह सफर उम्मीद, ताकत और जीवन में एक नए उद्देश्य से भरा होता है।

भाजपा का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि सेवा भाव से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना

7 मार्च से 14 अप्रैल तक भाजपा चलाएगी पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर संगठन और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भाजपा का प्रशिक्षण अभियान कार्यकर्ताओं को तराशने की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य बूथ स्तर से सशक्त, समर्पित और प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है। उन्होंने व्यक्ति निर्माण से संगठन निर्माण और संगठन निर्माण से राष्ट्र निर्माण को पार्टी की मूल भावना बताते हुए कहा कि भाजपा का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि सेवा भाव से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है।

रामपाल ने आगे कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के विकसित भारत, विकसित हरियाणा के संकल्प को और

अधिक सशक्त करेगा। भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने जिला कार्यालय अटल कमल पर आयोजित बैठक के दौरान मंडल अध्यक्षों के साथ मंडल स्तरीय प्रशिक्षण वर्गों की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद जिले के सभी 15 मंडलों में 7 मार्च से 14 अप्रैल तक प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे, जिनमें शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता भाग लेंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि प्रत्येक मंडल में प्रशिक्षण वर्ग 24 घंटे का होगा, जो विभिन्न सत्रों में संचालित किया जाएगा। इन सत्रों में राष्ट्रवाद, संगठनात्मक संरचना, कार्यपद्धति, विचारधारा एवं बूथ सशक्तिकरण जैसे अनेक विषयों पर प्रशिक्षक कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे। श्री रामपाल ने आगे कहा कि भाजपा एक वैचारिक संगठन है, जहां कार्यकर्ता किसी पद या व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ पार्टी की विचारधारा से जुड़ा होता है। भाजपा में प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से कार्यकर्ताओं को निरंतर निखारने और समयानुकूल अपडेट रखने का कार्य किया जाता है। इस अवसर पर चौधरी प्रवीण गर्ग, शोभित अरोड़ा, अमित आहूजा, कर्मबीर बैंसला, शेखर तंवर, मुकेश झा, सुधीर मेहता, राजेश चौधरी, हरीश बैंसला, गौरव , शिव तृप्ति माला, शुभंकित , मनप्रीत, नंद , कृष्ण पहलवान, महेश कुमार सहित मंडल प्रशिक्षण टोली के सदस्य एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस ने यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया

होली व फाग पर्व के दृष्टिगत सोहना टी-पॉइंट पर फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस का विशेष जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

होली व फाग के पावन पर्व के दृष्टिगत 2 से 4 मार्च 2026 तक शहर में सुरक्षित एवं सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा विशेष जागरूकता एवं यातायात प्रबंधन अभियान चलाया जा रहा है। जागरूकता कार्यक्रम बल्लभगढ़ स्थित सोहना टी-पॉइंट पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा ऑटो चालकों, दोपहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों तथा आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। होली के उत्सव के दौरान लापरवाही से वाहन चलाना गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए उपस्थित वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन न चलाने, दोपहिया वाहन पर ट्रिपल राइडिंग न करने, वाहनों पर अवैध ब्लैक फिल्म का प्रयोग न करने तथा तेज व खतरनाक ड्राइविंग से बचने के लिए प्रेरित किया गया। हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य प्रयोग तथा यातायात नियमों के पालन के महत्व को विस्तार से समझाया गया। फरीदाबाद पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि होली व फाग पर्व के दौरान ड्रंकन ड्राइविंग, ट्रिपल राइडिंग, ब्लैक फिल्म तथा अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध विशेष चालान अभियान चलाया जाएगा।

पारदर्शी प्रक्रिया के तहत तुरंत मिलेगा टीकाकरण प्रमाणपत्रः डॉ जयंत आहूज

बेटियों का समय पर टीकाकरण कर सुरक्षित करें उनका भविष्यः विधायक सतीश फागना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

जिला फरीदाबाद में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी(ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण का 90 दिवसीय विशेष अभियान आज बीके सिविल अस्पताल में प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम में एनआईटी फरीदाबाद विधायक सतीश फागना ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

उनके साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ जयंत आहूजा और टीकाकरण अधिकारी डॉ रचना भी मौजूद रही। विधायक सतीश फागना ने कहा कि भारत सरकार के

नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय पहल का उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम करना है, जो एचपीवी संक्रमण के कारण विकसित हो सकती है। समय रहते लगाया गया यह टीका भविष्य में कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम करने में सहायक सिद्ध होता है। यह अभियान विशेष रूप से किशोरियों के स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया है। निर्धारित आयु वर्ग की बालिकाओं को निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराई जा रही है, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भी इसका पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने इसे रोकथाम आधारित स्वास्थ्य मॉडल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि बीमारी का इलाज करने से बेहतर है उसे पहले ही रोक लिया जाए।

---

31 मार्च तक बचे लाभार्थियों के कार्ड बनाए जाएं

योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही, बरतने वालों पर होगी कार्यवाहीः जिलाधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक संपन्न हुई।

जिसमें स्वास्थ्य विभाग से सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों एवं शिक्षा विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, पंचायती राज विभाग आदि के द्वारा प्रतिभाग किया गया। एवं साथ ही आयुष्मान भारत कार्यक्रम में जनपद में बनाए गए आयुष्मान कार्ड की भी समीक्षा की गई । जिसमे शेष समस्त लाभार्थी जिनका आयुष्मान

कार्ड अब तक नहीं बना है राशन डीलर से समन्वय करते हुए 31 मार्च तक शेष समस्त लाभार्थियों का कार्ड बनाने हेतु आदेशित किया गया। जिन राशन डीलर के द्वारा कार्य में सहयोग नहीं किया जायेगा उनपर भी कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। इसके साथ की कार्य की प्रगति हेतु जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी की मॉनिटरींग में प्रत्येक दिन अपराहन 4 बजे गूगल मीट के द्वारा सम्बंधित विभागों की दैनिक प्रगति की समीक्षा की जाएगी। सर्वप्रथम सभी चिकित्सालयों को ओपीडी बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया एवं जिन भी विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी की सर्जरी न्यूनतम है, उन्हें नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए। जनपद के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की प्रतिमाह न्यूनतम दो बार जनपद स्तरीय अधिकारियों के द्वारा औचक निरीक्षण किया जायेगा। उक्त निरीक्षण में अनुपस्थित कर्मियों पर कड़ी कारवाई की जाएगी।

मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर 5 लाख रुपए की ठगी

फरीदाबाद। शेयर मार्केट में पैसे निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर 5 लाख 20 हजार रुपए की ठगी के एक मामले में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने आरोपी विजय बरमन व प्रसनजीत मोदक निवासी जिला जयपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। सेक्टर 15ए निवासी एक महिला ने थाना साइबर सेंट्रल में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसके व्हॉट्सएप पर एक अंजान नंबर से कॉल आया जिसने शेयर मार्केट में पैसे निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया। शिकायतकर्ता ने विभिन्न ट्रांजेक्सन के जरिए ठगों द्वारा बताए खाता में कुल 5,20,000 रुपए निवेश के लिए भेज दिए थे।

पटाखा बनाने का समान बरामद किया

लोनी में अवैध आतिश बनाने वाले दो गिरफ्तार, 42 किलो विस्फोटक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

लोनी पुलिस ने शनिवार को अवैध पटाखा बनाए की फैक्टरी पकड़ी का पर्दाफाश किया है। दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया गया है। उनके कब कब्जे से 42 किलो विस्फोटक, 04 मशीन पटाखे बनाने वाली, 40 किलो फेवीकोल व 26 कट्टे प्लास्टिक के कट्टों में मिश्रित अवैध पटाखे बनाने का समान बरामद हुए हैं । पुलिस ने बताया कि थाना लोनी पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना के

आधार पर अवैध मिश्रित आतिशबाजी पटाखे के बनाने वाले 02 अभियुक्तों शाहनवाज निवासी राशिद अली गली लोनी थाना लोनी व अनीस निवासी 10 फुटा गली शौकीन मलिक चौक अशोक विहार लोनी को गिरफ्तार किया गया।

नई पीढ़ी के साथ गहरा जुड़ाव स्थापित किया

पुरुष परिधान ब्रांड द बेयर हाउस ने अपना प्रमुख स्टोर खोला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

राजधानी के विकसित होते फैशन परिदृश्य में द बेयर हाउस अग्रिम पंक्ति में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए सबसे गतिशील इलाकों में से एक में उन्नत, डिज़ाइन-प्रधान पुरुष परिधान लेकर आया है।

पुरुष परिधान ब्रांड द बेयर हाउस ने जनकपुरी में अपने प्रमुख स्टोर के उद्घाटन के साथ एक साहसिक नया मानदंड स्थापित किया है। द बेयर हाउस के सह-संस्थापक हर्ष और तन्वी सोमैया ने कहा कि दिल्ली हमेशा से साहसिक और आत्मविश्वासपूर्ण परिधान शैली को अपनाने वाला शहर रहा है। जनकपुरी उस भावना को पूरी तरह दर्शाता है। द बेयर हाउस का सिग्नेचर अनुभव लेकर आने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जिससे हमारे समुदाय को खोजने, प्रयोग करने और उन्नत पुरुष परिधानों को अपनाने के लिए और अधिक स्थान मिल सके।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

होली विशेष रेलगाड़ियाँ–2026 की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी होली त्यौहार के दौरान पहले से ही घोषित अनेक होली विशेष रेलगाड़ियों के अलावा रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

02877/02878 राँची जं. – आनन्द विहार (ट.) – राँची जं. होली स्पेशल रेलगाड़ी — 03 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02877		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 02878	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	16:25	राँची जं.	19:10	--
18:00	--	आनन्द विहार (ट.)	--	19:30

चलने के दिन: **02877 राँची जं.** से (शनिवार) दिनांक 07.03.2026 को एवं **02878 आनन्द विहार (ट.)** से (प्रत्येक रविवार) दिनांक 01.03.2026 एवं 08.03.2026 को।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: मेसरा, बरकाकाना, खलारी, टोरी जं., लातेहार, डाल्टनगंज, गढ़वा रोड जंक्शन, नगर उंटारी, रेनुकूट, चोपन, सोनभद्र, चुनार, मिर्जापुर, सुबेदारगंज, गोविंदपुरी, टूण्डला जंक्शन एवं गाजियाबाद स्टेशन।

04654/04653 अमृतसर जं. – न्यू जलपाईगुड़ी – अमृतसर जं. सुपरफास्ट स्पेशल रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04654		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04653	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:35	अमृतसर जं.	16:20	--
17:45	--	न्यू जलपाईगुड़ी	--	06:45

चलने के दिन: **04654 अमृतसर जं.** से (प्रत्येक बुधवार) दिनांक 04.03.2026 से 25.03.2026 तक एवं **04653 न्यू जलपाईगुड़ी जं.** से (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 06.03.2026 से 27.03.2026 तक।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: सहारनपुर जंक्शन, मुरादाबाद, सीतापुर जंक्शन, गोरखपुर जंक्शन, छपरा, मुज़फ्फरपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन, कटिहार जंक्शन एवं किशनगंज स्टेशन।

04823/04824 जोधपुर जं. – मऊ जं. – जोधपुर जं. स्पेशल रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04823		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04824	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	17:00	जोधपुर जं.	08:40	--
13:25	13:35	लखनऊ जं.	11:35	11:45
23:20	--	मऊ जं.	--	04:00

चलने के दिन: **04823 जोधपुर जं.** से (प्रत्येक रविवार) दिनांक 01.03.2026 से 29.03.2026 तक एवं **04824 मऊ जं.** से (प्रत्येक रविवार) दिनांक 03.03.2026 से 31.03.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: पीपाड़ रोड जं., गोतन, मेड़ता रोड जं., रेन, डिगाना जं., मकराना जं., कुचामन सिटी, नावा सिटी, फुलेरा जं., जयपुर जं., बांदीकुई जं., मंडावर एम. रोड, खेड़ली, नदबई, भरतपुर जं., मथुरा जं., हाथरस सिटी, कासगंज जं., फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ जं., अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., शाहगंज जं., खोरासन रोड, आजमगढ़ एवं मुहम्मदाबाद स्टेशन।

05101/05102 गोरखपुर जं. – नई दिल्ली – गोरखपुर जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05101		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 05102	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	18:00	गोरखपुर जं.	23:45	--
07:30	--	नई दिल्ली	--	09:45

चलने के दिन: **05101 गोरखपुर जं.** से (प्रत्येक मंगलवार, गुरूवार, शनिवार) दिनांक 05.03.2026 से 14.03.2026 तक एवं **05102 नई दिल्ली जं.** से (प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार, रविवार) दिनांक 06.03.2026 से 15.03.2026 तक।
स्थान: शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा जंक्शन, बुढ़वल जंक्शन, सीतापुर जंक्शन, शाहजहाँपुर, बरेली, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद स्टेशन।

04684/04683 अमृतसर जं. – अयोध्या धाम जं. – अमृतसर जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04684		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04683	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	14:30	अमृतसर जं.	16:30	--
10:35	--	अयोध्या धाम जं.	--	17:30

चलने के दिन: **04684 अमृतसर जं.** से (गुरूवार) दिनांक 05.03.2026 को एवं **04683 अयोध्या धाम जं.** से (शनिवार) दिनांक 07.03.2026 को।
स्थान: शयनयान।
ठहराव: जलंधर सिटी जं., लुधियाना जंक्शन, धूरी जंक्शन, पटियाला, अंबाला छावनी जंक्शन, सहारनपुर जंक्शन, मुरादाबाद जंक्शन एवं लखनऊ स्टेशन।

09019/09020 बांद्रा टर्मिनस – गोरखपुर जं. – बांद्रा टर्मिनस अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09019		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 09020	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:35	बांद्रा टर्मिनस	09:45	--
14:48	14:53	लखनऊ जं.	05:10	05:15
20:40	--	गोरखपुर जं.	--	23:35

चलने के दिन: **09019 बांद्रा टर्मिनस** से (रविवार) दिनांक 01.03.2026 को एवं **09020 गोरखपुर जं.** से (सोमवार) दिनांक 02.03.2026 को।
स्थान: सामान्य।
ठहराव: बोरीवली, पालघर, दहानू रोड, वापी, वलसाड, नवसारी, उधना जंक्शन, सूरत, सायन, भरूच जंक्शन, वडोदरा जंक्शन, गोधरा जंक्शन, दाहोद, रतलाम जंक्शन, नागदा जंक्शन, उज्जैन जंक्शन, मकसी जंक्शन, शुजालपुर, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, बीना जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन, मानिकपुर जंक्शन, बस्ती एवं खलीलाबाद स्टेशन।

09713/09714 फुलेरा जं. – दिल्ली सराय रोहिल्ला – फुलेरा जं. अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09713		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 09714	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	11:40	फुलेरा जं.	02:30	--
18:05	--	दिल्ली सराय रोहिल्ला	--	19:10

चलने के दिन: **09713 फुलेरा जं. एवं 09714 दिल्ली सराय रोहिल्ला** से (सोमवार एवं बुधवार) दिनांक 02.03.2026 से 04.03.2026 तक।
स्थान: सामान्य।
ठहराव: रेनवाल, रिंगस जंक्शन, श्री माधोपुर, कानवत, नीम का थाना, मावंडा, डाबला, नारनौल, अटेली, कुंड, रेवाड़ी जंक्शन, पटौदी रोड, गुरुग्राम एवं दिल्ली कैंट स्टेशन।

05089/05090 छपरा जं. – आनन्द विहार (ट.) – छपरा जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05089		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 05090	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	20:00	छपरा जं.	15:30	--
18:10	--	आनन्द विहार (ट.)	--	19:40

चलने के दिन: **05089 छपरा जं.** से (प्रत्येक गुरूवार एवं शनिवार) दिनांक 05.03.2026 से 14.03.2026 तक एवं **05090 आनन्द विहार (ट.)** से (प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार) दिनांक 06.03.2026 से 15.03.2026 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: मशरख जंक्शन, दिघवा दुबौली, थावे, पडरौना, रुड़की, कप्तानगंज, गोरखपुर जंक्शन, खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बुढ़वल, सीतापुर, शाहजहाँपुर, बरेली जंक्शन, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद जंक्शन।

05071/05072 छपरा जं. – आनन्द विहार (ट.) – छपरा जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05071		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 05072	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15:00	छपरा जं.	08:15	--
10:20	--	आनन्द विहार (ट.)	--	11:30

चलने के दिन: **05071 छपरा जं.** से (प्रत्येक सोमवार) दिनांक 02.03.2026 से 16.03.2026 तक एवं **05072 आनन्द विहार (ट.)** से (प्रत्येक मंगलवार) दिनांक 03.03.2026 से 17.03.2026 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: मशरख जंक्शन, दिघवा दुबौली, थावे, पडरौना, रुड़की, कप्तानगंज, गोरखपुर जंक्शन, खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बुढ़वल, सीतापुर, शाहजहाँपुर, बरेली जंक्शन, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद जंक्शन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सन् 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान संगठन के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य सबसे गंभीर और खतरनाक सैन्य संघर्ष प्रारंभ हो गया है। नौबत यहां तक आ पहुंची है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ऐलान किया है कि अफगान तालिबान के खिलाफ सैन्य युद्ध जारी रखा जाएगा। वहीं, इस युद्ध में दोनों ओर से सैकड़ों लोगों के मारे जाने की भी खबरें हैं। इस विवाद की मुख्य जड़ पाकिस्तान और अफगानिस्तान को विभाजित करने वाली तकरीबन दो हजार किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन को माना जा रहा है। इसके अलावा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी की पाकिस्तान में बढ़ती गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं, जिसके अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान से गहरे संबंध हैं। पाकिस्तान कई वर्षों से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से प्रतिबंधित टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। तालिबानी नेताओं के भारत के प्रति नरम रुख से भी पाकिस्तान नाखुश है। इसको लेकर दोनों पक्षों में तनाव एक बार फिर बेहद बढ़ गया है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है। कुल मिलाकर दक्षिण एशिया की शांति के लिए पाक-अफगानिस्तान संघर्ष का बढ़ना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

क्या युद्ध का आगाज है पाक वर्सेज अफगान

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय
विदेशी मामलों के जानकार

सन् 2021 में अफगानिस्तान में फिर से तालिबान तंजीम के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य सबसे गंभीर और खतरनाक सैन्य संघर्ष प्रारंभ हो गया है। दोनों मुल्कों के मध्य परस्पर ताल्लुकात के निरंतर बिगड़ते चले जाने की पृष्ठभूमि में सबसे बड़ी वजह रही है कि पाकिस्तान हुकूमत द्वारा तालिबान हुकूमत पर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मिलिटेंट्स को पनाह प्रदान करने, उनको संरक्षण और सैन्य इमदाद फराहम करने का संगीन इल्जाम आयद करता रहा है। उल्लेखनीय है कि टीटीपी द्वारा पाकिस्तान के अनेक सैन्य और नागरिक इलाकों पर घातक आक्रमण अंजाम दिए जाते रहे हैं। इतिहास की तल्ख विडंबना देखिए कि हुकूमत ए पाकिस्तान की फौज द्वारा ही अफगान तालिबान तंजीम को अफगानिस्तान की राजसत्ता पर 1996 में आसीन कराया गया था। विगत अनेक दशकों के दौरान हुकूमत ए पाकिस्तान अफ़गान तालिबान को प्रबल समर्थन प्रदान करना अपने राष्ट्रीय हित का मामला मानती रही।

दोनों मुल्कों के मध्य परस्पर ताल्लुकात के निरंतर बिगड़ते चले जाने की पृष्ठभूमि में सबसे बड़ी वजह रही है कि पाकिस्तान हुकूमत द्वारा तालिबान हुकूमत पर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मिलिटेंट्स को पनाह प्रदान करने, उनको संरक्षण और सैन्य इमदाद फराहम करने का संगीन इल्जाम आयद करता रहा है। इतिहास की तल्ख विडंबना देखिए कि हुकूमत ए पाकिस्तान की फौज द्वारा ही अफगान तालिबान तंजीम को अफगानिस्तान की राजसत्ता पर 1996 में आसीन कराया गया था।

सैन्य युद्ध जारी रखने का ऐलान

अब तो नौबत यहां तक आ पहुंची है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ऐलान किया है कि अफगान तालिबान के खिलाफ सैन्य युद्ध जारी रखा जाएगा। आसिफ ने इल्जाम आयद किया है कि अफगानिस्तान की सरजमीं से पाकिस्तान के खिलाफ आक्रमणकारी साजिशें परवान चढ़ती रही हैं और पाकिस्तान पर घातक आक्रमण अंजाम दिए जाते रहे हैं। तालिबान हुकूमत के सैन्य प्रवक्ता ने फरमाया है कि जब कभी हम पर पाकिस्तान द्वारा सैन्य हमला अंजाम दिया जाएगा तो फिर हम समुचित सैन्य प्रतिउत्तर प्रदान करेंगे, लेकिन हम कभी पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष प्रारंभ नहीं करेंगे। यक्ष प्रश्न है कि यदि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य एक लंबी और फुल स्केल जंग शुरू हो जाती है तो फिर इसका क्या परिणाम मुमकिन हो सकता है। यह संभव है कि अफगान विरुद्ध

पाक जंग के परिणाम स्वरूप गंभीर क्षेत्रीय अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। भारत के लिए अफगान विरुद्ध पाक जंग का एक सकारात्मक परिणाम भी हो सकता है कि पाक हुकूमत भारत की ओर से अपना रुख मोड़ लेने पर मजबूर हो सकती है।

कूटनीतिक बातचीत शुरू

अनेक विवेचकों का विचार है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य किसी बड़े युद्ध की संभावना फिलहाल नहीं प्रतीत हो रही है। विगत अनेक वर्षों से जब से तालिबान अफगानिस्तान में सत्तानशीन हुए हैं, तभी से यह सिलसिला निरंतर चलता रहा है कि पाकिस्तान फौज अफगानिस्तान पर हमला अंजाम देती है और फिर तालिबान जवाबी कार्रवाई करते हैं, सीमा पर तनाव उत्पन्न होता है और कूटनीतिक बातचीत शुरू हो जाती है। अफगानिस्तान के हालात को देखते हुए यह मुमकिन नहीं है कि तालिबान हुकूमत वस्तुतः पाकिस्तान के विरुद्ध किसी बड़ी जंग का आगाज करेगी, क्योंकि इसके लिए सैन्य क्षमताओं, हवाई संसाधनों, सप्लाई चैन और प्रशिक्षित सैनिकों की बड़ी दरकार होती है। अफगान तालिबान यकीनन पाकिस्तान फौज के प्रत्येक आक्रमण का समुचित उत्तर अवश्य ही देंगे, क्योंकि यह उनकी संप्रभुता और राष्ट्रीय आत्म सम्मान का बुनियादी प्रश्न है। वस्तुतः कूटनीतिक तौर पर हुकूमत ए पाकिस्तान द्वारा तालिबान हुकूमत को टीटीपी के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई अंजाम देने के लिए बातचीत के तमाम तरीके अख्तियार किए जा चुके हैं।

डूरंड लाइन स्वीकार नहीं

अभी तक तालिबान हुकूमत टीटीपी के विरुद्ध कोई भी निर्णायक कार्रवाई के लिए कदाचित तैयार नहीं हुई है। इसके पीछे एक विशिष्ट कारण रहा है कि तालिबान हुकूमत सोचती है कि अगर टीटीपी विरुद्ध फैसलाकुन कार्रवाई की जाएगी तो फिर टीटीपी के लड़ाके अंतरराष्ट्रीय दहशतगर्द तंजीम इस्लामिक स्टेट की तरफ जा सकते हैं, जो कि तालिबान की सबसे बड़ी दुश्मन तंजीम है। टीटीपी वस्तुतः एक खुदमुख्तार और आजाद पख्तूनिस्तान के लिए विगत अनेक विगत दशकों से पाक हुकूमत के विरुद्ध संघर्षरत रही है। अफ़गान वस्तुतः पाकिस्तान और अफगानिस्तान को विभाजित करने वाली तकरीबन दो हजार किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन को कदाचित स्वीकार नहीं करते हैं। डूरंड लाइन को अफ़गानों को विभाजित और कमजोर करने वाली ब्रिटिश साम्राज्यवादी साजिश की कुटिल कूटनीतिक लाइन करार देते रहे हैं। डूरंड लाइन के दोनों तरफ पख्तूनों की बड़ी आबादी विद्यमान है। पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्र के सरहदी इलाकों में बसे हुए पख्तूनों और बलोचों द्वारा पाकिस्तान से मुकम्मल आजादी हासिल करने के लिए एक दीर्घकालीन गोरिल्ला युद्ध निरंतर जारी रहा है। इसी इलाके में टीटीपी का भी उदय हुआ था, जो कि तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान से प्रबल तौर पर प्रेरित रही है और गहन तौर से संबंधित भी रही है। अफगानिस्तान में सत्तानशीं तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान पख्तूनों के प्रभुत्व वाली तंजीम है। यही कारण है कि अफगानिस्तान हुकूमत आजकल पाकिस्तान के लिए भयंकर सरदर्द बनी हुई है। विगत वर्ष अक्टूबर महीने में जब अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर खान मुक्तकी भारत यात्रा पर पधारे थे, उस वक्त भी अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य एक सैन्य संघर्ष हुआ था। अक्टूबर के सैन्य संघर्ष में भी एक-दूसरे को काफी नुकसान पहुंचाने की बात कही गई थी। पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में अफगान शरणार्थियों को वापस भेज दिया था।

भारत के लिए अफगान अहम

अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत से पहले भारत और अफगानिस्तान के मध्य अत्यधिक प्रगाढ़ संबंध रहे। दरअसल कूटनीतिक और रणनीतिक तौर से भी भारत के लिए अफगानिस्तान सदैव से महत्वपूर्ण मुल्क रहा है। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध 1947 से ही निरंतर तनावपूर्ण बने रहे हैं। 2021 से जब से अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत कायम हुई है, तभी से पाकिस्तान को संतुलित करने के लिए भारत तालिबान हुकूमत से कूटनीतिक बातचीत को सकारात्मक तरीके से निरंतर आगे बढ़ाता रहा है। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान की छापामार दहशतगर्दो की कार्यवाहियां दरअसल पाकिस्तान के आंतरिक व्यवस्था की कमजोरी को दुनिया के सामने पेश करती है। इनका बेबोनी आज इल्जाम पाकिस्तान का गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय भारत सरकार पर आयद करता रहा है।

अफगानी तालिबान की शह पर चल रहा टीटीपी

तनाव

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी मौजूदा सैन्य संघर्ष की वजह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी की पाकिस्तान में बढ़ती गतिविधियां हैं, जिसके अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान से गहरे संबंध हैं। अफगानी तालिबान ने पाकिस्तान पर भी अफगानी तर्ज पर इस्लामी शासन स्थापित करने का सपना देखा है। इस सपने को हाल ही में तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी ने देखा और उसकी घोषणा भी की है, जिसे अफगानी तालिबान का गहरा समर्थन है। मौजूदा अफगान-पाक संघर्ष की बड़ी वजह यही है। पाकिस्तान का आरोप है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान उसके यहां आतंकी कार्रवाइयों को अंजाम देता है। इसी आरोप में पाकिस्तान ने 21 से 26 फरवरी के बीच अफगानिस्तान के काबुल, कंधार, पक्तिका और खोस्त जैसे प्रमुख शहरों में हवाई हमले किए। हालांकि तब पाकिस्तान का दावा था कि उसने टीटीपी के ठिकानों को निशाना बनाया है, जबकि अफगानी तालिबान का कहना है कि पाकिस्तान ने उसकी संप्रभुता का उल्लंघन किया है। इसके बाद अफगानी तालिबान की ओर से भी पाकिस्तानी इलाकों को निशाना बनाया जा रहा है। अफगानी तालिबान का दावा है कि उसने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को भी निशाना बनाया है। जहां तक टीटीपी और अफगानी तालिबान के रिश्ते की बात है तो दोनों समूह एक ही विचारधारा और कट्टरपंथी इस्लामी कानूनों का न सिर्फ पालन करते हैं, बल्कि अपने प्रभाव वाले इलाकों में उसे ही लागू करते हैं। टीटीपी के लड़ाके संगठन में शामिल होने के बाद अफगानी तालिबान के सर्वोच्च नेता के ही प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान में करीब साढ़े छह हजार टीटीपी के लड़ाके हैं। हालांकि एक अन्य अनुमान के मुताबिक, इन दिनों टीटीपी के पास करीब पैंतीस हजार लड़ाके हैं। टीटीपी ने अपने नए सांगठनिक ढांचे का भी ऐलान किया है। इस घोषणा का उद्देश्य खुद को विद्रोही समूह से बदलकर 'समानांतर सरकार' के रूप में स्थापित करना है। टीटीपी ने इसके तहत पाकिस्तान को उत्तरी, मध्य, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में बांटा है, जिन्हें वह 'वियालत' यानी छाया प्रांत कह रहा है। शासन व्यवस्था के लिए टीटीपी ने खुफिया विंग, आर्थिक निदेशालय, मीडिया इकाई और न्यायिक प्रणाली का भी ऐलान किया है। पहले टीटीपी की गतिविधियां सिर्फ अफगानी सीमा से सटे पाकिस्तान के कुछ इलाकों में ही थीं, लेकिन अब उसने अपनी गतिविधियां खैबर पख्तूनख्वा के साथ-साथ बलूचिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर तक में बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के कुछ जानकारों का मानना है कि वह बलूच लड़ाकों को भी समर्थन दे रहा है। टीटीपी धीरे-धीरे लगातार ताकतवर बनता जा रहा है। उसके पीछे माना जा रहा है कि अफगानी तालिबान का प्रत्यक्ष सहयोग है। इसके पास आधुनिक अमेरिकी असॉल्ट राइफलें और मशीन गन हैं। माना जा रहा है कि ये हथियार वे हैं, जिन्हें अमेरिकी सेना भागते हुए अफगानिस्तान में छोड़ गई थीं। टीटीपी का दावा है कि उसने ड्रोन हमलों की क्षमता भी विकसित कर ली है। अपने अंदरूनी इलाके में टीटीपी की बढ़ती भूमिका और शासन के उसके सपने के ऐलान से पाकिस्तान उससे चिढ़ा हुआ है। हाल के दिनों में पाकिस्तान में आत्मघाती हमले भी बढ़े हैं। यहां के बन्नू और बाजौर इलाकों में ये ज्यादा हुआ है। टीटीपी ने ही दावा किया है कि साल 2025 में उसने पाकिस्तान में 3,573 आतंकी हमलों को अंजाम दिया, जिसमें करीब 3,481 सुरक्षाकर्मी मारे गए। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच विवाद की वजह डूरंड रेखा भी है, जिसे अफगानी तालिबान नहीं मानता। पाकिस्तान इन वजहों से टीटीपी को अपनी आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी को अफगानिस्तान ना सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह और वैचारिक समर्थन मुहैया करा रहा है, बल्कि आर्थिक मदद भी दे रहा है। यह सच है कि पाकिस्तानी सेना के मुकाबले टीटीपी सीधे युद्ध के मामले में कमजोर है, लेकिन गुरिल्ला रणनीति, स्थानीय भूगोल की समझ और बढ़ते अत्याधुनिक हथियारों के प्रयोग ने इसे बेहद घातक संगठन बना दिया है। बहरहाल तालिबान से जूझ रहे पाकिस्तान को देखकर इतना जरूर कहा जा सकता है कि सांप को पालना आखिरकार पालने वाले के लिए ही खतरनाक होता है। सवाल है कि क्या इससे वैश्विक राजनीति कुछ सबक लेगी?

जहां तक टीटीपी और अफगानी तालिबान के रिश्ते की बात है तो दोनों समूह एक ही विचारधारा और कट्टरपंथी इस्लामी कानूनों का न सिर्फ पालन करते हैं, बल्कि अपने प्रभाव वाले इलाकों में उसे ही लागू करते हैं। टीटीपी के लड़ाके संगठन में शामिल होने के बाद अफगानी तालिबान के सर्वोच्च नेता के ही प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं।

काबुल में भारत का बढ़ रहा प्रभाव

रणनीति

रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

अगस्त 2021 में जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया था, तब पाकिस्तान में जश्न का माहौल था। इस्लामाबाद को लगा था कि उसने अफगानिस्तान में अपनी पसंद की सरकार बनवाकर 'मास्टर स्ट्रोक' खेल दिया है। हालांकि, 2026 तक आते-आते तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। आज दोनों देशों की सेनाएं डूरंड लाइन पर एक-दूसरे पर गोले बरसा रही हैं और हालात युद्ध जैसे हो गए हैं। आखिर ऐसा क्या हुआ कि पाकिस्तान का 'रणनीतिक दोस्त' उसके लिए 'एक बुरा ख्वाब' बन गया? दरअसल, सबसे बड़ा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के आतंकी अफगान जमीन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और उन्हें तालिबान का संरक्षण प्राप्त है। जिस आतंकी इकोसिस्टम को पाकिस्तान ने दशकों तक पाला-पोसा, वही अब उसके सुरक्षा बलों पर भारी पड़ रहा है। बता दें, तालिबान को खड़ा करने में पाकिस्तान की बड़ी भूमिका रही है। सोवियत-अफगान युद्ध के समय से लेकर अमेरिका के खिलाफ लड़ाई तक, पाकिस्तान ने तालिबान को रणनीतिक संपत्ति की तरह इस्तेमाल किया। 2021 में जब अमेरिका की वापसी के बाद तालिबान सत्ता में लौटा, तो पाकिस्तान में जश्न का माहौल था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि उसे 'रणनीतिक गहराई' मिलेगी, यानी भारत के खिलाफ एक मजबूत सहयोगी, लेकिन तालिबान ने सत्ता में आने के बाद खुद को पूरी तरह इस्लामाबाद के इशारों पर चलने वाला नहीं दिखाया। उसने अपनी स्वतंत्र नीति अपनाई और भारत जैसे देशों से संपर्क भी बनाए रखा। यही बात पाकिस्तान की सैन्य एस्टेब्लिशमेंट को खल गई। पाकिस्तान को अंदाजा ही नहीं था कि जिसे उसने पाला-पोसा, वही आगे चलकर आंख में आंख डालकर खड़ा हो जाएगा। यह इस्लामाबाद के लिए एक रणनीतिक झटका था। भारत के लिए तालिबान से संवाद कोई वैचारिक विचलन नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक आवश्यकता है। बीते दो दशकों में भारत ने अफगानिस्तान में तीन अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है- सड़कों, अस्पतालों, संसद भवन और शिक्षा में, लेकिन 2021 के बाद अफगानिस्तान फिर आतंकवादी ठिकानों और क्षेत्रीय अस्थिरता का केंद्र बनने का खतरा बना। पाकिस्तान और चीन के बढ़ते प्रभाव ने भारत को यह सोचने पर मजबूर किया कि दूरी बनाकर रखना स्वयं के हितों को नुकसान पहुंचाना होगा। दरअसल कूटनीतिक लिहाज से भारत के लिए अफ़ग़ानिस्तान हमेशा से काफ़ी महत्वपूर्ण रहा है और ख़ासकर पाकिस्तान से भारत के संबंध लगातार तनावपूर्ण रहे हैं, जिससे भारत के लिए अफ़ग़ानिस्तान का महत्व बढ़ जाता है। हालांकि अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान के शासन को क़रीब पांच साल का समय हो गया है और भारत की कोशिश रही है कि पाकिस्तान को साधने के लिए वह तालिबान शासन से बातचीत को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ता रहे।

अगर तालिबान शासन और पाकिस्तान के बीच संघर्ष लंबा चला तो इससे अफ़ग़ानिस्तान कई टुकड़ों में बंट सकता है। ऐसा होना भारत के लिए अच्छा नहीं होगा, क्योंकि कई ग्रुप्स खड़े होने से उनमें से कुछ भारत के ख़िलाफ़ भी हो सकते हैं और क्षेत्रीय स्तर पर यह भारत के लिए ठीक नहीं है। इससे पूरे क्षेत्र में भी अस्थिरता आ सकती है। तालिबान के लिए भी भारत से संवाद जरूरी है- क्योंकि पाकिस्तान के साथ उसके रिश्ते अब उतने सहज नहीं रहे और चीन का आर्थिक प्रभाव भी सीमित है। वहीं भारत सुरक्षा और स्थिरता चाहता है और तालिबान वैधता और सहयोग की तलाश में है। खैर, पाकिस्तान ने तालिबान पर भारत की गोद में बैठने का आरोप लगाया है। भारत और अफगानिस्तान के संबंध पाकिस्तान की आंखों को हमेशा से चुभते रहे हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान हमेशा से ही अपने इलाके में होने वाली किसी भी अप्रिय गतिविधि के लिए भारत और तालिबान को जिम्मेदार ठहराता रहा है। जबकि भारत हमेशा अफगानिस्तान के नागरिकों के लिए मदद का हाथ बढ़ाता रहा है। जब अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था, तो भारत ने सबसे पहले मदद भेजी थी। तालिबान ने मानवीय मदद, बुनियादी ढांचे और कूटनीति के लिए नई दिल्ली के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना शुरू कर दिया है। भारत के साथ अच्छे संबंध विकसित करके, तालिबान शासन क्षेत्रीय विरोधियों को यह भी दिखाना चाहता है कि उसके पास विकल्प मौजूद हैं। जैसे-जैसे अफगानिस्तान अपनी साझेदारियां बढ़ा रहा है, पाकिस्तान का उस पर दबाव कम होता जा रहा है।

भारत के लिए तालिबान से संवाद कोई वैचारिक विचलन नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक आवश्यकता है। बीते दो दशकों में भारत ने अफगान में तीन अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान युद्ध में भारत की सतर्कता जरूरी

सुरक्षा

डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ पत्रकार

आज आज हक्कानी का देश है अफगानिस्तान, कभी इसके कन्धार (तब गांधार) क्षेत्र में महाभारत-कालीन शकुनि का शासन था और कौरव-माता गांधारी यहीं की राजकुमारी थी। महाराजा रणजीत सिंह के साम्राज्य का भी एक अंग था, काबुल कंधार तक हरिसिंह नलवा की वीरता के किस्से भी फैले हुए थे। वैसे इसे महाराजा दिलीप सिंह की सल्तनत भी माना जाता था। हमारे बड़े-बुजुर्ग बताते हैं कि गांधारी ने शकुनि को श्राप दिया था कि तेरे साम्राज्य में कभी शांति नहीं रहेगी क्योंकि तेरे छल-कपट से मेरा पूरा परिवार खत्म हो गया है। अब 15 अगस्त, 2021 से पूरा अफगानिस्तान 'तालिबान' सरीखे संगठन की गिरफ्त में है। अब वहां 98.7 प्रतिशत आबादी इस्लामी है। कभी अफगानिस्तान 'सिल्क रूट' (रेशम-मार्ग) का केंद्र भी रहा है। यहां की समृद्धि व अंतरराष्ट्रीय व्यापार और जुझारू तेवर सदा चर्चा में रहे। एक समय में यहां अमेरिकी व सोवियत सेनाओं का भी कब्जा बना रहा। अब कोई विदेशी सैनिक वहां पर नहीं है। इन दिनों यह इस्लामी देश अपने पड़ोसी इस्लामी देश पाकिस्तान के साथ युद्ध में उतरा हुआ है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा रेखा को 'डूरंड लाइन' भी कहा जाता है। यह सीमा रेखा 2611 किलोमीटर में फैली है।

तालिबान के पास अमेरिकी व सोवियत सेनाओं द्वारा छोड़े गए हथियारों के भण्डार हैं और इधर अमेरिका इस समय पाकिस्तान की पीठ है। वैसे कौन अधिक सशक्त है, इस बात के प्रामाणिक आंकड़े तो उपलब्ध नहीं हैं लेकिन दोनों के पास मांगी, लूटी और खरीदी आधुनिक युद्ध सामग्री के लम्बे-चौड़े भण्डार हैं। पाक परमाणु-सम्पन्न भी है और उधर अफगानिस्तान को भी कुछ मित्र देशों का परमाणु-संरक्षण प्राप्त है। यह भी एक तथ्य है कि दोनों देशों में आतंकी संगठनों का बोलबाला रहा है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है। वैसे भी अपनी आदत के अनुरूप पाकिस्तान भारत पर अफगानिस्तान को शह देने का आरोप तो लगाएगा ही। उधर, पाकिस्तान को स्वयं भी बलूचिस्तान के अलगाववादी आंदोलन का भय सताता है। इधर, उसके अपने देश में भी स्थितियां

यह भी एक तथ्य है कि दोनों देशों में आतंकी संगठनों का बोलबाला रहा है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है।

नियंत्रण में नहीं हैं। इस समय वहां जो भी होता है, सेनाध्यक्ष मुनीर की रजा से होता है। मगर जनरल मुनीर को अपनी सेना के लगभग एक लाख सैनिक बलूचिस्तान में भी तैनात करने पड़ रहे हैं और अफगान-सीमा पर भी 50 हजार से अधिक की तैनाती है। अब तक के युद्ध में सैकड़ों के मरने की खबरें तो आ रही हैं मगर अभी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध विराम के लिए दबाव भी आने लगे हैं। मुनीर चाहते हैं कि किसी भी विदेशी दखल से पहले वह तालिबान की वर्तमान सरकार का तख्ता पलटवा दें। बहरहाल, दोनों इस्लामी देशों के बीच भीषण-युद्ध छिड़ चुका है। दोनों को भारी क्षति चुकानी होगी और दोनों की आर्थिक हालत ठीक नहीं है।

चरमरा सकती है अर्थव्यवस्था

पाकिस्तान: पाकिस्तान को मध्य एशिया तक पहुंचने के लिए अफगानिस्तान की जरूरत पड़ती है। कराची और ग्वादर जैसे बंदरगाहों के माध्यम से अफगानिस्तान को समुद्री व्यापार की सुविधा मिलती है। खासकर कराची पोर्ट अफगान ट्रांजिट व्यापार का मुख्य मार्ग रहा है। पाकिस्तान को ट्रांजिट फीस, कस्टम ड्यूटी से राजस्व मिलता है।

अफगानिस्तान : अफगानिस्तान समुद्री रास्ते के लिए पाकिस्तान के बंदरगाहों पर ही निर्भर है। दोनों देशों के बीच तनाव लंबा खिंचने की स्थिति में उसके आयात-निर्यात पर सीधा असर पड़ सकता है। स्थिर क्षेत्रीय माहौल होने पर विदेशी निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बढ़ सकती हैं।

चीन : दोनों देशों के बीच युद्ध का असर सबसे ज्यादा चीन पर पड़ेगा, क्योंकि चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर पाक से होकर गुजरता है। अगर पाकिस्तान आर्थिक तौर पर कमजोर होता है तो इसका असर चीन पर भी पड़ेगा। इसलिए चीन के लिए यह अवसर और खतरा दोनों हैं।

सीमा विवाद : ब्रिटिश शासन के दौरान खींची गई विवाद सीमा रेखा 'डूरंड रेखा' समय-समय पर दोनों देशों के बीच गोलीबारी और राजनयिक तनाव का केंद्र बनी हुई है। डूरंड लाइन को लेकर लंबे समय से विवाद जारी है। दोनों देश एक-दूसरे पर हमले और आतंकियों को छिपाने का आरोप लगाते रहते हैं।

टीटीपी : पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच मौजूदा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर बना हुआ है। पाकिस्तान कई वर्षों से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से प्रतिबंधित टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। इसको लेकर दोनों पक्षों में तनाव एक बार फिर बेहद बढ़ गया है।

अफगानिस्तान के लिए आसान नहीं होगी युद्ध की राह

संघर्ष

डॉ. एन.के. सोमानी
वरिष्ठ स्तंभकार

दक्षिण एशिया के प्रमुख इस्लामिक देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हिंसा व संघर्ष का नया दौर शुरू हो गया है। पिछले साल दोनों देशों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद कतर और तुर्की की मध्यस्थता में युद्ध विराम हुआ। युद्ध विराम के बाद यह अब तक सबसे बड़ा संघर्ष है। इस खूनी संघर्ष के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुले युद्ध का ऐलान कर दिया है। लेकिन सवाल यह है कि दोनों देशों के बीच छिड़ी जंग अगर बड़े युद्ध का रूप लेती है तो क्या होगा। क्या जंग की यह आग इन्ही दोनों देशों तक सीमित रहेगी या इसकी तपत अन्य देशों तक भी पहुंच सकती है।

कतर और तुर्की की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम के महज चार माह बाद जिस तरह से दोनों देश यकायक युद्ध के मुहाने पर आ खड़े हुए हैं उसे देखते हुए सवाल यह भी उठ रहा है कि धर्म के नाम पर समान विचार रखने वाले इन निकट पड़ोसियों के बीच संघर्ष का असल कारण क्या है। एक समय था जब तालिबान इस्लामाबाद की नाक का बाल हुआ करता था। लेकिन, बीते चार साल में दोनों देशों की सरकारें एक-दूसरे के खून की प्यासी हो गई हैं।

हिंसा व संघर्ष की वजह

अगस्त 2021 में जब अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी हुई तो पाक नेताओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पाकिस्तान को यह खुशफहमी भी थी कि पाक-तालिबान संबंध उस परम्परागत विचारधारा के आधार पर आगे बढ़ेंगे, जिसका आधार कहीं न कहीं इस्लाम था, लेकिन तालिबान सरकार के मुखिया हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने पाकिस्तान की सरपरस्ती में आगे न बढ़ने और अपनी सरकार को पाकिस्तान की 'पिछलग्गू सरकार' की छवि से बाहर निकलने की कोशिश ने पाक सरकार के उत्साह को जल्द ही ठंडा कर दिया। तालिबानी नेताओं के भारत के प्रति नरम रुख से भी पाकिस्तान नाखुश है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच विवाद का बड़ा कारण तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) है, जो लंबे समय से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बना रहा है और देश में सख्त इस्लामी शासन (शरिया) की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के आतंकवादी पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमलों के लिए अफगानिस्तान

अब सवाल यह उठ रहा है कि दोनों देशों के बीच जारी हिसंक झड़पें अगर किसी बड़े संघर्ष में बदलती है तो पूरा मामला किस दिशा में जाता हुआ दिखाई देगा।

को एक अड्डे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान के इस आरोप के प्रति तालिबान ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। उलटा इसे पाकिस्तान का आंतरिक मुद्दा बताकर उससे अपने देश के हालात संभालने की नसीहत देता रहा है। इन्ही आरोप-प्रत्यारोप के चलते पाकिस्तान ने काबुल और दूसरे क्षेत्रों पर कई बार हवाई हमले किए, जिसके कारण दोनों देशों के बीच सीमा पर झड़पें भी हुई।

ताजा संघर्ष की शुरूआत उस समय हुई जब पाकिस्तान ने 21 फरवरी को अफगानिस्तान के भीतर संदिग्ध आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए। पाकिस्तान का कहना था कि टीटीपी और बलोच विद्रोही अफगान धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान पर हमले के लिए कर रहे हैं। अफगानिस्तान पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक के जवाब में तालिबान सरकार ने डूरंड लाइन पर पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अफगानिस्तान का दावा है कि उसने पाकिस्तान की 19 चैकियों को तबाह कर दिया और 55 सैनिकों को मार गिराया। उसने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के नजदीक एक सैन्य मुख्यालय पर कब्जा करने व कई पाक सैनिकों को बंदी बनाने का दावा किया है। 55 सैनिकों की मौत व राजधानी पर हमले का जवाब देने के लिए पाकिस्तान ने ऑपरेशन गजब-लिल-हक (हक या न्याय के लिए खुदा का कहर) शुरू किया है। ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान की वायु सेना ने काबुल, कंधार और पंक्तिया में तालिबान के ठिकानों, गोला-बारूद के डिपो और सैन्य मुख्यायलयों पर भारी बमबारी की। इस जवाबी हमले में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के 270 से ज्यादा लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है।

पाक का कड़ा संदेश

सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा- 'हमारी बर्दाशत की हद पार हो चुकी है। पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान में हवाई हमलों और अफगान तालिबान की उचित समय पर भरपूर जवाब देने की धमकी के बाद सवाल यह उठ रहा है कि दोनों देशों के बीच जारी हिसंक झड़पें अगर किसी बड़े संघर्ष में बदलती है तो पूरा मामला किस दिशा में जाता हुआ दिखाई देगा। खासकर सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के सैन्य समझौते के बाद। सैन्य क्षमताओं का आकलन चाहे किसी भी स्तर पर किया जाए और चाहे कोई किसी पर कितना भी भारी क्यों न हो लेकिन दक्षिण एशिया की शांति के लिए पाक-अफगानिस्तान संघर्ष का बढ़ना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

राजीव ने प्रधानमंत्री रहते हुए लगभग हर सरकारी आवंटन और अनुबंध में 'कमीशन' लीः भाटिया

दलाली कांग्रेस के डीएनए में रची-बसी, बोफोर्स घोटाले का हवाला देते हुए भाजपा ने आरोप लगाया

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के खिलाफ दशकों पुराने भ्रष्टाचार के आरोपों को फिर से उठाया और इन्हें कांग्रेस की 'समझौते वाली' विरासत का सबूत करार दिया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए लगभग हर सरकारी आवंटन और अनुबंध में 'कमीशन' ली। भाटिया ने सीआईए के एक गोपनीय दस्तावेज का हवाला देते हुए दावा किया कि बोफोर्स जांच को स्वीडन में जानबूझकर इसलिए रोका गया था ताकि कुछ भारतीय अधिकारियों को दी गई रिश्वत के खुलासे को रोका जा सके।

भाटिया ने बोफोर्स घोटाले का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि दलाली, कांग्रेस के डीएनए में रची-बसी है। गांधी परिवार ने राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों में भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल होने से परहेज नहीं किया। भाजपा नेता ने दावा किया कि जहां राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में मोदी पर निराधार आरोप लगाते हैं, वहीं गांधी परिवार खुद पीढ़ियों से 'दागी' रहा है।

उन्होंने सुझाव दिया कि इन खुलासों से तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी असहज स्थिति में पड़ सकते थे। भाटिया ने विदेशी पत्रिका 'श्वाइजर इलस्ट्रेटेड' का एक लेख भी दिखाया, जिसका शीर्षक था 'द कर्स ऑफ मनी (धन का अभिशाप)'। उन्होंने बताया कि इस लेख में अंतरराष्ट्रीय हस्तियों और तानाशाहों से जुड़े स्विस बैंक खातों का उल्लेख किया गया था और इसमें युगांडा के तानाशाह इदी अमीन व इराक के सद्दाम हुसैन के साथ राजीव गांधी की तस्वीर भी छपी है। भाटिया ने कहा कि बोफोर्स घोटाले से प्राप्त धन स्विस बैंकों में जमा था, जो राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला था। पत्रिका ने अनुमान लगाया कि लगभग 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर राजीव गांधी से जुड़े खातों में जमा थे, जिसका आज मूल्य लगभग 20,000 करोड़ रुपए है।

भाजपा प्रवक्ता ने भोपाल गैस रिसाव त्रासदी का मुद्दा उठाते हुए राजीव गांधी पर यूनियन कार्बाइड के सीईओ वॉरेन एंडरसन को भागने में मदद करने का आरोप लगाया। भाटिया ने पूर्व प्रधान सचिव पीसी अलेक्जेंडर का हवाला देते हुए कहा कि एंडरसन को भागने देने की जिम्मेदारी राजीव गांधी और मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की थी। उन्होंने कहा, यह अस्वीकार्य है कि वही गांधी परिवार प्रधानमंत्री मोदी पर निराधार आरोप लगा रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने 1984 के सिख विरोधी दंगों का भी हवाला देते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हिंसा के आरोपियों को पुरस्कृत किया। उन्होंने विशेष रूप से सज्जन कुमार को लोकसभा का टिकट देने और जगदीश टाइटलर की केंद्रीय मंत्री के रूप में नियुक्ति का उल्लेख किया। भाजपा नेता ने राजीव गांधी फाउंडेशन को भी निशाना बनाते हुए आरोप लगाया कि 2005 से 2009 के बीच इसने चीन की सरकार और दूतावास से 'रिश्वत' स्वीकार की, साथ ही मेहुल चोकसी, नीरव मोदी और जाकिर नाइक से भी चंदा लिया।

केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी सेवानिवृत्त और अतीश चंद्रा ने संभाला कार्यभार

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने डॉ. चतुर्वेदी के कार्यकाल को सराहा

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी की सेवानिवृत्ति के अवसर पर गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने डॉ. चतुर्वेदी का सम्मान किया, वहीं नए कृषि सचिव अतीश चंद्रा का स्वागत किया।चौहान ने डॉ. चतुर्वेदी के दीर्घ, समर्पित और प्रभावशाली प्रशासनिक कार्यकाल की सराहना कर कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए मंत्रालय को नई दिशा और गति प्रदान की। उनके नेतृत्व कौशल, समस्या-समाधान की क्षमता और टीम भावना ने मंत्रालय के कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ाया।

खबर संक्षेप

यूपी में महिला जज के पिता का मर्डर

मुरादाबाद। यहां के नागफनी थाने के बंगला गांव चौराहे पर शुक्रवार को बुलंदशहर में एडिशनल

सिविल जज (सीनियर डिवीजन) के पद पर तैनात आसमा सुल्ताना के पिता और शहर की मशहूर अलवीना बेकरी के संचालक मो. असद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड को मो. असद के हिस्ट्रीशीटर साले जफर ने अंजाम दिया है।

शेट्टी फायरिंग मामले में अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन

मुंबई। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई वाले घर पर फायरिंग मामले में जांच जारी है। इस मामले

में मुंबई क्राइम ब्रांच के हाथ बड़े सुराग लग रहे हैं। मामले में क्राइम ब्रांच ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि शूटर्स को मोटी रकम दी गई थी। वारदात को अंजाम देने एटीएम के जरिए फंडिंग पड़ोसी देश नेपाल से हुई थी। इसके लिए मुंबई क्राइम ब्रांच जांच कर रही है।

केजीएमयू के डॉक्टर के खिलाफ चार्जशीट पेश

लखनऊ। किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटीमें महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म, गर्भपात और मतांतरण

के मामले में चौक पुलिस ने मुख्य आरोपित डॉ. रमीजुद्दीन नायक, उसके मां-बाप व सहयोगी के खिलाफ 800पन्नों से अधिक की चार्जशीट दाखिल कर दी है। पुलिस ने 2पीड़िताओं के बयान शामिल किए हैं। उसके पास से 3 लैपटाप से 4हजार जीबी डाटा भी मिला है।

राज्यसभा चुनाव से पहले एमवीए में 'तनातनी'

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा सियासी संग्राम छिड़ गया है। राज्यसभा की सात सीटों में

से एक सीट और उसी एक सीट नेएमवीए की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस, राष्ट्रवादी (शरद गुट) और उद्धव सेना तीनों ही दल इस सीट पर दावा ठोक रहे हैं। कई दौर की बातचीत के बाद कोई फैसला नहीं हो पाया है अपितु घमासान बढ़ गया है।

दुराचार का आरोप पुरुष पर, पालक पर नहीं होगा

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने हाल ही में एक महिला की याचिका खारिज कर दी। महिला ने

मांग की थी कि जिस व्यक्ति पर उसने शादी का झूठा वादा करके बलात्कार करने का आरोप लगाया है, उसके माता-पिता और दादी पर भी मुकदमा चलाया जाए। महिला का कहना था कि उस व्यक्ति के परिवार वालों पर भी केस चले, लेकिन कोर्ट ने नकार दिया।

पीएम मोदी ने अजमेर में किया एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

सरकार सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध ये नारीशक्ति को सशक्त करने में होगा अहम

अभियान का लक्ष्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 14 साल की लगभग 1.15 करोड़ लड़कियों को टीका लगाना

कार्यक्रम का लक्ष्य 1.15 करोड़ लड़कियों को टीका

इस अवसर पर 5 लड़कियों को ह्यूमन पैपिलोमावायरस टीका लगाया गया

एचवीपी टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी ⏭ अजमेर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के अजमेर से सर्विकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 5 लड़कियों को ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीका लगाया गया। इस अभियान का लक्ष्य हर साल सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 14 साल की लगभग 1.15 करोड़ लड़कियों को टीका लगाना है। टीका तय सरकारी हेल्थ सेंटर पर मुफ्त में दी जाएगी। एचपीवी टीकाकरण के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान के शुभारंभ के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है। पीएम मोदी ने कहा कि अजमेर से राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत के साथ कई परियोजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास और युवाओं को नियुक्ति पत्रों के वितरण का सौभाग्य मिला है।

भाजपा सरकार में महिलाओं को संबल दिया जा रहा

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अजमेर से एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू हुआ है। ये अभियान देश की नारीशक्ति को सशक्त करने की दिशा में अहम कदम है। पीएम मोदी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि परिवार में जब मां बीमार होती है, तो घर बिखर सा जाता है। अगर मां स्वस्थ है, तो परिवार हर संकट का सामना करने में सक्षम रहता है। इसी भाव से भाजपा सरकार में महिलाओं को संबल देने वाली अनेक योजनाएं चलाई हैं।

महिलाओं के लिए मिशन मोड में काम हो रहा

पीएम मोदी ने कहा कि हमने 2014 से पहले का वो दौर देखा है, जिसमें शौचालय के अभाव में बहनों-बेटियों को कितनी पीड़ा और अपमान झेलना पड़ता था। बच्चियां स्कूल छोड़ देती थी, क्योंकि वहां अलग टॉयलेट की सुविधा नहीं होती थी। पहले जो सत्ता में रहे, उनके लिए ये छोटी बातें थी, इसलिए इन समस्याओं की चर्चा तक नहीं होती थी। हमारे लिए ये बहन-बेटियों को बीमार करने वाला, उनके अपमान से जुड़ा संवेदनशील मसला था। इसलिए इनका मिशन मोड पर समाधान किया। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान कुपोषण माताओं के जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा होता था।

गुजरात में माइक्रोन टेक्नोलॉजी सेमीकंडक्टर असेंबली की शुरुआत

पीएम मोदी ने गुजरातके साणंद में माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्ट और पैकेजिंग (एटीएमपी) संयंत्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने सभा को संबोधित किया। यह उद्घाटन भारत के सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि है। एटीएमपी संयंत्र से भारत में निर्मित पहले सेमीकंडक्टर मेमोरी मॉड्यूल का वाणिज्यिक उत्पादन और शिपमेंट शुरू हो गया है।

दुनिया के सबसे बड़े संयंत्रों में से एक होगा

साणंद संयंत्र पूरी तरह से चालू हो जाने पर लगभग 5 लाख वर्ग फीट का क्लीनरूम क्षेत्र उपलब्ध होगा और यहां दुनिया के सबसे बड़े रेज़्ड-फ्लोर क्लीनरूम में से एक बन जाएगा। साणंद एटीएमपी संयंत्र माइक्रोन के वैश्विक विनिर्माण नेटवर्क से उन्नत डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (डीआरएएम) और नैंड सेमीकंडक्टर वेफर्स को तैयार मेमोरी और स्टोरेज उत्पादों में परिवर्तित करेगा।

पीएम आज तमिलनाडु और पुडुचेरी में अहम परियोजनाएं शुरू करेंगे

प्रधानमंत्री रविवा को पुडुचेरी में 2,700 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इस अवसर पर वे एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे।इसके बाद वे मदुरै में दोपहर लगभग 3:00 बजे वे 4,400 करोड़ से अधिक की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

साइंस-डे पर बोले प्रधानमंत्री

ज्ञान विज्ञान से जुड़े तो संकटों से मुक्ति पाना होगा आसान

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को नेशनल साइंस डे पर कहा कि जब ज्ञान विज्ञान के साथ जुड़ता है तो संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जब ज्ञान विज्ञान के साथ जुड़ता है, तो जब ज्ञान और विज्ञान से हमारा परिचय होता है, तो संसार की सभी समस्याओं और संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है। उन्होंने कहा कि समाधान का, विकास का और नवाचार का आधार विज्ञान ही है। पीएम ने कहा कि आज नेशनल साइंस डे सीवी रमन की रमन इफ़ेक्ट खोज को समर्पित है। यह खोज बड़ी अहम रही।

विज्ञान का उपयोग लोगों की भलाई के लिए हो

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा कि नेशनल साइंस डे पर हम रिसर्च, इनोवेशन और साइंटिफिक जिज्ञासा की भावना का जश्न मनाते हैं जो हमारे देश को आगे बढ़ाती है। यह दिन सर सीवी रमन की रमन इफ़ेक्ट की अहम खोज की याद में मनाया जाता है। इस खोज ने भारतीय रिसर्च को दुनिया भर में मजबूती से जगह दिलाई। हम अपने युवाओं को मजबूत बनाने पर काम कर रहे।

एआई इम्पैक्ट समिट में कांग्रेस पर हमला बोला

हार से थक चुकी कांग्रेस अब देश को बदनाम करने में जुटी

अब तो वह मुस्लिम लीगी-माओवादी कांग्रेस बनी

प्रधानमंत्री ने एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान कांग्रेसके विरोध-प्रदर्शन पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस ने दुनिया भर के मेहमानों के सामने देश को बदनाम करने की कोशिश की। पूरे देश में हार रही कांग्रेस भारत को बदनाम करके ले रही है। कांग्रेस अब 'मुस्लिम लीगी-माओवादी कांग्रेस' बन गई।

'कभी वह इंडियन नेशनल कांग्रेस थी'

प्रधानमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा, 'कभी कांग्रेस इंडियन नेशनल कांग्रेस थी लेकिन अब आईएनसी नहीं बची है... इंडियन नेशनल कांग्रेस नहीं बची है... आज वो आईएनसी के बजाय एमएमसी बन गई है। एमएमसी यानी मुस्लिम लीग - माओवादी कांग्रेस हो चुकी है।

खरगे ने आम आदमी पार्टी को बताया भाजपा की बी टीम, वह कभी किसानों की लड़ाई में नहीं हुई शामिल

पंजाब की किसान महाचौपाल में खरगे-राहुल ने मोदी सरकार और पंजाब की आम आदमी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पंजाब के बरनाला में किसान महाचौपाल को संबोधित करते हुए केंद्र की मोदी सरकार और पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर जमकर निशाना साधा।

महाचौपाल को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार को भाजपा की बी टीम करार देते हुए कहा कि ये लोग कभी किसानों या मजदूरों की लड़ाई में शामिल नहीं हुए। उन्होंने केजरीवाल को निशाने पर लेते हुए कहा कि रोने-धोने से काम नहीं चलेगा। अगर अन्याय के खिलाफ लड़ना है, तो राहुल गांधी की तरह लड़िए। उन्होंने केजरीवाल और मोदी की कार्यशैली को एक जैसा बताते हुए उन्हें ढोंगी करार दिया।

पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए खरगे ने कहा कि आज गुरुओं की इस धरती पर गोलियां चल रही हैं और लोग असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को सरेआम धमकियां मिल रही हैं और अमित शाह व राज्य सरकार दोनों हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर पंजाब सरकार मजबूत है, तो नशे का जाल क्यों खत्म नहीं हो रहा?

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पंडित नेहरू से लेकर डॉ. मनमोहन सिंह तक कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में बड़े बांध और पावर प्लांट बने, जबकि मोदी सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को बेच रही है। उन्होंने कहा कि ये नरेंद्र मोदी नहीं बल्कि सरेंडर मोदी हैं, जो ट्रंप के इशारों पर चलते हैं और देश के संसाधनों को बेचकर लोगों को गुलाम बनाने की साजिश रच रहे हैं।

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच खरगे ने कहा कि मोदी सरकार ने अमेरिका के साथ ऐसा समझौता किया है जिसके तहत विदेशी उत्पाद भारत में डंप किए जाएंगे। इससे पंजाब के किसानों को फसलों के खरीदार नहीं मिलेंगे,

जिससे खेती के साथ-साथ छोटे उद्योग पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे।

पंजाब के कोने-कोने से लाखों की संख्या में जुटे किसानों को संबोधित करते हुए लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को भारतीय किसानों के लिए 'डेथ वारंट' बताया। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद अमेरिका का सामान भारत आएगा और हमारे किसान तबाह हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका के बड़े मशीनीकृत खेतों वाले किसानों का मुकाबला भारत के छोटे किसान नहीं कर पाएंगे। भारत हर साल अमेरिका से नौ लाख करोड़ रुपये का माल खरीदेगा, जिससे भारत का लघु और मध्यम उद्योग तबाह हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने भारत का पूरा डेटा भी अमेरिका के हवाले कर दिया है। उन्होंने मोदी सरकार को अमेरिका द्वारा रूस और ईरान से तेल की खरीद बंद करने की दी गई धमकी को लेकर भी निशाना साधा।

अपने आक्रामक तेवर में मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह नुकसानदेह समझौता एपस्टीन फाइल्स और अमेरिका में चल रहे अडानी मामले के दबाव में किया गया। उन्होंने कहा कि अडानी कोई सामान्य कंपनी नहीं, बल्कि भाजपा का वित्तीय तंत्र है। जो भी धन एकत्रित होता है, वह अडानी के पास जाता है और फिर हजारों शेल कंपनियों के जरिए राजनीतिक गतिविधियों में इस्तेमाल किया जाता है।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि अमेरिका के पास प्रधानमंत्री से जुड़ी ऐसी जानकारियां हैं, जिनका उपयोग कर उन्हें धमकाया जा रहा है। प्रधानमंत्री का गला एक तरफ एपस्टीन फाइल्स और दूसरी तरफ अडानी पर अमेरिका में चल रहे आपराधिक केस के बीच फंसा हुआ है। फाइलों में मोदी की सच्चाई बंद पड़ी है और ट्रंप कह रहे हैं कि अगर समझौता नहीं किया तो फाइलें खोल देंगे।

राहुल गांधी ने ट्रंप के भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने के बयानों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप कह रहे हैं कि वह जब चाहें नरेंद्र मोदी का करियर खत्म कर सकते हैं, लेकिन मोदी चुप्पी साधे हुए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उनका गला फंसा हुआ है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने समझौते की टाइमलाइन पर सवाल उठाते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी ने जो काम चार महीने तक नहीं किया, उसे उन्होंने 15 मिनट में क्यों कर दिया? पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे की पुस्तक का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जब चीनी टैंक भारतीय सीमा में घुस रहे थे, तब प्रधानमंत्री ने सेना को स्पष्ट आदेश देने के बजाय उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया था। उन्होंने कहा कि जब वह (राहुल) लोकसभा में भाषण दे रहे थे, उन्हें बोलने से रोक दिया गया, क्योंकि सरकार डरी हुई है। उसी शाम मोदी जी ने डोनाल्ड ट्रंप को फोन किया और अमेरिका की शर्तों को मानते हुए समझौते पर हामी भर दी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी को रात में नींद नहीं आ रही है, क्योंकि एक दिन अडानी का केस जरूर खुलेगा और एपस्टीन फाइल्स की सच्चाई बाहर आएगी।

राहुल गांधी ने पंजाब के किसानों को सीधा संबोधित करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी ने पहले काले कृषि कानून लाकर उन्हें बेचने की कोशिश की थी। अब यहां के मजदूरों के हाथ से मनरेगा को छीन लिया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि कांग्रेस पार्टी देश के किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़ी है।

बंगाल में नई वोटर लिस्ट में लाखों नाम काटे गए

नई दिल्ली/ कोलकाता । निर्वाचन आयोग ने बंगाल में एसआईआर के बाद की मतदाता सूचियों को शनिवार को चरणबद्ध तरीके से प्रकाशित करना शुरू कर दिया। बांकुरा जैसे कुछ जिलों में मतदाता सूची पोर्टल और मोबाइल एप पर उपलब्ध नहीं कराई गई है। हटाए गए नामों की संख्या के बारे में अब तक कोई स्पष्टता नहीं मिली है लेकिन कहा जा रहा बांकुरा से 1.35 लाख से अधिक नाम हटाए गए होंगे। प्रकाशन से 7.08 करोड़ मतदाताओं को 'स्वीकृत', 'हटाए गए'।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **1.हमीद हिम्मती पुत्र** गुलाम हुसैन **2.फैज़ल शिराज़िनिया पुत्र** अब्दुल हामिद **निवासः** म.नं. 24B, भोगल जंगपुरा, नई दिल्ली ने **FIR No. 424/2022 U/s 279/419/482/506/34 IPC. थानाः आईजीआई एअरपोर्ट, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1.हमीद हिम्मती 2.फैज़ल शिराज़िनिया** मिल नही रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1.हमीद हिम्मती 2.फैज़ल शिराज़िनिया** फरार हो गये हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 424/2022 U/s 279/419/482/506/34 IPC. थानाः आईजीआई एअरपोर्ट, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **1.हमीद हिम्मती 2.फैज़ल शिराज़िनिया** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री प्रणव जोशी
एसीजेएम-01, (भू-तल), कमरा नं. 02
मुख्य परिसर, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/15545/IGIA/2025
(Court Notice)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी मोहित कुमार पुत्रः** बलवीर सिंह, **पताः** औरंगाबाद गदाना हापुड़, मोदी नगर, गाजियाबाद हापुड़, उत्तर प्रदेश **CC No. 7624/24, U/s: 138 NI Act, पुलिस थानाः देश बंधु गुप्ता रोड, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहित कुमार,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहित कुमार,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **मोहित कुमार, CC No. 7624/24, U/s: 138 NI Act, पुलिस थानाः देश बंधु गुप्ता रोड, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अर्जुन किराड़
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी-05
(एनआई अधिनियम), कमरा नं. 02, भूतल,
केंद्रीय जिला, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/2555/CD/2026
(Court Matter)

FORM - IV
Statement of ownership and other particulars about Hari Bhoomi as required by Registration of Newspapers (Central) Rules 1956 :

1. Place of Publication : Hari Bhoomi,129, Transport Centre, Punjabi Bagh, West Delhi, New Delhi-110035
2. Periodicity of Publication : Daily
3. Printer's Name : Davender Singh Balain
   Nationality : Indian
   Address : 18, Subhash Nagar, Rohtak, Haryana-124001
4. Publisher's Name : Davender Singh Balain
   Nationality : Indian
   Address : As above
5. Editor's Name : Dr. Himanshu Dwivedi
   Nationality : Indian
   Address :H.No. 164, Vasant Enclave, Rao Tula Ram Marg, New Delhi-110057
   Hari Bhoomi, is owned by Hari Bhoomi Communications Private Limited, 201, Onkardeep Building, A-19, Connaught Place, New Delhi-110001 having following share holders holding more than one percent of the total capital :

i) Abhimanyu Sindhu, 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana - 124001
ii) Sarvesh Sindhu 23 Rajdoot Marg, Chanakyapuri, New Delhi - 110021
iii) Vir Sen Sindhu 1, Garud Nagar, Gevra Project, Korba, Chhattisgarh - 495452
iv) Vrit Pal Sindhu 23 Rajdoot Marg, Chanakyapuri, New Delhi - 110021
v) Satya Pal Sindhu 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana - 124001
vi) Anika Sindhu 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana - 124001
vii) Swasti Sindhu 53, Sector-14, Rohtak, Haryana - 124001
viii) Rachna Sindhu 57, Sector-14, Rohtak, Haryana - 124001
ix) M/s Indus Edumanagement Services Private Limited 129, Transport Centre, Punjabi Bagh, West Delhi-110035
x) Paramitra Holdings Private Limited, 129, Transport Centre, Punjabi Bagh, West Delhi-110035

I, Davender Singh Balain, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Sd/-
Davender Singh Balain
Publisher
Dt. 01-03-2026

होली से समझें निवेश के चटख रंग
लाल पीला, हरा या नीला

किस 'रंग' के एसेट में कितना पैसा लगाने से भविष्य होगा मजबूत

•

गोल्ड, इक्विटी, डेब्ट और हाई-रिस्क निवेश में उम्र के हिसाब से पैसा लगाएं

होली का आनंद तभी है जब हर रंग का संतुलित मिश्रण हो। ठीक वैसे ही निवेश में भी संतुलन जरूरी है। यदि आप इन चारों रंगों का सही तालमेल बिठा लेते हैं, तो आपका भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बन सकता है। इस होली केवल गुलाल न उड़ाएं, बल्कि अपने वित्तीय जीवन को भी नए रंग दें। अनुशासन, धैर्य और संतुलन यही है सफल निवेश का मंत्र। जब आपका पोर्टफोलियो संतुलित होगा, तभी आपका भविष्य सच में रंगीन व खुशहाल होगा।

निवेश मंत्रा

सेंट्रल डेस्क

होली का त्योहार रंगों, उमंग और नई शुरुआत का प्रतीक है। जैसे होली के हर रंग का अपना महत्व होता है, वैसे ही निवेश की दुनिया में भी हर एसेट क्लास की अलग भूमिका होती है। अक्सर लोग निवेश को लेकर दो बड़ी गलतियां करते हैं या तो सारा पैसा सुरक्षित समझकर एफडी और बचत खाते में डाल देते हैं, या फिर तेजी के लालच में पूरा धन शेयर बाजार में लगा देते हैं। दोनों ही स्थितियां लंबे समय में संतुलित नहीं मानी जातीं। असल में मजबूत वित्तीय भविष्य का राज डायवर्सिफिकेशन यानी संतुलित निवेश में छिपा है। यदि आपके पोर्टफोलियो में पीला (गोल्ड), हरा (इक्विटी), नीला (डेब्ट) और थोड़ा सा लाल (हाई-रिस्क) रंग सही अनुपात में हो, तो आपका आर्थिक जीवन भी होली की तरह रंगीन और संतुलित बन सकता है।

पीला रंग
गोल्ड, सुरक्षा व स्थायित्व

भारत में सोना सिर्फ धातु नहीं, भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व भी रखता है। निवेश की दृष्टि से गोल्ड को सेफ हेवन कहा जाता है। जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, आर्थिक अनिश्चितता बढ़ती है या वैश्विक तनाव होता है, तब सोना अक्सर स्थिरता प्रदान करता है। गोल्ड का मुख्य उद्देश्य तेज रिटर्न देना नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो को संतुलित रखना है। यह महंगाई के खिलाफ एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कुल निवेश का लगभग 10% से 15% हिस्सा गोल्ड में होना चाहिए। इससे ज्यादा निवेश करने से ग्रोथ प्रभावित हो सकती है। आज के समय में फिजिकल गोल्ड की बजाय सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड, गोल्ड ईटीएफ या डिजिटल गोल्ड बेहतर विकल्प माने जाते हैं। इससे शुद्धता, सुरक्षा और पारदर्शिता बनी रहती है।

हरा रंग
इक्विटी ग्रोथ का असली इंजन

हरा रंग खुशहाली और तरक्की का प्रतीक है। निवेश में यह इक्विटी यानी शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड को दर्शाता है। यदि आपका लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की उच्च शिक्षा या वित्तीय स्वतंत्रता—तो इक्विटी से बेहतर विकल्प मुश्किल है। इतिहास बताता है कि लंबी अवधि (15–20 वर्ष) में इक्विटी ने अन्य एसेट क्लास की तुलना में बेहतर रिटर्न दिए हैं। हालांकि इसमें उतार-चढ़ाव रहता है, लेकिन समय के साथ यह अस्थिरता संतुलित हो जाती है। एक सरल फॉर्मूला यह है कि 100 में से अपनी उम्र घटाइए जो संख्या आए, उतना प्रतिशत इक्विटी में निवेश किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपकी उम्र 30 वर्ष है, तो लगभग 70% तक इक्विटी में निवेश संभव है (जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार)। नए निवेशकों के लिए सीधे शेयर खरीदने की बजाय एसआईपी के माध्यम से डायवर्सिफाइड म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर रहता है। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम होता है और नियमित निवेश की आदत बनती है।

नीला रंग : डेब्ट/एफडी :
स्थिरता और भरोसा

नीला रंग शांति और संतुलन का प्रतीक है। निवेश में यह डेब्ट इंस्ट्रूमेंट्स जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), डेब्ट म्यूचुअल फंड और बॉन्ड को दर्शाता है। डेब्ट का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा और स्थिर रिटर्न देना है। यह उन लक्ष्यों के लिए जरूरी है जो निकट भविष्य में पूरे करने हैं, जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर की डाउन पेमेंट या इमरजेंसी फंड। हर व्यक्ति को कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड डेब्ट में रखना चाहिए। इससे अचानक नौकरी जाने, बीमारी या अन्य आर्थिक संकट की स्थिति में मदद मिलती है। डेब्ट का हिस्सा उम्र के साथ बढ़ाना समझदारी है। जैसे-जैसे रिटायरमेंट नजदीक आता है, जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। हालांकि एफडी सुरक्षित विकल्प है, लेकिन डेब्ट म्यूचुअल फंड या उच्च रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड भी बेहतर रिटर्न दे सकते हैं। निवेश से पहले जोखिम और टैक्स प्रभाव को समझना जरूरी है।

लाल रंग : हाई रिस्क,
अवसर और सावधानी

लाल रंग ऊर्जा और जोश का प्रतीक है, लेकिन निवेश में यह सावधानी का संकेत भी देता है। इसमें क्रिप्टोकरेंसी, पेनी स्टॉक्स, स्मॉल कैप के अत्यधिक अस्थिर शेयर या ट्रेड आधारित निवेश शामिल हो सकते हैं। इनमें कम समय में बड़ा रिटर्न मिलने की संभावना होती है, लेकिन नुकसान का खतरा भी उतना ही अधिक रहता है। इसलिए इसमें कुल निवेश का 2% से 5% से अधिक हिस्सा नहीं होना चाहिए। लाल रंग को मुख्य निवेश की तरह नहीं, बल्कि प्रयोगात्मक हिस्से की तरह देखें। यदि नुकसान हो भी जाए, तो आपकी कुल वित्तीय स्थिति पर बड़ा असर न पड़े।

उम्र के अनुसार निवेश का संतुलन

उम्र के साथ वित्तीय प्राथमिकताएं बदलती हैं। इसलिए, पोर्टफोलियो का संतुलन भी समय-समय पर बदलना चाहिए।

20–30 वर्ष : इस उम्र में जिम्मेदारियां कम और जोखिम लेने की क्षमता अधिक होती है। लगभग 70% इक्विटी, 20% डेब्ट और 10% गोल्ड उपयुक्त हो सकता है।

30–45 वर्ष : परिवार और जिम्मेदारियां बढ़ती हैं। इक्विटी 50–60%, डेब्ट 25–35% और गोल्ड 10–15% तक संतुलित रखा जा सकता है।

45–55 वर्ष : रिटायरमेंट की योजना बनानी शुरू कर दें। इक्विटी कम कर 30–40% रखें और डेब्ट 50% तक बढ़ाएं।

60 वर्ष के बाद : पूंजी की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। 60–70% डेब्ट, 10–20% गोल्ड और सीमित इक्विटी पर्याप्त है।

इस होली करें पोर्टफोलियो की सफाई

- जैसे हम होली से पहले घर की सफाई करते हैं, वैसे ही निवेश की समीक्षा भी जरूरी है।
- उन निवेशों को हटाएं जो वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रहे हैं।
- यदि बाजार तेजी से बढ़ा है और इक्विटी का हिस्सा बहुत ज्यादा हो गया है, तो मुनाफा निकालकर डेब्ट या गोल्ड में ट्रांसफर करें।
- हर साल कम से कम एक बार री-बैलेंसिंग करें।
- छोटी राशि से भी नई एसआईपी शुरू करें। नियमित निवेश लंबी अवधि में बड़ा अंतर लाता है।
- बीमा और इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता दें।

ऐसे समझें महत्व

- पीला रंग देता है सुरक्षा।
- हरा रंग देता है ग्रोथ।
- नीला रंग देता है स्थिरता।
- लाल रंग देता है अवसर।

सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट के लिए क्यों बढ़ रहा पैसिव फंड्स का क्रेज?

बचत

सेंट्रल डेस्क

क्या आप भी आईटी या बैंकिंग सेक्टर की तेजी का फायदा उठाना चाहते हैं, लेकिन स्टॉक चुनने में उलझे हैं? तो आप अकेले नहीं हैं। बदलते निवेश ट्रेंड्स के बीच, अब निवेशकों के लिए एक स्मार्ट और आसान तरीका सामने आया है: पैसिव म्यूचुअल फंड्स। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के अनुसार, पैसिव फंड्स अब सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान बना रहे हैं, और इसने निवेशकों के बीच इसका क्रेज तेजी से बढ़ाया है। इस लेख में हम जानेंगे कि पैसिव फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता के पीछे क्या कारण हैं और कैसे यह निवेशकों को सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट में एक बेहतरीन विकल्प दे रहे हैं।

पैसिव फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता

आज के निवेश माहौल में, जहां अनिश्चितताएं और बाजार के उतार-चढ़ाव सामान्य हो गए हैं, निवेशक अपनी निवेश रणनीतियों को सरल, सस्ते और सुरक्षित बनाने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। पैसिव फंड्स का एक प्रमुख लाभ यह है कि ये कम लागत, अच्छी पारदर्शिता, और कम जोखिम के साथ निवेश के एक बेहतरीन तरीके के रूप में उभर रहे हैं। पैसिव म्यूचुअल फंड्स अब निवेशकों के लिए एक बहुत ही आकर्षक विकल्प बन चुके हैं। ये न केवल सस्ते होते हैं, बल्कि सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को भी आसान और सुरक्षित बना रहे हैं। पहले जहां किसी विशेष सेक्टर में निवेश करने के लिए काफी रिसर्च और स्टॉक चयन की आवश्यकता होती थी, वहीं पैसिव फंड्स ने इसे सरल बना दिया है। इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ के माध्यम से, निवेशक अब आसानी से किसी भी सेक्टर की ग्रोथ का फायदा उठा सकते हैं, चाहे वह आईटी, फार्मा, बैंकिंग, या कोई और सेक्टर हो।

सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट क्यों है आसान?

पैसिव फंड्स का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह सीधे किसी इंडेक्स को फॉलो करता है, जैसे कि निफ्टी आईटी, निफ्टी बैंक, या निफ्टी फार्मा। इन फंड्स का मैनेजर केवल उस इंडेक्स में मौजूद स्टॉक्स में निवेश करता है, जैसा कि इंडेक्स में निर्धारित होता है। इससे निवेशक को स्टॉक्स के चयन में होने वाली गलती से बचने का फायदा मिलता है। माना कि आप मानते हैं कि आईटी सेक्टर आने वाले समय में अच्छा प्रदर्शन करेगा। अब, अगर आप इस सेक्टर में निवेश करना चाहते हैं, तो पहले आपको उसके कुछ प्रमुख स्टॉक्स का चुनाव करना पड़ता था। लेकिन अब पैसिव फंड्स के जरिए आप बिना किसी जोखिम के पूरे आईटी सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इसका मतलब है कि आप उस सेक्टर के सारे स्टॉक्स में निवेश कर रहे होते हैं, न कि केवल कुछ चुने हुए स्टॉक्स में। इससे, किसी एक स्टॉक के गलत चुनाव से होने वाले नुकसान का खतरा भी कम हो जाता है, आप पूरी इंडस्ट्री की ग्रोथ में शामिल होते हैं।

कम लागत और पारदर्शिता का फायदा

अन्य कारण जो पैसिव फंड्स को निवेशकों के बीच अधिक लोकप्रिय बना रहा है, वह है इनकी कम लागत व पारदर्शिता। पैसिव फंड्स का एक्सपेंस रेशियो एक्टिव फंड्स के मुकाबले काफी कम होता है, जो निवेशक के लॉन्ग-टर्म रिटर्न पर सकारात्मक असर डालता है। पैसिव फंड्स में निवेशक को स्पष्ट रूप से पता होता है कि उनका पैसा किस-किस स्टॉक में निवेशित है, क्योंकि ये फंड्स किसी विशेष इंडेक्स का अनुसरण करते हैं। उदाहरण के लिए, निफ्टी आईटी इंडेक्स में जो 10-15 स्टॉक्स शामिल हैं, वे सभी पैसिव फंड में भी मौजूद होते हैं। इस पारदर्शिता की वजह से निवेशकों को ये फंड्स अधिक विश्वसनीय और सुरक्षित लगते हैं। यही कारण है कि ये छोटे और नए निवेशकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बन चुके हैं।

सेक्टोरल कॉल्स लेने में रिस्क मैनेजमेंट

हालांकि, सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट में जोखिम हमेशा रहता है। किसी एक सेक्टर पर अधिक निर्भरता कभी भी नुकसानदायक हो सकती है, अगर वह सेक्टर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न करे। लेकिन पैसिव फंड्स के जरिए इस रिस्क को बेहतर तरीके से मैनेज किया जा सकता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का मानना है कि पैसिव फंड्स के जरिए निवेशक अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। सेक्टोरल फंड्स, जैसे कि आईटी, बैंकिंग, या फार्मा, इन क्षेत्रों में उछाल आने पर अच्छा रिटर्न देते हैं। इन फंड्स में निवेश करने से निवेशक उस पूरे सेक्टर के लाभ का पूरा फायदा उठा सकते हैं। साथ ही, इन फंड्स में लिक्विडिटी भी अच्छी होती है, यानी निवेशक अपनी स्थिति के हिसाब से आसानी से अपने निवेश को भुना सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर बैंकिंग सेक्टर में तेजी आती है और आपको लगता है कि यह काफी समय तक बढ़ेगा, तो आप बैंकिंग पैसिव फंड्स में निवेश कर सकते हैं। यदि किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो आप अपने निवेश को बदल सकते हैं और दूसरी सेक्टरल फंड में ले सकते हैं।

पेज एक का शेष....

अमेरिका-इजराइल का...

हैं। इस हमले के कारण पश्चिम एशिया के कई देशों ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जिससे वैश्विक विमान सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। दक्षिण ईरान में एक स्कूल पर हुए हमले में 51 छात्रों समेत 54 की मौत की भी खबर है, जिससे मानवीय संकट गहरा गया है। रूस और ओमान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने की मांग की है। इजराइल दौरे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लौटते ही हुए इन हमलों के मायने भी निकाले जा रहे हैं।

ईरान ने जवाबी हमले 8 देशों पर धावा बोला: ईरान ने इन हमलों के जवाब में इजरायल और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं। जिसमें नुकसान भी हुआ है अबू धाबी में ईरानी मिसाइल के मलबे से एक व्यक्ति की मौत हो गई। बहरीन में स्थित अमेरिकी नौसेना मुख्यालय पर मिसाइल हमले की खबरें हैं। इजरायल के यरूशलेम और उत्तरी इजरायल के आसमान में धमाके सुने गए हैं, जहां इजरायली डिफेंस सिस्टम मिसाइलों को रोकने की कोशिश कर रहा है।

ईरान पर हुए हमले में भारी नुकसान: ईरान की राजधानी तेहरान, देजफुल और खार्ग द्वीप सहित ईरान के कई शहरों को निशाना बनाया गया। तेहरान में यूनिवर्सिटी स्ट्रीट और जम्हूरी जिले के पास कई मिसाइलें गिरीं। दक्षिण ईरान के होर्मोज़गन प्रांत में एक गर्ल्स स्कूल पर मिसाइल गिरने से 51 छात्रों समेत 54 की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हुए हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के कार्यालयों के पास भी धमाके हुए हैं, हालांकि उनके हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है।

इस्फहान परमाणु केंद्र पर हमला सैन्य कमांडर की मौत : शुरुआती रिपोर्टों और सैटेलाइट इमेजरी के अनुसार, इस्फहान परमाणु प्रौद्योगिकी केंद्र की इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं इजरायली अधिकारियों और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के चीफ मेजर जनरल मोहम्मद पाकपुर इस हमले में मारे गए हैं। पाकपुर को 2025 में पूर्व कमांडर हुसैन सलामी की मौत के बाद नियुक्त किया गया था। दावा किया गया है कि ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ मेजर जनरल आमिर हतामी भी तेहरान पर हुए हवाई हमलों में मारे गए हैं। आईआरजीसी के मेजर जनरल की ट्रंप को धमकी: इस बीच, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर यानी आईआरजीसी के मेजर जनरल इब्राहिम जब्बारी ने सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधे धमकी दे दी है। उन्होंने ऐसे हथियारों से हमला करने की बात की है जिससे अभी दुनिया अनजान है। दरअसल, आईआरजीसी के मेजर जनरल इब्राहिम जब्बारी ने धमकी देते हुए कहा कि ट्रंप को यह पता होना चाहिए कि आज हमने पुराने भंडार में मौजूद मिसाइलों को दागा, जल्द ही हम ऐसे हथियार का प्रदर्शन करेंगे जो अमेरिका ने पहले कभी नहीं देखे होंगे। वहीं,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान' शुरू होने के ऐलान करते हुए एक वीडियो के जरिए ईरानी जनता से कहा कि जब हम अपना काम पूरा कर लेंगे, तो आप अपनी सरकार पर कब्जा जमा लेना। वह आपकी होगी जिसकी बागडोर आप अपने हाथ में ले सकेंगे।

'सभी देशों की संप्रभुता-क्षेत्रीय...

क्षेत्र में शांति-स्थिरता से जुड़े सुरक्षा हित: पीएम: गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में संपन्न हुई इजरायल की यात्रा के तुरंत बाद ईरान पर अमेरिका-इजरायल का यह हमला हुआ है। जबकि पीएम ने अपनी यात्रा के दौरान इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत तेल अवीव के अन्य शीर्ष नेताओं के साथ हुई बातचीत में ये स्पष्ट कर दिया था कि हमारी वार्ता में गाजा समेत पश्चिम-एशिया संघर्ष के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई है। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के समर्थन से प्रस्तावित गाजा शांति योजना के पक्ष में है।

ये है भारतीय परामर्श ...

सावधानी बरतते हुए हर समय चौकन्ना रहने को कहा गया है। दूतावास ने सभी लोगों से जल्द ही अपना रजिस्ट्रेशन कूटनीतिक परिसर में कराने को भी कहा है। साथ ही इजरायली अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की गई है। अगले आदेश तक इजरायल के अंदर गैर-जरूरी कार्यों के लिए भारतीयों को बाहर न निकलने की सलाह भी दी गई है। स्थानीय मीडिया में चल रही खबरों, सरकारी आदेशों व आपातकालीन अलर्ट पर नजर बनाए रखें। जरूरी अपडेट के लिए **https://www.oref.org.il/eng** से जुड़े रहें। दूतावास भी इजरायली अधिकारियों के साथ निकट संपर्क में बना हुआ है, जिससे जरूरी जानकारियां साझा की जाती रहेंगी। फिलिस्तीन- फिलिस्तीन के रामल्लाह में भारत के प्रतिनिधि कार्यालय ने कहा, क्षेत्र के मौजूदा घटनाक्रम के बीच फिलिस्तीन में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों को ये अनुरोध किया जाता है कि वो स्थानीय सलाह के मद्देनजर सुरक्षा और आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन करें। इमरजेंसी के लिए कार्यालय ने +970592916418 और **repoffice@mea.gov.in,cons.ramallah@mea.gov.in** पर संपर्क बनाए रखें।

प्रस्थान पूर्व जांच...

हुए हैं। साथ ही व्यवधान को यथासंभव कम करने के लिए संचालन में आवश्यक बदलाव कर रही हैं। यात्रियों को प्रस्थान से पहले अपनी उड़ान स्थिति जांचने की सलाह दी जाती है। यदि आपकी उड़ान प्रभावित होती है तो कृपया वैकल्पिक यात्रा विकल्पों का पता लगाने या पूर्ण धनवापसी का विकल्प चुनने के लिए **t.co/9VuwyhxE9G** पर जाएं। हम इस अवधि के दौरान आपको अटूट समर्थन प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं'।

21 लोगों की ....

कि धमाके में घायल हुए छह लोगों की हालत गंभीर है। पटाखा फैक्टरी में धमाके पर राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुख जताया। हादसे में कई लोगों की जान गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हादसे के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली है और उन्हें पीड़ितों को हरसंभव मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया गया है।

कांग्रेस ने अमेरिका-इजराइल...

चिंताएं बढ़ी हैं। कई देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने संयम बरतने और कूटनीतिक समाधान की आवश्यकता पर बल दिया है। भारत ने भी इस क्षेत्र में जारी संघर्ष के बारे में चिंता जताई है और सभी पक्षों से संयम और शांति की अपील की है, साथ ही यह कहा है कि कूटनीति ही इस संकट का समाधान है।

कृषि मेला ज्ञान...

अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कृषि विकास मेला को हरियाणा की कृषि आत्मा का उत्सव बताया जो अन्नदाताओं के परिश्रम, संकल्प और नवाचार का महोत्सव है। मुख्यमंत्री ने भव्य आयोजन के लिए विश्वविद्यालय और सभी आयोजकों को बधाई व शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने होली के पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. बीआर काम्बोज ने स्मृति चिन्ह, शॉल व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगतिशील किसानों ने नवाचारों से कृषि क्षेत्र को गति दी है, जो हमारे अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं। इस मेले का थीम जल संरक्षण प्रति बूंद से अधिक फसल रखा गया है। उन्होंने कहा कि हमें समझना होगा कि पानी अनंत नहीं है। यह मेला किसानों को जल प्रबंधन की उन्नत तकनीकों से जोडक़र एक जन-आंदोलन का रूप लेगा। वैज्ञानिक शोध को हर खेत व हर किसान तक पहुंचाएं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक शोध को प्रयोगशाला तक सीमित न रखें, बल्कि हर खेत व हर किसान तक पहुंचाएं। किसान और वैज्ञानिक का सीधा संवाद ही कृषि को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। यह मेला किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों, उन्नत बीजों, नई तकनीकों और वैज्ञानिक सलाह से जोडने का एक सशक्त मंच है। यहां पर 150 से अधिक स्टॉल्स, आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, मिट्टी और पानी की जांच सुविधा, रोगग्रस्त फसलों की जांच व निदान, फसल प्रतियोगिता, लक्की ड्रॉ, ये सब मिलकर इस मेले को ज्ञान, नवाचार और प्रेरणा का संगम बना रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारे किसान ऐसी फसलों की पैदावार लें, जिसमें पानी की कम जरूरत होती है। सरकार ने ऐसी फसलों को बढ़ावा देने के लिए मेरा पानी-मेरी विरासत योजना वर्ष 2020 में शुरू की।

युद्ध से ऊर्जा सुरक्षा...

वजह से इनकी सुरक्षा पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

कच्चे-तेल की आवाजाही बाधित होगी : सेना के पूर्व सेवानिवृत्त अधिकारी मेजर जनरल एस.बी.एस अस्थाना ने बताया कि युद्ध के हालात आक्रामक होने पर होमुर्ज की खाड़ी से आने वाले तेल और व्यापार दोनों में बाधा आएगी। यही नहीं लाल सागर के इलाके में भी संकट गहरा सकता है। ये दोनों समुद्री मार्ग हैं, जिनसे भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के बाकी भागों तक तेल-गैस व जरूरी व्यापारिक आदान-प्रदान होता है। भारत के लिए चुनौती इस रूप में खड़ी होगी कि देश में तेल के दाम बढ़ेंगे, व्यापार रुकेगा और इसी के साथ-साथ हवाई मार्गों पर संचालन थमेगा। ऐसे हालात में हमें दुनिया में किसी और रास्ते से होते हुए तेल यानी अपनी ऊर्जा और व्यापार संबंधी बाकी जरूरतों को पूरा करने के लिए मशक्कत करनी पड़ेगी।

अब तो ये अहंकार की लड़ाई बनेगी : मेजर जनरल अस्थाना ने ये भी कहा कि जहां तक लड़ाई की बात है तो हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। क्योंकि अब दोनों पक्षों के लिए बात अहंकार के साथ-साथ अपने-अपने मान सम्मान को बनाए रखने की होगी। ईरान कहीं से भी झुकेगा यान सरेंडर नहीं करेगा। क्योंकि जो कट्टरपंथी शासक होते हैं, वो कभी झुकते नहीं हैं। भले ही उन्हें मरना ही क्यों न पड़े। ऐसे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ऐसी कोई उम्मीद ईरान से नहीं लगानी चाहिए। बिना ईरानी आत्मसमर्पण के तेहरान में तख्तापलट नहीं होगा। तख्तापलट करने के लिए अमेरिका को वहां अपनी फौज उतारनी पड़ेगी। जिसके लिए एक बार फिर से अफगानिस्तान जैसी परिस्थिति बन जाएगी, जिसके लिए खुद अमेरिका की जनता अपने राष्ट्रपति के पक्ष में खड़ी नहीं होगी। इस अभियान की एक खास बात ये भी है कि इसमें अमेरिका को यूरोपीय देशों की मदद नहीं मिल रही है।

यूएई, सऊदी अरब पर भारत की नजर : विदेश मामलों के वरिष्ठ पत्रकार रंजीत कुमार ने कहा कि क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच मिसाइलों का आदान-प्रदान हो रहा है, अमेरिकी युद्धपोत इलाके के समुद्री क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं और उनकी सीधी नजर तेहरान में ईरान के पावर सेंटर पर बनी हुई है। वो उसे नष्ट करने की कोशिश करेंगे। पहले ही उनकी तरफ से (अमेरिकी पक्ष) ये दावा किया जा रहा है कि उन्होंने अपने हमले में ईरान के परमाणु मामलों के प्रमुख और खामनेई के करीबी को मार दिया है। जिसे देखकर लगता है कि अब ये लड़ाई रुकने वाली नहीं है। भले ही यह ईरान के लिए आत्मघाती ही क्यों न हो? वह इसे हर कीमत पर जारी रखेगा। वहीं, इसका सबसे बड़ा खतरा ये है कि पश्चिम-एशिया के बाकी देश जैसे यूएई, सऊदी अरब अगर पूरी तरह से लड़ाई की चपेट में आ जाते हैं। तो भारत को बहुत ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि क्षेत्र में भारत के 90 लाख से ज्यादा कामगार रहते हैं। दोनों देशों में भी भारतीयों की अच्छी तादाद है।

अक्षय पात्र ने दिल्ली में मॉर्निंग न्यूट्रिशन प्रोग्राम लॉन्च किया, बाल पोषण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का विस्तार

नई दिल्ली। भारत सरकार के पीएम पोषण (मिड-डे मील योजना) के कार्यान्वयन भागीदार "द अक्षय पात्र फाउंडेशन" ने दिल्ली में मॉर्निंग न्यूट्रिशन प्रोग्राम का शुभारंभ किया। यह पहल बाल पोषण को सुदृढ़ करने के साथ-साथ फाउंडेशन के उस संकल्प को भी साकार करती है कि भारत में कोई भी बच्चा भूख के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। इस पहल का उद्देश्य पिछले 6 वर्षों में अक्षय पात्र के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए 90,000 स्कूली बच्चों को रेडी-टू-ईट मॉर्निंग एनर्जी स्नैक्स प्रदान करना है। मॉर्निंग न्यूट्रिशन प्रोग्राम प्रारंभिक पोषण की उस महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित करेगा, जो बच्चों के संज्ञानात्मक विकास, कक्षा में सहभागिता और दीर्घकालिक अधिगम परिणामों को सीधे प्रभावित करती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता उपस्थित रहीं। साथ ही एमसीडी शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा, तथा भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर अक्षय पात्र के सह-संस्थापक एवं उपाध्यक्ष चंचलापति दास तथा अक्षय पात्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष भरतर्षभ दास भी उपस्थित थे। अक्षय पात्र ने वर्ष 2019 में गोल मार्केट में अपनी पहली रसोई स्थापित कर दिल्ली में कार्य प्रारंभ किया था, जिसकी क्षमता 20,000 बच्चों को भोजन प्रदान करने की है। अब दिल्ली में छह वर्ष पूर्ण करते हुए, फाउंडेशन समयपुर बादली, जहांगीरपुरी, मोहन कोऑपरेटिव और गोल मार्केट स्थित रसोइयों के माध्यम से प्रतिदिन सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के 90,000 से अधिक बच्चों को मिड-डे मील प्रदान कर रहा है।

रेल पहिया कारखाना, बेला में महिला कर्मियों द्वारा मिलन समारोह का आयोजन

नई दिल्ली। सारण जिले के दरियापुर स्थित रेल पहिया कारखाना, बेला में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व अवसर पर महिला कर्मियों द्वारा एक भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कारखाना परिसर में उत्साह, आत्मीयता और सम्मान का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती अनीता कुमारी गुप्ता (अध्यक्षा-महिला कल्याण संगठन, रेल पहिया कारखाना/बेला) के कर कमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला कर्मचारियों के बीच आपसी समन्वय, संवाद एवं सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा देना था। समारोह में महिला कर्मियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा कार्यस्थल पर उनकी भूमिका, उपलब्धियों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर श्रीमती अनीता कुमारी गुप्ता ने महिला कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उत्पादन, गुणवत्ता, सुरक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और वे संस्थान की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, प्रेरक वक्तव्य एवं सामूहिक संवाद सत्र का भी आयोजन किया गया, जिससे महिला सशक्तिकरण का संदेश और अधिक सुदृढ़ हुआ। समारोह मे, नीतू, मधुसूमन, वसीका, खनम, सोनाली, प्रीति, जुली, सीमा, सीता, अर्चना, गीता, पाखी, विद्योतमा, कोमल, सिंधु, लक्ष्मी, प्रेमलता, सहित अन्य महिलाओ ने भाग लिया।

के.आर. मंगालम यूनिवर्सिटी में 'कलाउत्सव 2.0' का भव्य आयोजन

नई दिल्ली। के.आर. मंगालम यूनिवर्सिटी के वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'कलाउत्सव 2.0' का आयोजन 26 एवं 27 फरवरी 2026 को यूनिवर्सिटी परिसर स्थित सनकन ग्राउंड में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ किया गया। यह दो दिवसीय महोत्सव विश्वविद्यालय की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, रचनात्मक अभिव्यक्ति और युवा ऊर्जा का भव्य उत्सव रहा। कलाउत्सव 2.0 का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी कलात्मक प्रतिभा, रचनात्मकता एवं टीमवर्क के प्रदर्शन हेतु एक सशक्त और प्रेरणादायक मंच प्रदान करना था। इस आयोजन में के.आर. मंगालम यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों के साथ-साथ विभिन्न अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिला। द्वितीय दिवस (27 फरवरी 2026) का आयोजन विशेष रूप से ऊर्जा, संगीत और लय से परिपूर्ण रहा। इस दिन एकल एवं समूह नृत्य प्रतियोगिताओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जहाँ प्रतिभागियों ने विभिन्न नृत्य शैलियों के माध्यम से भाव-प्रस्तुति, तालमेल और सृजनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। संगीतमय माहौल को और अधिक जीवंत बनाते हुए एकल गायन तथा बहुप्रतीक्षित बैटल ऑफ बैंड्स का आयोजन किया गया। प्रतिभाशाली गायकों और बैंड्स ने अपनी सशक्त प्रस्तुतियों से समूचे परिसर को उत्साह और तालियों की गूंज से भर दिया। महोत्सव का समापन एक रोमांचक इंटरनेशनल डीजे परफॉर्मेंस के साथ हुआ।

उत्तर प्रदेश के सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में मिलेगा आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को नए साल का बड़ा उपहार देने जा रहे हैं। अब प्रदेश के सभी कैंटोनमेंट (छावनी) अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारकों को विश्वस्तरीय और मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज) जल्द ही प्रदेश के 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों के साथ एमओयू साइन करने जा रही है। इस पहल से गरीब और जरूरतमंद नागरिकों को सेना क्षेत्र के अस्पतालों की आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित होगा।

पारदर्शी प्रक्रिया और आधुनिक चिकित्सा का संगम

साचीज की एसीईओ डॉ. पूजा यादव ने बताया कि सभी 12 अस्पतालों में प्रक्रियाओं को आयुष्मान योजना के नियमों के अनुरूप ढाला जा रहा है। एमओयू के बाद इन अस्पतालों को सीधे पोर्टल से जोड़ा जाएगा, जिससे बिलिंग और क्लेम सेटलमेंट की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और डिजिटल होगी। इससे न केवल मरीजों को उच्च स्तरीय विशेषज्ञ सेवाएं मिलेंगी, बल्कि सरकारी अस्पतालों पर बढ़ने वाला अतिरिक्त बोझ भी कम होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तीय बैठक में होली के अवसर पर प्रशासन को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आबकारी विभाग को विशेष सतर्कतता बरतते हुए अवैध और जहरीली शराब उत्पादन व बिक्री को पूर्णतः रोकने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने परिवहन निगम की बसों का फिटनेस सुनिश्चित करने और नए रूट चिह्नित करके उनपर निजी क्षेत्र के सहयोग से बसें चलवाने के भी निर्देश दिए हैं।

फरहान का शतक बेकार, न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया

पाकिस्तान जीतकर भी टी-20 वर्ल्ड कप से हुआ बाहर, श्रीलंका को 5 रन से हराया

पाक को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए श्रीलंका को 65 रन से हराना था

एजेंसी पाल्लेकल

कप्तान दासुन शनाका (नाबाद 76) की शानदार पारी श्रीलंका को पांच रन की करीबी हार से नहीं बचा सकी लेकिन पाकिस्तान को शनिवार को यहां टी-20 विश्व कप से बाहर कर दिया जिससे न्यूजीलैंड ग्रुप दो से शीर्ष पर काबिज इंग्लैंड के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया। श्रीलंका को लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी ओवर में 24 रन चाहिए थे। श्रीलंकाई कप्तान शनाका ने शाहीन शाह अफरीदी (48 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर लगातार तीन छक्के और एक चौका मारे जिससे आखिरी गेंद पर छह रन की जरूरत थी। लेकिन शनाका ने आखिरी गेंद को यह सोचकर छोड़ दिया कि इसे वाइड कहा जाएगा जिसे मैदानी अंपायर ने वाइड करार नहीं दिया। शनाका ने 31 गेंद की नाबाद पारी में आठ छक्के और दो चौके लगाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उनके अलावा पवन रत्नायके ने 58 रन की अर्धशतकीय पारी खेलीं। इससे श्रीलंका ने पाकिस्तान के आठ विकेट पर 212 रन के स्कोर के जवाब में सात विकेट पर 206 रन बनाए। पाकिस्तान को अंतिम चार में जगह बनाने के लिए न्यूजीलैंड (1.390) को नेट रन रेट से पीछे छोड़ने के लिए श्रीलंका को 147 रन के अंदर समेटना था।

शनाका ने नाबाद 76 रन की पारी खेली

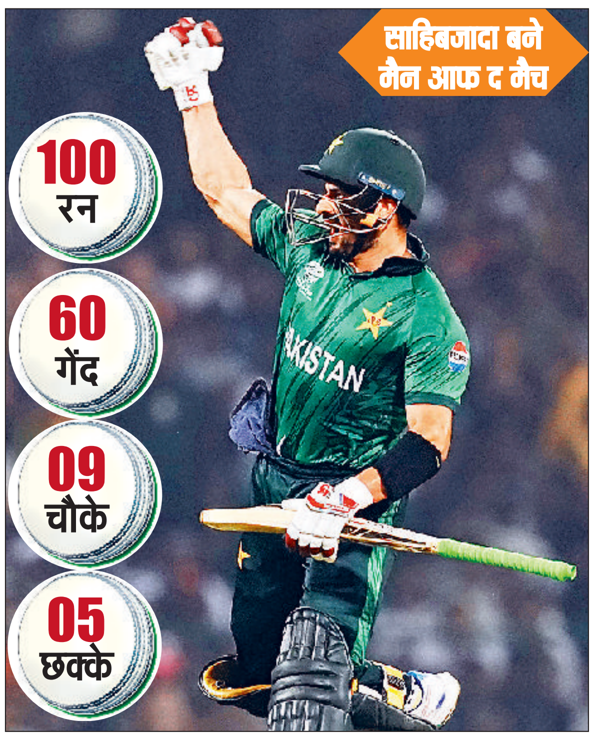

पाक-212/8 (20)

खिलाड़ी	रन
फरहान का लियानागे बो मदुशंका	100
फखर जमां बो चामीरा	84
ख्वाजा का असालंका बो मदुशंका	02
शादाब खान रन आउट	07
नवाज का तीक्षणा बो शनाका	00
आगा का तीक्षणा बो शनाका	00
उस्मान खान नाबाद	08
शाहीन पगबाधा बो मदुशंका	04
नसीम शाह रन आउट	01
अबरार अहमद नाबाद	00

अतिरिक्त : 06
कुल योग : 20 ओवर में आठ विकेट पर 212 रन
गेंदबाजी: दिलशान 4-0-33-3, दुष्मंता 4-0-48-1, महीश 4-0-35-0, शनाका 4-0-42-2, दुनिथ 3-0-37-0, जनिथ 1-0-14-0

श्रीलंका-207/6 (20)

खिलाड़ी	रन
पाथुम का नवाज बो नसीम	03
कामिल मिशारा बो अबरार	26
चरिथ असालंका बो अबरार	25
पवन का सब बो अफरीदी	58
कामिंडु मेंडिस बो अबरार	03
जनिथ लियानागे बो नवाज	05
दासुन शनाका नाबाद	76
दुनिथ वेलालगे नाबाद	02

अतिरिक्त : 09
कुल योग : 20 ओवर में छह विकेट पर 207 रन
गेंदबाजी: शाहीन 4-0-48-1, शाह 4-0-36-1, अहमद 4-0-23-3, तारिक 4-0-43-0, नवाज 2-0-21-1, शादाब 2-0-33-0

'करो या मरो' के मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा भारत, गेंदबाजी में करना होगा प्रभावशाली प्रदर्शन

आज शाम 7 बजे से ईडन गार्डन्स में रोमांचक मुकाबला

एजेंसी कोलकाता

भारतीय बल्लेबाज अब अपने पुराने रंग में दिख रहे हैं लेकिन गेंदबाज अब भी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और ऐसी परिस्थितियों में वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल जैसे सुपर आठ के मैच में उसे इस विभाग में अपना बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वेस्टइंडीज की दक्षिण अफ्रीका से हार और भारत की जिम्बाब्वे पर जीत ने ग्रुप एक के सुपर आठ के इस मैच को दोनों टीम के लिए करो या मरो जैसा बना दिया है। इसलिए अब दोनों टीम कोई कसर नहीं छोड़ेंगी और ऐसे में ईडन गार्डन्स में एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। इस मैच के विजेता को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मार्च को दूसरे सेमीफाइनल में खेलने का मौका मिलेगा।

'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने गए मिचेल और मोस्टरी

एजेंसी दुबई

डेरिल मिचेल और सोभना मोस्टरी को जनवरी महीने के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड' दिया गया है। मिचेल ने न्यूजीलैंड को भारत में वनडे सीरीज में जबरदस्त जीत दिलाई थी। वहीं, मोस्टरी ने आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया था।

मिचेल ने सूर्यकुमार और रूट को पीछे छोड़ा

मिचेल ने इस अवॉर्ड के लिए भारत के सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के जो रूट को पीछे छोड़ दिया। मिचेल ने न्यूजीलैंड के भारत दौरे की 50 ओवर की सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने वनडे फॉर्मेट में अपनी टीम की सफलता दिलाने में अहम योगदान दिया। न्यूजीलैंड की टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज में 0-1 से पीछे थी, जिसके बाद मिचेल ने लगातार दो सेंचुरी लगाकर उस सीरीज को पलट दिया। मिचेल ने सीरीज के पहले मैच में 84 रन बनाने के बाद अगले दो मुकाबलों में 131* और 137 रन की पारी खेली थी। उनकी इस शतकीय पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने सीरीज के अंतिम दो मुकाबले जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी।

सोभना ने बनाए 145.85 के स्ट्राइक रेट से 229 रन

दूसरी ओर, बांग्लादेश की सोभना मोस्टरी ने महिलाओं की श्रेणी में जनवरी माह का 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का अवॉर्ड अपने नाम किया। सोभना ने बांग्लादेश को ग्लोबल क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में बिना हारे रहने में मदद करने में अहम भूमिका निभाई। उस टूर्नामेंट के अपने पहले छह मैचों में मोस्टरी ने 45.80 की औसत और 145.85 के स्ट्राइक रेट से 229 रन बनाए। सोभना के साथ महिलाओं की श्रेणी में इस अवॉर्ड के लिए गैबी लुईस और तारा नॉरिस को नॉमिनेट किया गया था।

खबर संक्षेप

सिंधू दुबई में फंसी, उड़ानों का संचालन निलंबित

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शनिवार को प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के लिए जाते समय दुबई हवाईअड्डे पर फंस गईं क्योंकि मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण उड़ान संचालन निलंबित कर दिया गया। यह टूर्नामेंट अगले मंगलवार से शुरू होना है। सिंधू ने इंस्टाग्राम पर एक भीड़भाड़ वाले हवाईअड्डे का वीडियो साझा करते हुए लिखा, ''सभी उड़ानें अगली सूचना तक निलंबित।''

मुशफिकुर रहीम सऊदी अरब में फंसे

नई दिल्ली। बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ईरान पर अमेरिका के हमलों के कारण हवाई सेवाएं बाधित होने से उमराह यात्रा से लौटते समय जेद्दा में फंस गए। अमेरिका और इजराइल ने शनिवार को ईरान पर एक बड़ा हमला शुरू किया, जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान की जनता से 1979 से देश पर शासन कर रहे इस्लामी नेतृत्व को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। सैन्य हमलों के कारण खाड़ी क्षेत्र में हवाई सेवा बंद हो गयी है और अमीरात और एयर इंडिया सहित कई उड़ानें बाधित हुई हैं।

खेल मेरे खून में रचा बसा है: ज्योति सिंह

बेंगलुरु। 21 वर्षीय ज्योति सिंह भारतीय हॉकी में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने कहा कि खेल उनके खून में रचा बसा है। झांसी में जन्मी ज्योति ने महिला जूनियर विश्व कप में भारत की कप्तानी की और पिछले साल सीनियर टीम में भी पदार्पण किया, जिसमें उन्होंने प्रो लीग के चार मैचों में भाग लिया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

जम्मू-कश्मीर ने 67 साल में पहली बार जीती रणजी ट्रॉफी, 8 बार की चैंपियन कर्नाटक से छीना खिताब

कर्नाटक के खिलाफ ड्रॉ रहे फाइनल में पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीता जम्मू कश्मीर

एजेंसी हुबली

जम्मू कश्मीर ने अपने जोश और जज्बे का शानदार नमूना पेश करते हुए शनिवार को कर्नाटक के खिलाफ ड्रॉ रहे फाइनल में पहली पारी की बढ़त के आधार पर पहली बार रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीतकर 67 साल का इंतजार खत्म किया और अपना नाम इतिहास में दर्ज कर दिया। जम्मू कश्मीर ने यह शानदार जीत 8 बार के चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ दर्ज की। उसने पांच दिन तक चले मुकाबले में शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा और इस सत्र में अपने अभियान का शानदार अंत किया।

जम्मू कश्मीर ने पहली पारी में बनाए थे 584 रन

जम्मू कश्मीर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 584 रन बनाए थे, जिसके जवाब में कर्नाटक की टीम 293 रन ही बना पाई थी। इस तरह से जम्मू कश्मीर को 291 रन की बढ़त मिली और उसने कर्नाटक को फॉलोआन के लिए आमंत्रित करने की बजाय दूसरी पारी खेलने का फैसला किया। मैच के पांचवें और अंतिम दिन जम्मू कश्मीर ने जब अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 342 रन बनाए थे तब दोनों टीम के कप्तान मैच को ड्रॉ करने पर सहमत हो गए और जम्मू कश्मीर पहली बार चैंपियन बन गया। इस तरह से जम्मू कश्मीर में अपनी कुल बढ़त 633 रन कर दी थी।

67 साल पहले राष्ट्रीय टूर्नामेंट में लिया था हिस्सा

रणजी ट्रॉफी का इतिहास 92 साल पुराना है लेकिन जम्मू कश्मीर की टीम ने 67 साल पहले पहली बार इस राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। एक समय उसे कमजोर टीम माना जाता था लेकिन अब उसने अपने कौशल और दृढ़ संकल्प से खुद को मजबूत टीम साबित कर दिया। जम्मू-कश्मीर 2013-14, 2019-20 और 2024-25 के सत्र में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था, लेकिन लेकिन वह इससे आगे बढ़ने में नाकाम रहा था। लेकिन केएससीए स्टेडियम में पिछले पांच दिनों में किसी भी समय ऐसा नहीं लगा कि उसके खिलाड़ी पहली बार रणजी ट्रॉफी का फाइनल खेल रहे हैं।

तीसरा महिला वनडे : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्लीन स्वीप से बचने उतरेगी टीम इंडिया

तीसरा वनडे आज : महिला टीम को करना होगा बल्लेबाजी की कमजोरी दूर

एजेंसी होबार्ट

पहले दो मैचों में बुरी तरह हारने के बाद बैकफुट पर खड़ी मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को होने वाले तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अगर जीत हासिल करके अपनी प्रतिष्ठा कुछ हद तक बचानी है तो उसको अपनी बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर करना होगा। भारतीय टीम पहले दोनों मैच में चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में नाकाम रही और ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी परेशानी के लक्ष्य हासिल करके श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। यह लगातार

12वां अवसर है जबकि भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया से वनडे श्रृंखला गंवाई। असल में भारत अभी तक अपने इस प्रतिद्वंदी से द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीत पाया है।

जेमिमा-दीप्ति का बल्ला खामोश

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को अगर क्लीन स्वीप से बचना है तो उसके बल्लेबाजों को अपने खेल में आमूलचूल सुधार करना होगा। युवा सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने पहले मैच में शून्य पर आउट होने के बाद शानदार वापसी करते हुए अर्धशतक बनाया, वहीं स्मृति मंधाना ने दोनों मैचों में क्रमशः 31 और 58 रन बनाए। हरमनप्रीत ने भी दो अर्धशतक जड़े। लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा जैसी सीनियर बल्लेबाज अभी तक कोई खास योगदान नहीं दे पाए हैं, जिससे टीम को नुकसान पहुंचा है।

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई 2026 सीजन की धमाकेदार शुरुआत

नई दिल्ली। वर्ष 2026 सीजन के शुरुआती महीने ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई का आकार और मजबूती लगातार बढ़ रही है। टूर ने कुछ ही समय में नया रायपुर, दिल्ली और कोलकाता में तीन महत्वपूर्ण टूर्नामेंट आयोजित किए, और फिर 72वें लीग की घोषणा के साथ एक नया आयाम जोड़ा है। ये सभी घटनाक्रम दर्शाते हैं कि टूर न केवल अपनी पहुंच में, बल्कि अपने सार में भी विस्तार कर रहा है। इस प्रगति का एक प्रमुख मापदंड पुरस्कार राशि है। सीजन के शुरुआती घरेलू चरण में, डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ने 1.5 करोड़ रुपये के पुरस्कार राशि वाले तीन टूर्नामेंट आयोजित किए, जिससे कुल पुरस्कार राशि 4.5 करोड़ रुपये हो गई। यह भारतीय पेशेवर गोल्फ के वित्तीय पैमाने में एक महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है। सीजन की शुरुआत नया रायपुर में 3 से 6 फरवरी तक आयोजित एसईसीएल छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप से हुई। यह आयोजन न केवल 1.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के कारण, बल्कि इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसे किसी पारंपरिक महानगर के बजाय एक उभरते हुए बाजार में आयोजित किया गया था।

एशियाई मुक्केबाजी: भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी लवलीना और निकहत

11 अप्रैल तक मंगोलिया में चलेगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ज़रीन 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। भारत ने एक महीने तक चली गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के

बाद 20 सदस्यीय टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। चयन नीति के अनुसार एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए चुना जाएगा। इससे इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का महत्व बढ़ गया है।

प्रीति, अरुंधति और प्रिया टीम में शामिल

स्पेन में हाल ही में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली लवलीना (75 किग्रा) महिला टीम की अगुवाई करेंगी। स्पेन में स्वर्ण पदक जीतने वाली अन्य खिलाड़ियों प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) को भी टीम में शामिल किया गया है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम में शामिल हैं। महिला वर्ग में अन्य खिलाड़ियों में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता निकहत ज़रीन (51 किग्रा), अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक) को टीम में जगह दी गई है।

प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव : मास्टर्स वर्ग का तीसरा दौर

अरविंद ने खेला ड्रॉ, गुकेश को मिली फोरेस्ट से हार

एजेंसी प्राग

विश्व चैंपियन डी गुकेश को प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के तीसरे दौर में नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से हार का सामना करना पड़ा, जबकि अरविंद चिदंबरम ने ईरान के परहम मगसूदलू के साथ ड्रॉ खेला। टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश में लगे गुकेश ने वैन फोरेस्ट के खिलाफ शुरू से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। वह मैच में किसी भी समय अपनी पकड़ नहीं बना पाए। फोरेस्ट ने सफेद मोहरों से खेलते हुए रूय लोपेज शैली का इस्तेमाल किया और टार्टाकोवर वेरिएशन में बिशप की जोड़ी के साथ शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। इससे भारतीय खिलाड़ी दबाव में आ गया और उन्हें अपना एक मोहरा गंवाना पड़ा। तकनीकी पेचीदगियां तो बनी रहीं, लेकिन तब तक फोरेस्ट जीत की स्थिति में नहीं दिख रहे थे। रानी के आदान-प्रदान के बाद गुकेश की स्थिति खराब हो गई और फोरेस्ट ने 48 चाल में जीत हासिल की।

फोरेस्ट ने हासिल की फिर से संयुक्त बढ़त

इस जीत से फोरेस्ट ने फिर से संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। वह इस प्रतियोगिता में एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिनके तीनों मैच को निर्णय निकला। फोरेस्ट के दो अंक हैं और वह उज़्बेकिस्तान की जोड़ी नोदिरबेक याकुबोए और नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव तथा स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। दस खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे हैं इस टूर्नामेंट में अभी छह दौर का खेल होना बाकी है। गुकेश, जर्मनी के शीर्ष वरीयता प्राप्त विन्सेंट कीमर, अमेरिका के हैंस मोके नीमन और मगसूदलू सातवें स्थान पर हैं। इन सभी ने अपने तीन मैचों में एक-एक अंक हासिल किया है।

In The Court Of XXXIV Civil Judge Class-1 District Court, Jabalpur
presiding officer: ऋचा बठेजा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS B/0000142/2025) process id- 135/2026
पेशी दिनांक: 13/03/2026 //इश्तहार//

मि. श्री जगदम्बा कलेक्शन, प्रो. राजकुमार बुधरानी....**वादी विरूद्ध** मि. रविन्द्र गारमेंट्स, श्री रविन्द्र मेहतानी.... **प्रतिवादी।** प्रेषिती-1. मि. रविन्द्र गारमेंट्स, रविन्द्र मेहतानी पता- 1313 प्रथमतल हनुमान मंदिर के सामने गांधी नगर इस्ट दिल्ली-110031 यह कि प्रार्थी मि. श्री जगदम्बा कलेक्शन, प्रो. राजकुमार बुधरानी ने आपके विरूद्ध आरसीएस बी वाद पत्र वास्ते अंतर्गत आदेश 37 नियम 1 एवं 2 सी पी सी अंतर्गत धन वसूली हेतु के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिए उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति मे हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे य प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगें तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निरकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 23 फरवरी 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

मोहर (ऋचा बठेजा)
34वें व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड जबलपुर (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

-:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ::-

क्रं./ 384/लो.क.वि./न.पा./2026 कुम्हारी, दिनांक 25/02/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
186317	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumhari, Chhattisgarh	112.45	19.03.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुम्हारी

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 25.02.2026

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र	नि.आ.सू.क्र. दिनांक	सिस्टम आई डी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित
1.	07/CE/NH/TC / 44-89/2025 (2nd Call)	2026_MoRTH_900175_1	Widening and strengthening with paved shoulder from km. 25.530 To km. 31.540 = 6.010 km. and reconstruction of box cell in km. 25.700, km. 25.925, km. 26.875, km. 27.150, km. 27.225, km. 28.900, km. 30.200, and 31.200 (HPC) Of NH-30 (Old NH-221) In the state of Chhattisgarh through EPC basis.	Rs. 30.09 Cr.

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 27.03.2026 शाम 11.00 बजे तक है।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H's) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)
G-252606970/11

ईरान की राजधानी तेहरान में धुंआ-धुंआ।

नेतन्याहू बोले- ईरान का परमाणु हथियार हासिल करना मानवता के लिए 'खतरा'

- कई देशों ने जताई चिंता, हमले रोकने की अपील, कूटनीतिक समाधान की दी सलाह
- ब्रिटेन बोला- ईरान को कभी भी परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दें

यूएस-इजराइल का ईरान पर संयुक्त हमला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में अचानक सैन्य तनाव बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। इजराइल और अमेरिका ने ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान ईरान से पैदा हुए अस्तित्व के खतरे को खत्म करने के लिए शुरू किया गया है। इस कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में बड़े युद्ध की आशंका को तेज कर दिया है। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल और अमेरिका ने

मिलकर ईरान के आतंकी शासन के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया है। ईरानी शासन लंबे समय से इजराइल और अमेरिका के खिलाफ हिंसक नारे और गतिविधियां चलाता रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा शासन परमाणु हथियार हासिल कर ले तो पूरी मानवता के लिए खतरा बन सकता है। नेतन्याहू ने मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन को ऐतिहासिक बताया।

ईरान के नागरिकों ने अमेरिका-इजराइल हमले के विरुद्ध सड़कों पर प्रदर्शन किया

हमले में घायल ईरानी नागरिक

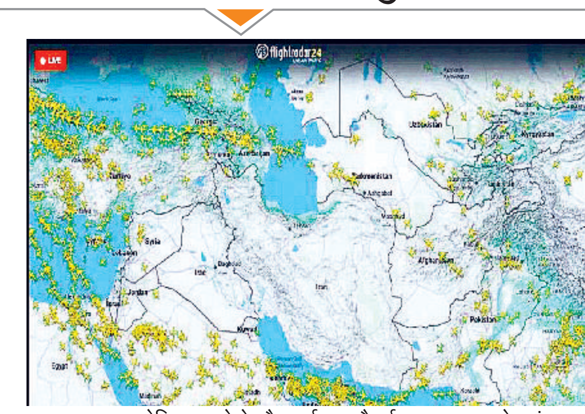
इजराइल-अमेरिका हमले के दौरान ईरान और ईराक का एयरस्पेस बंद हुआ

ईरान के हमले के बाद इजराइल के नागरिक बंकर में

खामेनेई के घर पर हमले के बाद की सेटेलाइट इमेज

जंग से भारत की 50% तेल सप्लाई पर संकट

होर्मुज रूट बंद हुआ तो 10% निर्यात भी खतरे में, सोना-चांदी महंगा हो सकता है

ईरान और इजराइल के बीच शुरू हुई जंग का असर भारत के तेल, व्यापार, शेयर बाजार और सोना-चांदी की कीमतों पर दिख सकता है। दोनों देशों के बीच युद्ध और बढ़ता है तो होर्मुज स्ट्रेट बंद हो सकता है। इससे भारत को हर महीने होने वाली तेल सप्लाई का आधा हिस्सा खतरे में पड़ जाएगा। इसके अलावा भारत का नॉन-ऑयल एक्सपोर्ट भी प्रभावित हो सकता है। इसका 10% से ज्यादा हिस्सा इस क्षेत्र से सप्लाई होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जंग बढ़ने से कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। तेल महंगा होने से महंगाई बढ़ती है और इसका असर शेयर बाजार पर भी पड़ेगा। ऐसे हालात में बाजार में बड़ी बिकवाली और गिरावट देखने को मिल सकती है। दूसरी तरफ, जब दुनिया में तनाव बढ़ता है तो निवेशक सुरक्षित विकल्प की ओर जाते हैं। ऐसे समय में लोग सोना और चांदी खरीदना पसंद करते हैं। इसलिए इनकी कीमतों में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

इजराइल ने जानबूझकर हमला किया: नॉर्वे

नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ने कहा कि इजराइल के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप नहीं हैं। इजराइल इसे एहतियात के तौर पर किया गया हमला बता रहा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एहतियात के तौर पर हमले तभी सही माने जाते हैं, जब खतरा तुरंत और स्पष्ट रूप से सामने हो।

हम ईरान के साथ: पाकिस्तान

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने ईरान पर हुए हमलों की आलोचना की। उन्होंने तनाव को तुरंत रोकने और संकट के शांतिपूर्ण, बातचीत के जरिये समाधान के लिए दोबारा कूटनीति शुरू करने की अपील की और कहा कि पाकिस्तान का पूरा समर्थन ईरान के साथ है।

अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई एकतरफा: स्पेन

स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज ने अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई को एकतरफा कदम बताते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय तनाव बढ़ाने वाला बताया है। सांचेज ने कहा कि ऐसी कार्रवाई वैश्विक व्यवस्था को और अस्थिर तथा टकरावपूर्ण बना सकती है। हालांकि उन्होंने ईरान सरकार और रिवोल्यूशनरी गार्ड की गतिविधियों को भी स्वीकार्य नहीं बताया। स्पेन ने सभी पक्षों से तुरंत तनाव कम करने और अंतरराष्ट्रीय कानून का पूरी तरह सम्मान करने की मांग की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मौजूदा संकट का समाधान केवल कूटनीतिक बातचीत और शांतिपूर्ण रास्ते से ही संभव है।

कार्रवाई क्षेत्रीय संघर्ष में न बदले: ब्रिटेन

ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर ने कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और इसीलिए हमने बातचीत के जरिए समाधान तक पहुंचने के प्रयासों का लगातार समर्थन किया है। हम नहीं चाहते कि यह मामला और बढ़कर एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष में तब्दील हो जाए। ब्रिटेन ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में भाग नहीं लिया। हमारी तत्काल प्राथमिकता इस क्षेत्र में मौजूद ब्रिटेन के नागरिकों की सुरक्षा है, जिन्हें चौबीसों घंटे सातों दिन राजनयिक सहायता प्रदान की जाएगी।

ईरान के साथ बातचीत बहाना था: रूस

रूस ने अमेरिका और इजराइल से ईरान में तुरंत हमले रोकने की अपील की। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्हें मौजूदा स्थिति से राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान के रास्ते पर लौटना चाहिए। रूस पहले की तरह अंतरराष्ट्रीय कानून, आपसी सम्मान और हितों के संतुलन के आधार पर शांतिपूर्ण समाधान खोजने के प्रयासों में सहयोग देने के लिए तैयार है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिका पर तंज कसते हुए कहा कि शांति दूत फिर सक्रिय हो गया है। ईरान के साथ बातचीत सिर्फ एक बहाना था। यह सबको पता था।

सभी पक्षों से संयम की अपील: ईयू

यूरोपीय संघ (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई है। सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मौजूद अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

कार्रवाई का समर्थन: ऑस्ट्रेलिया पीएम

ऑस्ट्रेलिया के पीएम अल्बानीज ने कहा कि हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को लगातार खतरा पहुंचाने से रोकने के लिए अमेरिका द्वारा की गई कार्रवाई का समर्थन करते हैं।

मध्यस्थता के लिए तैयार: इंडोनेशिया

इंडोनेशिया के विदेश मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो वॉशिंगटन और तेहरान के बीच संवाद कराने के लिए तैयार हैं। इंडोनेशिया ने सभी पक्षों से संयम बरतने और संवाद व कूटनीति को प्राथमिकता देने की अपील की है।

समाधान नहीं निकला ये दुःखद: बेल्जियम

बेल्जियम के विदेश मंत्री मैक्सिम प्रेवो ने कहा कि यह बेहद अफसोस की बात है कि कूटनीतिक प्रयास पहले किसी बातचीत से समाधान तक नहीं पहुंच पाए। ईरानी जनता को अपनी सरकार के फैसलों की कीमत नहीं चुकानी चाहिए।

ईरान के समाचार माध्यमों पर साइबर हमला

ईरान पर अमेरिकी और इजराइली मिलिट्री हमलों के बाद ईरान की कई सरकारी न्यूज एजेंसियों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर साइबर हमले हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मिलिट्री कार्रवाई में बढ़ोतरी के साथ-साथ साइबर ऑपरेशन की एक 'बड़ी लहर' शुरू हो गई है, जिसमें कई बड़े घरेलू मीडिया प्लेटफॉर्म पर रुकावट या ऑपरेशनल दिक्कतें आ रही हैं। ईरान की सरकारी न्यूज़ एजेंसी आईआरएनए और सेमी ऑफिशियल आईएसएनए न्यूज एजेंसी की वेबसाइटें उन आउटलेट्स में शामिल थीं जिन्हें कथित तौर पर हैक कर लिया गया या उन्हें एक्सेस में दिक्कतें आ रही थीं।

कांग्रेस 'कायरों की सेना': भाटिया

भाजपा ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर सैन्य हमले शुरू करने के मामले में पीएम नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने के लिए कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस 'नंगई' पर उतर आई है। यह कायरों की सेना है। किसी भी संवेदनशील घटनाक्रम पर नकारात्मक टिप्पणी करना कांग्रेस का स्वभाव बन गया है। उसे मौजूदा स्थिति के बीच 'बचकाना बयान' देने से बचना चाहिए और मोदी सरकार पर भरोसा रखना चाहिए।

भारतीय नागरिकों की सुरक्षा करे केंद्र: राहुल

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती शत्रुता बेहद चिंताजनक है। पूरे पश्चिम एशिया में प्रत्येक भारतीय नागरिक की सुरक्षा और संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मैं भारत सरकार से हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल और सक्रिय कदम उठाने का आग्रह करता हूं।

क्या पीएम इस युद्ध के समर्थन में: पवन खेड़ा

कांग्रेस पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी के दोस्त बेंजामिन नेतन्याहू ने अब भारत के पुराने दोस्त ईरान पर हमला बोल दिया है। यह पीएम मोदी के इजराइल दौरे से लौटने के बमुश्किल दो दिन बाद हुआ है। पीएम ने अपनी इजराइल यात्रा का उपयोग इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए क्यों नहीं किया? या क्या वह इस युद्ध का समर्थन करते हैं।

खबर संक्षेप

पटरी से उतरी ट्राम, 2 की मौत, 38 घायल

मिलान। इटली के मिलान शहर में बेपटरी होने के बाद ट्राम एक इमारत से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। शहर के मेयर ग्यूसेप्पे सला ने बताया कि मृतकों में से एक व्यक्ति ट्राम के पटरी से उतरने के दौरान उसकी चपेट में आ गया, जबकि दूसरा पीड़ित एक यात्री था। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने सदमे में आए यात्रियों को आपातकालीन कंबलों में लपेट दिया, जबकि एंबुलेंस गंभीर रूप से घायल लोगों को अस्पताल ले गई। पीएम मेलोनी ने दुख जताया।

पंजाब में आतंकी गिरोह का भंडाफोड़, 2 अरेस्ट

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि उसने विदेश स्थित एक आतंकी गिरोह का भंडाफोड़ करके दो लोगों को गिरफ्तार करने के साथ आरडीएक्स से भरा और पूरी तरह से तैयार एक परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया है। इसके साथ ही पुलिस ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करने का दावा किया है। पुलिस ने लगभग 2.5 किलो वजनी आरडीएक्स से भरा आईईडी जब्त किया।

अफगानिस्तान का दावा

जलालाबाद में मार गिराया पाक लड़াকू विमान, पायलट को हिरासत में लिया

एजेंसी ▶▶ काबुल

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अफगान सैन्य और पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान शनिवार को जलालाबाद के एक जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने एएफपी को बताया कि पायलट ने विमान से पैराशूट की मदद से छलांग लगाई और फिर उसे हिरासत में ले लिया गया।

पूर्वी अफगानिस्तान में सेना के प्रवक्ता वाहिदुल्ला मोहम्मदी ने भी इस बात की पुष्टि की है। पाकिस्तान

के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने 297 लड़ाकों को मार गिराया और 450 से अधिक अफगान जवान घायल हो गए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन गजब-लिल-हक के दौरान पाकिस्तान ने अफगान बलों की 89 चौकियों को नष्ट कर दिया और 18 अन्य पर कब्जा कर लिया।

किम जोंग ने दी चेतावनी

हमारी सुरक्षा को खतरा हुआ तो साउथ कोरिया को पूरी तरह कर देंगे तबाह

एजेंसी ▶▶ सिओल

नॉर्थ कोरिया के शासक किम जोंग-उन ने साउथ कोरिया को कड़ी चेतावनी दी है। किम ने कहा है कि उनके देश की सुरक्षा को खतरा हुआ तो वे साउथ कोरिया को 'पूरी तरह नष्ट' कर सकते हैं।

प्योंगयांग में सात दिन चली वर्कर्स पार्टी कांग्रेस के समापन पर किम ने अगले पांच वर्षों के लिए परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेज करने का खाका पेश किया। उन्होंने पानी के भीतर से दागे जा सकने वाले इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल, सामरिक

परमाणु हथियारों के विस्तार, परमाणु-संचालित पनडुब्बी, एआई-युक्त ड्रोन और उन्नत उपग्रह विकसित करने की बात कही। किम ने साउथ कोरिया को 'स्थायी दुश्मन' बताते हुए कहा कि उससे बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। वहीं, उन्होंने कहा कि अमेरिका यदि प्रतिबंध और दबाव की नीति छोड़े तो संवाद संभव है।

एएआईबी ने बारामती विमान दुर्घटना पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की

वीएफआर उड़ानें के संचालन पर मानकों के पालन के लिए दिए आवश्यक निर्देश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने बारामती विमान दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में शनिवार को सिफारिश की कि विमानन नियामक डीजीसीए अनियमित हवाईअड्डों पर वीएफआर उड़ानें संचालित करने वाले सभी संचालकों को निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी कर सकता है। जनवरी में बारामती के पास वीएसआर वेंचर के लेयरजेट विमान दुर्घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी।

सभी पहलुओं की जांच करेंगे

इस दुर्घटना पर अपनी 22 पृष्ठ की प्रारंभिक रिपोर्ट में एएआईबी ने कहा कि तथ्यों और दुर्घटना के मूल कारणों वाले कारकों को सामने लाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। अब तक प्राप्त अंतरिम निष्कर्षों को देखते हुए, विमानन सुरक्षा को बढ़ाने के लिए तत्काल आवश्यक निवारक कार्रवाई करने के लिये निम्नलिखित अंतरिम सुरक्षा सिफारिशें जारी करना आवश्यक समझा जाता है।

रिपोर्ट सार्वजनिक मंच पर साझा करें

महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता अदिति तटकरे ने मांग की कि विमान दुर्घटना से संबंधित सभी रिपोर्ट और निष्कर्षों को संकलित कर किसी साझा मंच पर उपलब्ध कराए जाए, ताकि आम लोग इसे देख सकें। उन्होंने बताया कि विधायक इस मुद्दे को उठाने के लिए सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करेंगे।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच ट्रंप का क्यूबा को लेकर बड़ा बयान

आर्थिक तंगी से जूझ रहा, जल्द फ्रेंडली टेकओवर कर सकते

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि क्यूबा सरकार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही है और अमेरिका से बातचीत कर रही है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका क्यूबा का 'फ्रेंडली टेकओवर' कर सकता है,

जिससे क्यूबन-अमेरिकियों को लाभ हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा सरकार हमसे बात कर रही है। वे बड़ी मुसीबत में हैं। उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास कुछ भी नहीं है। लेकिन वे हमसे बातचीत कर रहे हैं और हो सकता है कि हमारा क्यूबा पर फ्रेंडली टेकओवर हो जाए।

टेकओवर से क्यूबन अमेरिकियों को लाभ होगा

हम बातचीत कर रहे, परिणाम सकारात्मक

ट्रंप ने कहा कि संभावित कदम अमेरिका में रहने वाले उन क्यूबाई मूल के लोगों के लिए सकारात्मक हो सकता है, जो दशकों पहले क्यूबा छोड़कर आए थे। उनके मुताबिक, ऐसे कई लोग क्यूबा लौटना चाहते हैं और मौजूदा बातचीत से संतुष्ट हैं। अमेरिका और क्यूबा के संबंध दशकों से राजनीतिक तनाव और आर्थिक प्रतिबंधों के कारण जटिल रहे हैं।

ट्रंप के निर्देश, संघीय एजेंसियां एंथ्रोपिक तकनीक से बनाएं दूरी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह सभी संघीय एजेंसियों को तुरंत एआई डेवलपर एंथ्रोपिक की तकनीक का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश देंगे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि हमें इनकी ज़रूरत नहीं है, हम इनके साथ काम नहीं करना चाहते और हम इनके साथ फिर से काम नहीं करेंगे। बता दें, एंथ्रोपिक का व्हाइट हाउस के साथ विवाद चल रहा है। कंपनी ने अमेरिकी सेना को अपने एआई टूल्स तक बिना किसी रोक-टोक के पहुंच देने की मांग को मानने से इनकार कर दिया था। इसके बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने एंथ्रोपिक को 'सप्लाई चेन के लिए जोखिम' माना है। यह दर्जा मिलने पर एंथ्रोपिक ऐसी पहली अमेरिकी कंपनी बन जाएगी, जिसे सार्वजनिक रूप से इस तरह का लेबल दिया जाएगा। कंपनी ने कहा कि वह किसी भी 'सप्लाई चेन रिस्क' के दर्जे को अदालत में चुनौती देगी।

भारत-ईयू संबंधों पर 2026 की पहली बैठक

व्यापार, टेक्नोलॉजी, सुरक्षा और सहित कई क्षेत्रों में किया विमर्श

एजेंसी, नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वर्ष 2026 की भारत-यूरोपीय यूनियन संबंधों पर पहली परामर्श समिति की बैठक आयोजित की। इस बैठक में भारत-ईयू के मजबूत होते सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों में आपकी लाभकारी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि इस बैठक में भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी की मजबूत गति और व्यापार, टेक्नोलॉजी, सुरक्षा और गतिशीलता सहित विभिन्न क्षेत्रों में इसके पारस्परिक लाभकारी पहलुओं पर चर्चा की गई।

'मदर ऑफ ऑल डील्स'

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हाल में ही मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), जिसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' हुआ है। यह व्यापार समझौता हाल ही में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और भारत के पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित किया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109